अधिकतम 22 डिग्री से.
न्यूनतम 09 डिग्री से.
सूर्योदय 7.12
सूर्यास्त 5.22
सोना 24 कैरेट: 1,33,350.00
चांदी (प्रति किलो): 2,04,000
सेंसेक्स : 85,267.66
अमेरिका : 90.42
कैनेडियन : 65.73
आस्ट्रेलिया : 60.29

दैनिक अर्थ प्रकाश

खबरों की विश्वसनीयता, हमारी पहचान

चंडीगढ़, दिल्ली, हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश से प्रकाशित पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में प्रसारित

वर्ष 40 | चंडीगढ़, शनिवार, 13 दिसंबर, 2025 | पौष कृष्ण पक्षः नवमी, विक्रमी संवत-2082 | www.arthparkash.com | YouTube/Arth Parkash TV | अंकः 343 | मूल्य 2.00 रुपये | पृष्ठः 12

न्यूज ब्रीफ

पूर्व गृहमंत्री शिवराज पाटिल का 90 की उम्र में निधन

नई दिल्ली। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल का शुक्रवार को 90 की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने लातूर में सुबह 6.30 बजे अंतिम सांस ली। शिवराज पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। लातूर में उनके घर देवघर में उनका इलाज चल रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक पाटिल का अंतिम संस्कार शनिवार को किया जाएगा। शिवराज के परिवार में उनके बेटे शैलेश, बहू अर्चना और दो पोतियां हैं। पाटिल लातूर लोकसभा सीट से 7 बार सांसद रहे। शिवराज को इंदिरा गांधी और राजीव गांधी का विश्वासपात्र माना जाता था। वे 1980 के दशक में इंदिरा और राजीव की सरकारों में रक्षा मंत्री रहे। इसके अलावा वे 1991 से 1996 तक लोकसभा के 10वें अध्यक्ष रहे। 2004 से 2008 तक केंद्र में गृह मंत्री रहे। हालांकि मुंबई हमले में सुरक्षा चूक की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए उन्होंने इस्तीफा दे दिया था।

दिल्ली ब्लास्टः एनआईए ने चार आरोपियों को कोर्ट में पेश किया

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (अप्रस)। देश की राजधानी दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास कार में हुए ब्लास्ट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शुक्रवार को चार आरोपियों को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया। आरोपियों में डॉक्टर मुजम्मिल, डॉ. शाहीन सईद, मुफ्ती इरफान अहमद और आदिल अहमद शामिल हैं। इन सभी चारों आरोपियों को पिछली कस्टडी पूरी होने के बाद अदालत में पेश किया गया। अदालत ने इन सभी चार आरोपियों को 12 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया है। एनआईए ने कोर्ट को बताया कि आरोपी डॉ. मुजम्मिल, डॉ. उमर नबी, आदिल अहमद, डॉ. शाहीन सईद, मुफ्ती इरफान और इरफान अहमद मिलकर एक बड़ी साजिश रच रहे थे। एजेंसी के अनुसार, इस मॉड्यूल का उद्देश्य राजधानी में बड़े स्तर पर अशांति फैलाना और संवेदनशील स्थानों को निशाना बनाना था। जांच में यह भी सामने आया कि डॉ. उमर नबी ने ही कार में विस्फोट किया था।

केंद्रीय कैबिनेट के फैसले

केंद्र ने जनगणना 2027 के लिए 11,718 करोड़ किए मंजूर

एक व्यक्ति की जनगणना पर आएगा 97 रुपए खर्च

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में 2027 में पहली बार जनगणना डिजिटली होगी। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कैबिनेट मीटिंग में इसके लिए 11,718.24 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। इसके मुताबिक एक व्यक्ति की जनगणना पर सरकार के करीब 97 रुपए खर्च होंगे। दरअसल 2011 की जनगणना में भारत की आबादी लगभग 121 करोड़ थी। अगर इसे आधार माना जाए तो 1 व्यक्ति की गणना करने में करीब 97 रुपए खर्चा (11,718.24 करोड़ रुपए/121 करोड़ आबादी) आएगा। अगर 150 करोड़ अनुमानित जनसंख्या मानी जाए तो प्रति व्यक्ति 78 रुपए खर्च होगा।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 30 लाख कर्मचारी डिजिटल जनगणना पूरी करेंगे। यह CaaS सॉफ्टवेयर से होगी। इसका डिजाइन डेटा सुरक्षा को ध्यान में रखकर बनाया गया है। जनगणना दो फेज में होगी। फेज-1 (अप्रैल-सितंबर 2026) में घरों की लिस्टिंग और गिनती होगी। फेज-2 (फरवरी 2027) में आबादी की गिनती होगी।

कोयले का निर्यात करने की मंजूरीः सरकार ने कोयला क्षेत्र में किए जा रहे सुधारों की श्रृंखला में एक और कड़ी जोड़ते हुए इसके निर्यात को मंजूरी दे दी। केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने बताया कि आर्थिक मामलों की समिति ने कोयले के निर्बाध, कुशल और पारदर्शी उपयोग हेतु नीलामी नीति (कोल सेतु) को मंजूरी दे दी है। इसके तहत 'कोल सेतु विंडो' नामक एक नयी विंडो बनाई गई है, जिससे कोयले का उपयोग किसी भी औद्योगिक उपयोग और निर्यात के लिए किया जा सकेगा। यह नयी नीति सरकार द्वारा कोयला क्षेत्र में किए जा रहे सुधारों की श्रृंखला में एक और कड़ी जोड़ती है। उन्होंने कहा कि इस नीति के तहत औद्योगिक उपयोग और निर्यात के लिए दीर्घकालिक आधार पर नीलामी हेतु कोयला लिंकेज का आवंटन किया जाएगा। इसके लिए 2016 की गैर-विनियमित क्षेत्र (एनआरएस) लिंकेज नीलामी नीति में कोल सेतु नामक एक अलग विंडो जोड़ी गई है जिसमें कोयले की आवश्यकता वाले कोई भी घरेलू खरीदार लिंकेज नीलामी में भाग ले सकते हैं।

इंश्योरेंस सेक्टर में एफडीआई 100 फीसदी होगी

केंद्र सरकार ने इंश्योरेंस सेक्टर में फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (एफडीआई) की लिमिट 100 फीसदी करने का बिल पास कर दिया है। पहले यह 74 फीसदी था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कैबिनेट ने गुरुवार को इंश्योरेंस अमेंडमेंट बिल को मंजूरी दी। अब विदेशी कंपनियां पूरी तरह भारतीय इंश्योरेंस फर्म्स की मालिक बन सकेंगी। बिल विंटर सेशन में पेश होगा, जो 19 दिसंबर को खत्म हो रहा है।

कोपरा के लिए एमएसपी तय

अलावा कैबिनेट ने CoalSETU विंडो को मंजूरी दी है। इसके तहत अलग-अलग इंडस्ट्रियल इस्तेमाल और एक्सपोर्ट के लिए कोल लिंकेज की नीलामी, सही पहुंच और रिसोर्स का सबसे अच्छा इस्तेमाल पक्का करना है। सरकार ने 2026 सीजन के लिए कोपरा के मिनिमम सपोर्ट प्राइस (एमएसपी) को मंजूरी दी। 2026 सीजन के लिए फेयर एवरेज क्वालिटी मिलिंग कोपरा के लिए एमएसपी 12,027 रुपए प्रति क्विंटल और बॉल कोपरा के लिए 12,500 रुपए प्रति क्विंटल तय किया गया है। 2026 सीजन के लिए एमएसपी में पिछले सीजन के मुकाबले मिलिंग कोपरा के लिए 445 रुपए प्रति क्विंटल और बॉल कोपरा के लिए 400 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है। सरकार ने मार्केटिंग सीजन 2014 के लिए मिलिंग कोपरा और बॉल कोपरा के लिए एमएसपी को 5,250 रुपए प्रति क्विंटल और 5,500 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ाए हैं।

सरकार मनरेगा का नाम बदलेगी

केंद्र सरकार 19 साल पुरानी योजना महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का नाम बदलकर 'पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजना' करने की तैयारी कर रही है। सरकार जल्द ही इसका ऐलान कर सकती है।

संसद का शीतकालीन सत्र

राहुल ने कहा- सरकार प्रदूषण रोकने का प्लान बनाए, रिजिजू बोले- हम संसद में चर्चा को तैयार

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को लोकसभा में वायु प्रदूषण का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि हमारे देश के ज्यादातर बड़े शहर जहरीली हवा की चपेट में हैं। लाखों बच्चे फेफड़ों की बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं। लोग कैंसर से पीड़ित हो रहे हैं। राहुल ने कहा कि यह एक अहम मुद्दा है। मुझे पूरा यकीन है कि सरकार और हमारे बीच इस मामले पर एक सहमति होगी। इस सदन में मौजूद हर सदस्य इस बात से सहमत होगा कि प्रदूषण के कारण देश के लोगों को जो नुकसान हो रहा है, उस पर हम सभी मिलकर काम करना चाहेंगे।

राहुल गांधी ने कहा कि सरकार को देश के शहरों में वायु प्रदूषण से छुटकारा पाने के लिए एक योजना बनानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष को योजना विकसित करने में सरकार के साथ सहयोग करके खुशी होगी। राहुल ने कहा कि इस मुद्दे पर हम देश को दिखा सकते हैं कि हम किसी महत्वपूर्ण चीज पर मिलकर काम कर सकते हैं. हमें इस पर संसद में विस्तृत चर्चा करनी चाहिए और प्रधानमंत्री को प्रत्येक शहर के लिए एक व्यवस्थित योजना पेश करनी चाहिए, जो अगले 5 या 10 वर्षों में हमारे लोगों के लिए जीवन को आसान बना सके।

इसके जवाब में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार ने पहले दिन से ही अपना रुख साफ कर दिया था कि हम सभी अहम मामलों पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं। सरकार कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टी के नेताओं से सुझाव लेने के लिए भी तैयार है।

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने तमिलनाडु में दीपक जलाने की मांग पर हिंदुओं पर लाठीचार्ज का मुद्दा उठाया। उन्होंने तमिलनाडु की डीएमके सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि तमिलनाडु सनातन धर्म के विरोध का प्रतीक बन गया है। उनके मंत्री सनातन धर्म के विरुद्ध बयान देते हैं।

सभी लोग प्रदूषण पर चर्चा को सहमतः प्रियंका

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि सरकार समेत सभी लोग इस पर चर्चा के लिए सहमत हो गए हैं। प्रियंका गांधी ने कहा कि मुझे लगता है कि इस पर सब सहमत थे। सरकार ने भी कहा है कि वह चर्चा के लिए तैयार है। एक एक्शन प्लान बनाया जाना चाहिए। अब यह बहुत हो गया है, क्योंकि प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। जब हम अलग-अलग टॉपिक पर चर्चा करते हैं, तो इस पर भी चर्चा होनी चाहिए। इससे कुछ ठोस निकलना चाहिए। अच्छा होगा अगर सरकार एक एक्शन प्लान बनाकर उसे लागू करे। राहुल गांधी ने कहा कि मैंने सदन में प्रदूषण का मुद्दा उठाया। यह एक ऐसा मामला है जिस पर सभी पार्टियां सहमत हो सकती हैं, क्योंकि इससे बच्चे प्रभावित होते हैं और लोग कैंसर जैसी बीमारियों से पीड़ित होते हैं। मैंने सुझाव दिया कि इस पर एकमत से चर्चा होनी चाहिए, न कि एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का खेल, जिसमें एक्सपर्ट की राय हो।

इंडिगो पर एक्शनः 4 फ्लाइट ऑपरेशन इंस्पेक्टर सस्पेंड

डीजीसीए की एयरलाइन सीईओ से दूसरे दिन पूछताछ, बेंगलुरु एयरपोर्ट से 54 फ्लाइट कैंसिल

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो में फ्लाइट कैंसिल को लेकर जारी संकट के बीच लगातार एक्शन हो रहा है। डीजीसीए ((नागरिक उड्डयन नियामक) ने शुक्रवार को एयरलाइन की सुरक्षा और ऑपरेशनल नियमों की गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार 4 फ्लाइट ऑपरेशन इंस्पेक्टर को सस्पेंड कर दिया है। इधर इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स आज को लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को डीजीसीए के सामने पेश हुए। इससे पहले गुरुवार को पीटर से अधिकारियों ने करीब 2 घंटे की पूछताछ की थी। इसमें ऑपरेशंस, क्रू मैनेजमेंट, रिफंड, मुआवजे से जुड़े सवाल-जवाब किए गए। वहीं, बेंगलुरु एयरपोर्ट से शुक्रवार को इंडिगो की 54 फ्लाइट कैंसिल हुई हैं। इनमें 31 आने वाली (अराइवल) और 23 जाने वाली (डिपार्चर) फ्लाइट शामिल हैं। इससे पहले गुरुवार को दिल्ली और बेंगलुरु एयरपोर्ट पर 200 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुई थीं।

इंडिगो संकट ओवरकॉन्फिडेंस का नतीजाः देश में कम किराए वाली विमान सेवा शुरू करने वाले कैप्टन गोपीनाथ ने कहा कि इंडिगो संकट शायद इसलिए बढ़ा, क्योंकि एयरलाइन संचालकों में घमंड और ओवरकॉन्फिडेंस आ गया था। इसलिए एयरलाइन हालात नहीं समझ पाई। उन्होंने कहा कि नवंबर से लागू हुए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) नियमों के दूसरे फेज को लागू करने में सही प्लानिंग की कमी ही 2 दिसंबर से शुरू हुए संकट का कारण है। नए नियमों के साथ, एयरलाइन के पास अपनी फ्लाइट्स ऑपरेट करने के लिए पर्याप्त संख्या में पायलट नहीं थे। जब बॉटम लाइन, रेवेन्यू और प्रॉफिट में ग्रोथ और स्टॉक मार्केट पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है तो ऐसा होता है कि वे पायलट और दूसरे स्टाफ की बात सुनना बंद कर देते हैं।

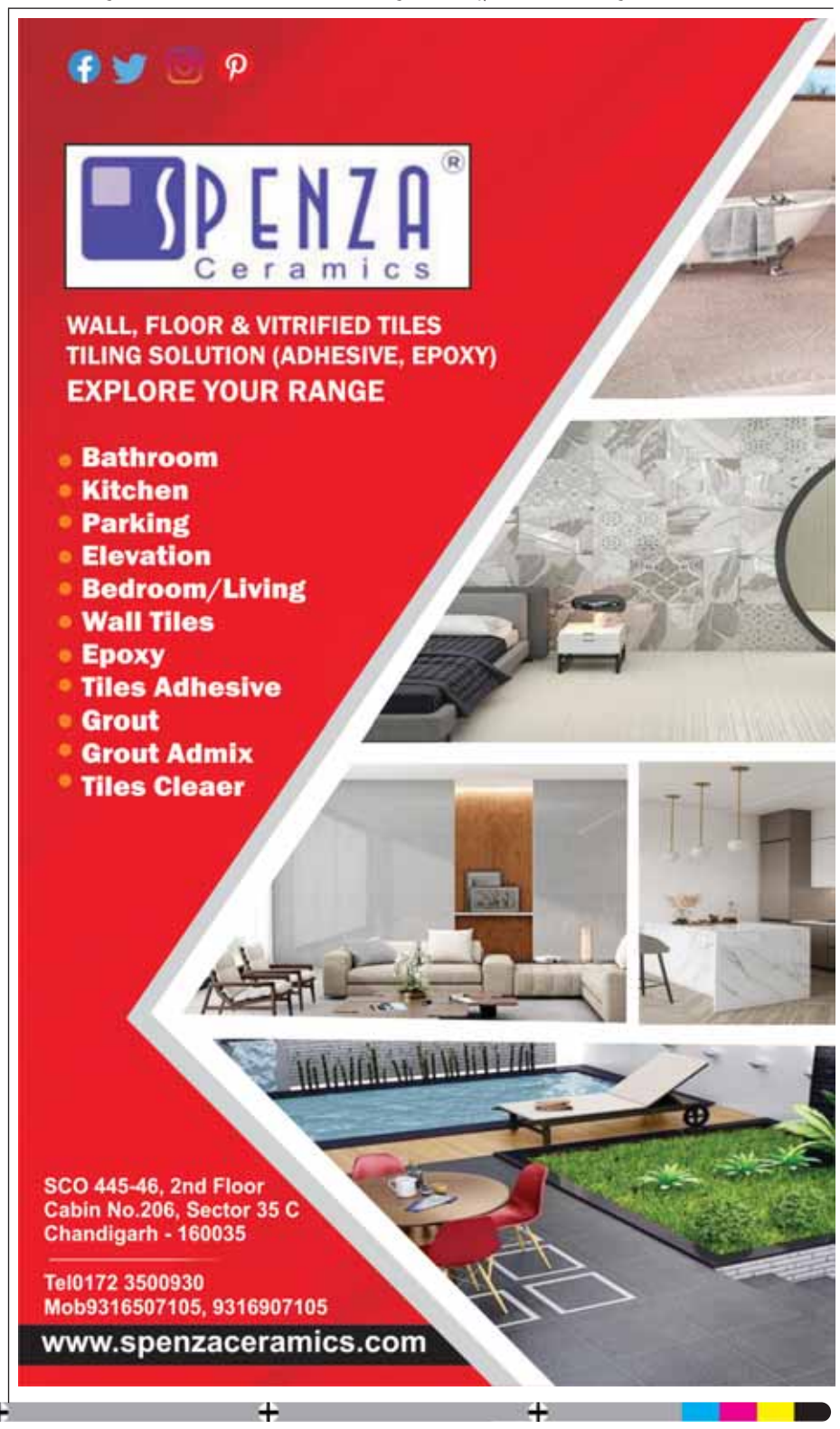

शुरुआत

मुख्यमंत्री ने आबकारी विभाग की 6 ऑनलाइन सेवाओं का किया शुभारंभ

अब 'कर हितैषी' पर दे सकेंगे फर्जी बिलिंग व जीएसटी चोरी की शिकायत

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 12 दिसंबर। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आबकारी एवं कराधान विभाग की दो प्रमुख डिजिटल योजनाओं की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने विभाग द्वारा विकसित 'कर हितैषी' मोबाइल एप्लिकेशन का लोकार्पण किया। यह ऐप आम नागरिकों को जीएसटी चोरी की जानकारी सरल और गोपनीय तरीके से देने की सुविधा प्रदान करता है। नागरिक फर्जी बिलिंग, गलत इनपुट टैक्स क्रेडिट, बिना पंजीकरण कारोबार, बिल न देने, या लेन-देन छिपाने जैसी अनियमितताओं की सूचना फोटो, वीडियो या दस्तावेजों के साथ अपलोड कर सकते हैं। ऐप यह सुनिश्चित करता है कि सूचना देने वाले की पहचान संबंधित फील्ड अधिकारियों को न दिखाई दे।

मुख्यमंत्री ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे स्वैच्छिक रिपोर्टिंग को बढ़ावा मिलेगा और जीएसटी प्रशासन में पारदर्शिता मजबूत होगी। इसके अलावा नायब सिंह सैनी ने छः नई ऑनलाइन आबकारी सेवाओं का शुभारंभ किया। ये सेवाएँ एथेनॉल, अतिरिक्त अल्कोहल (ईएनए) और डिनेचर्ड स्प्रिट से संबंधित अनुमतियों के लिए विकसित की गई हैं। अब व्यापारिक इकाइयों इथेनॉल और ईएनए के आयात निर्यात तथा डिनेचर्ड स्प्रिट के निर्यात आयात की अनुमति ऑनलाइन आवेदन के माध्यम से प्राप्त कर सकेंगी। इस प्रणाली में आवेदक आवेदन की स्थिति देख सकते हैं और डिजिटल हस्ताक्षरित अनुमति पत्र डाउनलोड कर सकते हैं।

बैठक में बताया गया कि वास्तविक समय में डैशबोर्ड के माध्यम से माल की आवाजाही, अनुमतियों की समय-सीमा और अनुपालन की निगरानी की जा सकेगी। यह व्यवस्था कागजी कार्यवाही कम करेगी, दुरुपयोग की संभावनाएं रोकेंगी और उद्योगों को तेज व पारदर्शी सेवाएँ प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री ने आबकारी एवं कराधान विभाग की कार्यप्रणाली की भी समीक्षा की। बैठक में विभाग के राजस्व प्रदर्शन, प्रवर्तन कार्रवाइयों, लंबित वसूली, तथा जीएसटी, वैट और आबकारी क्षेत्र में चल रहे डिजिटल सुधारों की प्रगति का विस्तृत मूल्यांकन किया गया। बैठक में जानकारी दी गई कि हरियाणा ने पूरे देश में नेट एसजीएसटी संग्रह में सर्वाधिक 21 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की है, जबकि राष्ट्रीय औसत 6 प्रतिशत है। नवंबर 2025 में राज्य का नेट एसजीएसटी संग्रह 3,835 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष नवंबर के मुकाबले 17 प्रतिशत अधिक है। चालू वित्त वर्ष में नवंबर तक कुल जीएसटी संग्रह 83,606 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 7 प्रतिशत अधिक है और राष्ट्रीय औसत 5.8 प्रतिशत से बेहतर है।

मान सरकार की दूरदर्शी नीतियों का परिणाम

सरकारी स्कूल की शिक्षिका ने सोशल मीडिया पर जगाई पंजाबी भाषा की अलख

कई हज़ार फॉलोअर्स तक पहुंची मातृभाषा की आवाज

मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार की भाषा संरक्षण नीति का शानदार प्रतिफल, शिक्षकों को मिला सशक्तिकरण का मंच

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़,11 दिसंबर। मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार के एक सरकारी विद्यालय में कार्यरत एक समर्पित शिक्षिका आज सोशल मीडिया पर पंजाबी भाषा, संस्कृति और इतिहास की अलख जगाने वाली प्रेरणास्त्रोत बन चुकी हैं। अपने नवाचारी शिक्षण तरीकों और डिजिटल माध्यम के प्रभावी उपयोग से उन्होंने न केवल अपने विद्यालय के छात्रों को प्रभावित किया है, बल्कि सोशल मीडिया पर 45 हजार से अधिक फॉलोअर्स का एक सक्रिय और समर्पित समुदाय तैयार किया है। यह उपलब्धि मान सरकार की मातृभाषा संरक्षण नीति और शिक्षकों को दिए गए सशक्तिकरण का प्रत्यक्ष प्रमाण मानी जा रही है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा पंजाबी भाषा को बचाने और बढ़ावा देने के लिए उठाए गए ऐतिहासिक कदमों का सकारात्मक परिणाम आज स्कूलों और समाज दोनों में दिख रहा है।

यह शिक्षिका पारंपरिक शिक्षण विधियों के साथ-साथ आधुनिक तकनीक का उपयोग कर पंजाबी भाषा को रोचक और प्रासंगिक बनाने का अनूठा प्रयास कर रही हैं। कक्षा में वे गुरबाणी, लोक गीतों, पंजाबी साहित्य और प्रदेश के गौरवशाली इतिहास को इतने सजीव रूप में प्रस्तुत करती हैं कि बच्चे सहज ही अपनी जड़ों से जुड़ जाते हैं। उनकी कक्षाएं केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि पंजाब की सांस्कृतिक विरासत का जीवंत दर्पण बन जाती हैं। छात्र-छात्राएं पंजाबी कविताओं, कहानियों और नाटकों के माध्यम से भाषा की गहराई और सौंदर्य को समझते हैं। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार, उनके आने के बाद पंजाबी विषय में छात्रों की रुचि और परीक्षा परिणाम दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

सोशल मीडिया पर उनकी उपस्थिति भाषा संरक्षण के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम के रूप में उभरी है। उन्होंने विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर पंजाबी भाषा के दैनिक पाठ, मुहावरे, ऐतिहासिक तथ्य, लोककथाएं और सांस्कृतिक परंपराओं को सरल और आकर्षक तरीके से साझा करना शुरू किया। उनके वीडियो न केवल पंजाब में, बल्कि देश-विदेश के पंजाबी समुदाय में भी अत्यंत लोकप्रिय हो गए हैं। 45 हजार से अधिक फॉलोअर्स उनकी प्रत्येक पोस्ट का इंतजार करते हैं और टिप्पणियों व शेयर के माध्यम से इस मुहिम में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि डिजिटल युग में युवाओं को मातृभाषा से जोड़ने के लिए यह एक अनुकरणीय मॉडल है।

पंजाब सरकार की दूरदर्शी भाषा नीति ने ऐसी प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर दिया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सत्ता सँभालते ही पंजाबी भाषा को प्रोत्साहित करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों में पंजाबी शिक्षण को अनिवार्य व आकर्षक बनाने, शिक्षकों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ करने, पाठ्यक्रम का आधुनिकीकरण करने और डिजिटल शिक्षण सामग्री विकसित करने जैसे कई कदम उठाए गए हैं। शिक्षा मंत्रालय ने हाल ही में घोषणा की कि राज्य के सभी सरकारी विद्यालयों में पंजाबी भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए विशेष अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री का स्पष्ट मत है कि पंजाबी भाषा पंजाब की आत्मा है और इसे संरक्षित रखना हर पंजाबी का कर्तव्य है।

शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस शिक्षिका की पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह मान सरकार की नीतियों की सफलता का जीवंत उदाहरण है। उनके अनुसार, सरकार ने शिक्षकों को वह स्वतंत्रता, संसाधन और प्रोत्साहन दिया है जो पहले कभी उपलब्ध नहीं हुआ। जब सरकारी स्कूलों की शिक्षिकाएं इस तरह का नवाचार और समर्पण दिखाती हैं, तो यह प्रमाण है कि सरकार की नीतियां गहरे और सकारात्मक परिणाम दे रही हैं। उनका मानना है कि पंजाब का भविष्य ऐसे ही शिक्षकों के हाथों में सुरक्षित है।

सोशल मीडिया पर इस शिक्षिका के फॉलोअर्स में युवा छात्र, अभिभावक, साहित्यकार और प्रवासी पंजाबी शामिल

सोशल मीडिया पर इस शिक्षिका के फॉलोअर्स में युवा छात्र, अभिभावक, साहित्यकार और प्रवासी पंजाबी शामिल हैं। कई लोग टिप्पणी कर बताते हैं कि वे अपने बच्चों को पंजाबी सिखाने में उनकी सामग्री का सहारा लेते हैं। कनाडा में रहने वाले एक व्यक्ति ने लिखा, 'मेरे बच्चों को पंजाबी सीखने में कठिनाई होती थी, लेकिन इनके वीडियो ने उनमें भाषा के प्रति रुचि जगा दी है।' एक युवा ने लिखा, 'पहले मुझे लगता था कि पंजाबी सीखना बोरिंग है, पर इनका पढ़ाने का तरीका इतना मजेदार है कि अब मैं खुद सीखने लगा हूँ।' ये प्रतिक्रियाएँ बताती हैं कि सही दृष्टिकोण और तकनीक का उपयोग भाषा संरक्षण को नया आयाम दे सकता है। भाषा विशेषज्ञों का भी मानना है कि ऐसी पहलें पंजाबी भाषा को न केवल जीवित रखने में मदद कर रही हैं, बल्कि युवा पीढ़ी में सांस्कृतिक गौरव की भावना पैदा कर रही हैं। पंजाब विश्वविद्यालय के भाषा विभाग के एक प्रोफेसर के अनुसार, जब शिक्षक पुस्तकों से आगे बढ़कर रचनात्मक तरीके से पढ़ाते हैं, तो छात्र स्वाभाविक रूप से भाषा से जुड़ जाते हैं। उन्होंने कहा कि यदि हर जिले में ऐसी दो-तीन शिक्षिकाएं भी सक्रिय हो जाएं, तो पंजाबी भाषा का भविष्य पूरी तरह सुरक्षित हो जाएगा।

मान सरकार ने मातृभाषा संरक्षण के लिए अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए

हाल के वर्षों में मान सरकार ने मातृभाषा संरक्षण के लिए अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए हैं—सरकारी कार्यालयों में पंजाबी का अनिवार्य उपयोग, साहित्य और कला को बढ़ावा देने के लिए अनुदान, युवा लेखकों हेतु प्रतियोगिताएं, तथा पंजाबी भाषा के डिजिटल संसाधनों का विस्तार। स्कूलों में पंजाबी पुस्तकालयों को मजबूत किया गया है और शिक्षकों को आधुनिक शिक्षा विधियों में प्रशिक्षित करने के लिए विशेष बजट भी आवंटित किया गया है। इन प्रयासों का परिणाम है कि आज सरकारी स्कूलों में पंजाबी की शिक्षा अधिक प्रभावी और आकर्षक हो गई है। यह शिक्षिका की सफलता की कहानी मान सरकार की भाषा नीति की सार्थकता का प्रमाण है। यह दर्शाती है कि जब दूरदर्शी नेतृत्व सही नीतियां बनाता है और शिक्षक समर्पण के साथ उन्हें लागू करते हैं, तो परिणाम चमत्कारिक होते हैं। उनकी पहल यह सुनिश्चित करती है कि आने वाली पीढ़ियां अपने सांस्कृतिक वैभव पर गर्व करें और पंजाबी भाषा का भविष्य सुरक्षित रहे।

मुख्यमंत्री ने पंजाब को निर्माण केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए यू.के. से रणनीतिक गठजोड़ की वकालत की

पंजाब को सबसे पसंदीदा निवेश स्थान के रूप में पेश किया

यू.के. की कंपनियों को राज्य में आयोजित होने वाले निवेशक सम्मेलन में शामिल होने का निमंत्रण

यू.के. के शिष्टमंडल ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 12 दिसंबर। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज पंजाब और ब्रिटेन (यू.के.) के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की वकालत करते हुए कहा कि पंजाब को निवेश और विनिर्माण के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। चंडीगढ़ में यू.के. हाई कमीशन की डिप्टी हाई कमिश्नर एल्बा समैरिग्लियो के नेतृत्व में आए उच्च-स्तरीय शिष्टमंडल के साथ बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने व्यापारिक भागीदारी को और सुदृढ़ करने पर जोर दिया। दोनों पक्षों ने आपसी संबंधों को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

भगवंत सिंह मान ने मोहाली को विश्व स्तर पर बेहतर ढंग से संगठित शहरों में से एक बताया और कहा कि विनिर्माण क्षेत्र में उभरने के लिए पंजाब में अपार संभावनाएँ मौजूद हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पंजाब के विद्यार्थी सुरक्षित और कानूनी तरीकों से यू.के. में अवसर तलाशने के इच्छुक हैं और इस दिशा में राज्य सरकार हर संभव सहयोग देगी।

मुख्यमंत्री ने गैंगस्टरों जैसे अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर बात करते हुए कहा कि ऐसे मामले सीमाओं से परे होते हैं और पंजाब सरकार न्यायिक प्रक्रियाओं तथा आवश्यक कानूनी सहायता में यू.के. के साथ सहयोग करने के लिए तैयार है।

उन्होंने यू.के. की कंपनियों का स्वागत करते हुए पंजाब को निवेशकों के लिए पसंदीदा गंतव्य बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया भर में बसे प्रवासी पंजाबी समुदाय ने अपनी क्षमता व प्रतिभा से विशेष पहचान बनाई है। उन्होंने निवेश के प्रमुख क्षेत्रों—कृषि मशीनरी, खाद्य प्रसंस्करण, आई.टी. सहित अन्य सेक्टरों—की पहचान भी करवाई।

मुख्यमंत्री ने शिष्टमंडल को बताया कि पंजाब का मजबूत निवेश इकोसिस्टम वाजिब बिजली दरें, विकसित सुविधाएँ और निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है। राज्य कारोबार सरलता से करने में पहले स्थान पर है तथा सिंगल विंडो सिस्टम पारदर्शी रूप से सेवाएँ उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों से पंजाब राइट टू बिज़नेस एक्ट लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन चुका है।

मुख्यमंत्री ने शिष्टमंडल को मार्च माह में मोहाली में आयोजित होने वाले प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन (पी पी आई एस) में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने पंजाब को 'अवसरों की भूमि' बताते हुए कहा कि विश्व-प्रसिद्ध कंपनियाँ यहाँ अपने व्यवसाय का विस्तार करना चाहती हैं, जो राज्य की मजबूत कानून-व्यवस्था का प्रमाण है। उन्होंने यह भी कहा कि नज़दीकी भविष्य में मोहाली 'दुनिया की अगली सिलिकॉन वैली' के रूप में उभरेगा, क्योंकि यहाँ निवेश की अपार संभावनाएँ मौजूद हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मोहाली में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा स्थित है और 100 किलोमीटर के दायरे में बड़ी संख्या में कुशल तथा प्रतिभाशाली कार्यबल उपलब्ध है, जो इसे निवेश के लिए उपयुक्त स्थान बनाता है। उन्होंने शिष्टमंडल से राज्य के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा करने और संभावनाओं का आकलन करने की अपील की, ताकि पंजाब के विकास को और गति दी जा सके।

इस दौरान यू.के. की डिप्टी हाई कमिश्नर ने प्रवासी पंजाबी समुदाय की क्षमता और उनके पास मौजूद विशाल निवेश संसाधनों की सराहना की।

मुख्य क्षेत्रों से संबंधित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में मुख्यमंत्री ने पंजाब में निवेश के अनुकूल वातावरण की जानकारी दी और यू.के. के प्रतिनिधियों से पंजाब आकर अवसरों की संभावनाएँ देखने का अनुरोध किया। दोनों पक्षों ने व्यापार व वाणिज्य को बढ़ावा देने, आपसी विकास, प्रगति और

जिला परिषद एवं पंचायती समिति चुनाव 202: राज्य चुनाव आयोग ने पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की, तैयारियां पूर्ण

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 12 दिसंबर। राज्य में 14.12.2025 को होने जा रहे ज़िला परिषद और पंचायती समितियों के आम चुनावों को निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न करवाने के लिए राज्य चुनाव आयोग पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस संबंध में आयोग द्वारा सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। आयोग द्वारा चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों और आम जनता को सूचित किया जाता है कि सभी ज़िलों में आइ.ए.एस./ वरिष्ठ पी.सी.एस. अधिकारियों को 'चुनाव पर्यवेक्षक' नियुक्त किया गया है, जो आज से लेकर चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक (अर्थात् मतगणना और परिणाम घोषित होने तक) अपने-अपने ज़िले में मौजूद रहेंगे और आवश्यकता अनुसार राज्य चुनाव आयोग को इन चुनावों संबंधी सूचित करते रहेंगे। इन नियुक्त चुनाव पर्यवेक्षकों का विवरण राज्य चुनाव आयोग की वेबसाइट (https://sec.punjab.gov.in) पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, आयोग ने राज्य के विभिन्न ज़िलों (पटियाला, संगरूर, बरनाला, तरन तारन, रूपनगर, जालंधर, कपूरथला और मोगा) में चुनाव प्रक्रिया के दौरान क़ानून-व्यवस्था की स्थिति पर नज़र रखने के लिए 6 वरिष्ठ आइ.पी.एस. अधिकारियों को 'पुलिस पर्यवेक्षक' के रूप में नियुक्त किया है, जिनका विवरण संबंधित डिप्टी कमिश्नर कार्यालयों में उपलब्ध है। यदि किसी उम्मीदवार को आवश्यकता महसूस हो तो वह उनसे संपर्क कर सकता है।

एस.सी. आयोग के चेयरमैन गढ़ी ने की मुख्यमंत्री भगवंत मान से मुलाकात

जसवीर सिंह गढ़ी ने एस.सी. आयोग के कार्यों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 12 दिसंबर। पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन जसवीर सिंह गढ़ी ने आज पंजाब राज्य के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान से उनके निवास स्थान पर मुलाकात की।

मुलाकात के दौरान श्री जसवीर सिंह गढ़ी ने मुख्यमंत्री पंजाब भगवंत सिंह मान को अनुसूचित जाति आयोग द्वारा राज्य के दलित वर्ग के लिए किए जा रहे कार्यों के बारे में अवगत कराया। इसके अलावा उन्होंने मुख्यमंत्री को आयोग के सामने आने वाली समस्याओं के बारे में भी जानकारी दी।

श्री गढ़ी ने इस मुलाकात के बारे में अधिक जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आयोग के कार्यों के संबंध में संतुष्टि व्यक्त की और साथ ही आयोग के सामने आने वाली समस्याओं के बारे में लिखित रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा ताकि उन्हें जल्द से जल्द हल किया जा सके। उन्होंने बताया कि यह रिपोर्ट जल्द ही मुख्यमंत्री को पेश कर दी जाएगी।

श्री गढ़ी ने बताया कि इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री को जापान और दक्षिण कोरिया के सफल दौरे के लिए बधाई दी।

DIRECTORATE OF SMALL SAVINGS, BANKING AND LOTTERIES, PUNJAB

Draw Time: 04:00 PM ONWARDS DATE:12/12/2025

RESULT OF PUNJAB STATE DEAR 50 COLT FRIDAY WEEKLY LOTTERY

MRP Rs 50/- Per Ticket

1st Prize Amount (1) Rs. 25 Lakhs (On 5 digits with series)
(Seller Prize Amount Rs. 1 Lakh + Sub Stockist Prize Amount Rs. 25 Thousand, Total Prize Amount Rs. 26.25 Lakhs)
A 77628

2nd Prize Amount (25) Rs. 9,000/- (On 5 digits)
(Seller Prize Amount Rs. 900/-, Sub Stockist Prize Amount Rs. 100/-, Total Prize Amount Rs.10,000/- each)
56174 58184 82148 90591 93857

3rd Prize Amount (50) Rs. 4,000/- (On Last 4 digits)
(Seller Prize Amount Rs. 500/-, Sub Stockist Prize Amount Rs. 100/-, Total Prize Amount Rs. 4,600/- each)
6949 8637

4th Prize Amount (125) Rs. 2,000/- (On last 4 digits)
(Seller Prize Amount Rs. 200/-, Sub Stockist Prize Amount Rs.50/-, Total Prize Amount Rs. 2,250/- each)
1710 1925 2333 3720 6043

5th Prize Amount (125) Rs. 1000/- (On last 4 digits)
(Seller Prize Amount Rs. 100/-, Sub Stockist Prize Amount Rs. 50/-, Total Prize Amount Rs. 1,150/- each)
1393 1577 4993 6514 7651

6th Prize Amount (125) Rs. 500/- (On last 4 digits)
(Seller Prize Amount Rs. 50/-, Sub Stockist Prize Amount Rs. 20/-, Total Prize Amount Rs.570/- each)
1232 4537 5225 5311 7762

7th Prize Amount (17,500) Rs. 100/- (On last 4 digits)
(Seller Prize Amount Rs. 10/-, Sub Stockist Prize Amount Rs. 5/-, Total Prize Amount Rs.115/- each)

0008	0014	0038	0048	0063	0124	0161	0167	0218	0225
0226	0239	0240	0250	0261	0279	0285	0340	0342	0343
0366	0368	0379	0403	0415	0439	0453	0529	0552	0606
0614	0619	0631	0635	0667	0669	0675	0689	0713	0719
0725	0728	0735	0740	0752	0762	0769	0784	0788	0804
0830	0837	0863	0875	0877	0879	0887	0938	0958	0991
1010	1040	1048	1086	1100	1162	1168	1214	1228	1257
1265	1307	1317	1333	1341	1355	1361	1390	1391	1392
1394	1400	1450	1464	1482	1488	1489	1491	1492	1510
1521	1545	1550	1559	1583	1586	1592	1595	1607	1615
1621	1652	1687	1691	1711	1738	1760	1789	1804	1805
1810	1813	1820	1857	1870	1890	1894	1897	1910	1916
1919	1952	1967	1980	1989	2007	2017	2019	2022	2035
2041	2056	2069	2075	2080	2093	2115	2132	2141	2146
2178	2191	2195	2201	2225	2229	2236	2237	2245	2257
2284	2290	2292	2294	2295	2301	2312	2334	2336	2343
2348	2371	2391	2399	2425	2447	2449	2452	2453	2531
2559	2587	2600	2633	2644	2646	2670	2694	2701	2702
2728	2733	2749	2830	2834	2845	2851	2854	2859	2869
2870	2873	2893	2916	2924	2932	2938	2941	2956	2958
2959	2991	3002	3015	3018	3022	3024	3034	3056	3061
3078	3084	3089	3091	3096	3106	3112	3127	3143	3163
3175	3176	3182	3205	3222	3267	3274	3290	3295	3305
3315	3319	3322	3330	3340	3346	3359	3361	3381	3396
3397	3399	3415	3419	3422	3444	3463	3477	3482	3516
3542	3559	3569	3580	3586	3619	3626	3635	3653	3660
3665	3667	3677	3684	3702	3709	3713	3725	3731	3732
3743	3752	3768	3770	3774	3804	3817	3819	3840	3846
3849	3858	3865	3875	3891	3896	3933	3953	3979	3998
4000	4005	4014	4017	4043	4044	4048	4078	4079	4090
4092	4093	4113	4151	4154	4157	4170	4179	4196	4208
4232	4255	4260	4265	4273	4274	4277	4295	4315	4317
4340	4351	4353	4355	4357	4358	4365	4378	4400	4407
4422	4423	4428	4433	4439	4467	4475	4484	4489	4494
4507	4511	4513	4530	4540	4564	4567	4631	4660	4688
4690	4700	4708	4712	4716	4719	4723	4734	4739	4788
4798	4853	4863	4865	4873	4883	4886	4889	4897	4903
4909	4911	4994	5002	5055	5059	5069	5099	5105	5132
5135	5157	5166	5181	5192	5195	5223	5229	5241	5250
5269	5284	5285	5293	5302	5318	5324	5326	5352	5360
5374	5377	5386	5401	5435	5437	5442	5443	5445	5456
5459	5487	5493	5538	5567	5572	5622	5645	5649	5669
5696	5700	5702	5723	5753	5763	5767	5773	5783	5785
5804	5806	5811	5817	5826	5832	5852	5875	5876	5886
5919	5921	5935	5945	5957	5983	6028	6034	6035	6073
6076	6080	6109	6117	6123	6136	6149	6169	6209	6219
6250	6271	6273	6293	6320	6334	6343	6379	6381	6388
6398	6417	6431	6434	6445	6510	6529	6545	6563	6578
6579	6581	6611	6613	6614	6624	6641	6665	6668	6699
6718	6722	6731	6740	6753	6758	6759	6773	6801	6819
6821	6827	6850	6856	6877	6887	6893	6917	6947	6950
6951	6964	6979	6989	6990	7003	7012	7046	7049	7057
7062	7124	7129	7152	7161	7226	7231	7238	7256	7259
7280	7281	7324	7343	7344	7352	7361	7363	7373	7380
7397	7430	7438	7483	7484	7525	7555	7560	7563	7564
7566	7575	7619	7634	7637	7642	7676	7684	7696	7728
7759	7777	7798	7820	7827	7840	7875	7891	7899	7919
7928	7978	7979	7989	7994	7995	8005	8013	8024	8028
8109	8127	8180	8187	8235	8244	8278	8281	8318	8319
8328	8347	8352	8371	8372	8379	8405	8425	8432	8455
8474	8483	8502	8528	8540	8541	8543	8544	8552	8556
8565	8566	8613	8623	8641	8646	8656	8657	8679	8697
8703	8712	8721	8733	8735	8737	8769	8784	8792	8803
8821	8860	8871	8872	8955	8983	8993	9002	9005	9010
9013	9034	9070	9077	9092	9103	9110	9135	9152	9168
9174	9236	9250	9265	9287	9302	9305	9321	9322	9325
9346	9364	9379	9400	9434	9456	9467	9476	9480	9491
9500	9503	9555	9565	9586	9601	9611	9621	9634	9635
9637	9640	9641	9663	9706	9711	9732	9790	9796	9844
9890	9899	9912	9947	9959	9971	9973	9989	9991	9999

Issued by DIRECTORATE OF SMALL SAVINGS, BANKING AND LOTTERIES, PUNJAB

Kindly check the final result with Official Gazette Notification

मान सरकार के नेतृत्व में मोहाली के सरकारी अस्पताल में पहली सफल लिवर ट्रांसप्लांट से देश भर के सरकारी अस्पतालों के लिए बना रोल मॉडल

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 11 दिसंबर। आज पंजाब के स्वास्थ्य इतिहास में एक नया अध्याय लिखा गया है। आम आदमी पार्टी की भगवंत मान सरकार के संकल्प और दूरदर्शिता का परिणाम है कि पंजाब इंस्टीट्यूट ऑफ़ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज़ (पीआईएलबीएस), मोहाली ने पहली बार सफलतापूर्वक लिवर ट्रांसप्लांट कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि केवल चिकित्सा विज्ञान की सफलता नहीं, बल्कि उन हजारों गरीब और मध्यम-वर्गीय परिवारों के लिए आशा की किरण है, जो अब तक महंगे इलाज के कारण जीवन-रक्षक सर्जरी से दूर थे। यह साबित करता है कि पंजाब का सरकारी स्वास्थ्य ढांचा अब देश के किसी भी प्रमुख संस्थान से मुकाबला करने की क्षमता रखता है।

यह केवल एक सर्जरी की सफलता नहीं, बल्कि कई परिवारों की भावनाओं से जुड़ी कहानी है—एक पिता को मिला नया जीवन, एक बेटे की लौटी मुस्कान, एक परिवार का दोबारा एक होना। जहाँ निजी अस्पतालों में यह ऑपरेशन लाखों-करोड़ों की लागत पर होता है, वहीं मान सरकार ने पीआईएलबीएस के माध्यम से इसे किफायती दरों पर उपलब्ध करवाकर लोक-कल्याण की मिसाल पेश की है। इस उपलब्धि के केंद्र में संस्थान के विशेषज्ञ डॉक्टरों, नर्सों और पैरा-मेडिकल स्टाफ की अथक मेहनत और वर्षों का समर्पण है। उन्होंने सिद्ध किया है कि यदि सरकारी संस्थानों को उचित संसाधन, प्रशिक्षण और नेतृत्व मिले, तो वे दुनिया के सबसे उन्नत अस्पतालों की बराबरी कर सकते हैं।

लिवर फेलियर से जूझ रहे मरीजों के लिए यह खबर जीवन और मृत्यु के बीच का फर्क है। ट्रांसप्लांट की जरूरत वाले परिवारों के लिए पीआईएलबीएस अब केवल एक अस्पताल नहीं, बल्कि 'आशा का मंदिर' बन गया है। यह मील का पत्थर पंजाब के हर उस नागरिक के लिए गर्व का विषय है जिसने कभी महंगे इलाज के सामने हार मान ली थी। यह संदेश भी स्पष्ट है कि मान सरकार की प्राथमिकता सिर्फ विकास नहीं, बल्कि हर नागरिक का स्वास्थ्य और कल्याण है। यह सर्जरी पंजाब में स्वास्थ्य क्रांति की एक मज़बूत नींव साबित हो सकती है।

मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने की दिशा में निरंतर प्रयास किए गए हैं। पीआईएलबीएस की स्थापना का उद्देश्य पंजाब को लिवर और पित्त संबंधी बीमारियों के इलाज में अग्रणी केंद्र बनाना था। पहली सफल लिवर ट्रांसप्लांट इस विज़न की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि है। सरकार की नीति स्पष्ट है—भौगोलिक और आर्थिक असमानता दूर कर हर नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाना, चाहे वह किसी भी वर्ग या क्षेत्र से जुड़ा हो।

यह सफलता केवल पंजाब के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के सरकारी अस्पतालों के लिए भी प्रेरणा है। पीआईएलबीएस अब राष्ट्रीय स्तर पर एक मॉडल संस्थान के रूप में उभर सकता है। आने वाले समय में चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं—अंगदान को बढ़ावा देना, उन्नत अनुसंधान को गति देना और विशेषज्ञ डॉक्टरों का निरंतर प्रशिक्षण सुनिश्चित करना। सरकार को इस उपलब्धि को टिकाऊ सेवा में बदलने के लिए निरंतर निवेश और प्रतिबद्धता बनाए रखनी होगी। पीआईएलबीएस की यह सफलता एक मानवीय और उज्ज्वल भविष्य की ओर संकेत करती है। यह उस सरकार की कहानी है जो अपने नागरिकों के प्रति संवेदनशील और उत्तरदायी है। यह जीत केवल चिकित्सा की नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व की है। इस कदम ने सिद्ध कर दिया है कि उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा अब सिर्फ अमीरों का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि हर नागरिक का अधिकार होनी चाहिए।

पंजाब सरकार की यह पहल उन लाखों लोगों की जीत है जो मानते थे कि बेहतरीन इलाज केवल निजी अस्पतालों में ही संभव है। लेकिन आज सरकारी अस्पताल की छत के नीचे पंजाब के डॉक्टरों ने अपने कौशल से दिखा दिया कि गुणवत्तापूर्ण इलाज अब किसी आर्थिक सीमा का मोहताज नहीं।

मान सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र में जो दृढ़ संकल्प दिखाया है, वह काबिले तारीफ़ है। उनका संदेश स्पष्ट है—÷पंजाब का हर नागरिक हमारा परिवार है, और परिवार का हर सदस्य स्वस्थ रहेगा। अब पैसे की कमी के कारण किसी की जान नहीं जाएगी।÷ यह वाक्य पंजाब के नागरिकों को भावनात्मक सुरक्षा देता है और स्वास्थ्य प्रणाली में नया विश्वास जगाता है। यह बताता है कि बदलाव की शुरुआत हो चुकी है—एक ऐसा बदलाव जो गरीबी और अमीरी के बीच की खाई पाटकर हर चेहरे पर मुस्कान लाएगा। यह ऐतिहासिक सफलता आने वाले समय में बेहतर, मजबूत और अधिक सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में पंजाब की नई यात्रा का प्रारंभ है।

'युद्ध नशों विरुद्ध' के 286वें दिन 863 ग्राम हेरोइन सहित 68 नशा तस्करों को किया गिरफ्तार

नशा छुड़ाने संबंधी प्रयासों के तहत पंजाब पुलिस ने 40 व्यक्तियों को नशा छोड़ने का उपचार लेने के लिए तैयार किया

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 12 दिसंबर। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत राज्य से नशों का पूरी तरह खात्मा करने के लिए चलाए जा रहे ÷युद्ध नशों विरुद्ध÷ अभियान के 286वें दिन पंजाब पुलिस ने आज 305 स्थानों पर छापेमारी की। इसके बाद पूरे राज्य में 53 एफआईआर दर्ज कर 68 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही 286 दिनों में गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों की कुल संख्या 40,187 हो गई है। छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों के कब्जे से 863 ग्राम हेरोइन, 352 नशीली गोलियाँ और 810 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों और एस.एस.पीज़ को पंजाब को नशा-मुक्त राज्य बनाने के निर्देश दिए हुए हैं। पंजाब सरकार ने नशों के विरुद्ध लड़ाई की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अगुवाई में 5-सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी भी बनाई है। इस ऑपरेशन के दौरान 65 गज़टेड अधिकारियों की देखरेख में 1000 से अधिक पुलिस कर्मियों वाली 120 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्य भर में 305 स्थानों पर छापेमारी की। उन्होंने आगे बताया कि दिनभर चले इस अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने 327 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच भी की। यह भी उल्लेखनीय है कि पंजाब सरकार ने राज्य में नशों के उन्मूलन के लिए तीन-स्तरीय रणनीति - एन्फोर्समेंट, डी-एडिक्शन और प्रिवेंशन- लागू की है। इस रणनीति के तहत पंजाब पुलिस ने आज 40 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वास उपचार लेने के लिए तैयार किया है।

स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने पंजाब के पूर्व राज्यपाल शिवराज पाटिल के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 12 दिसंबर। पंजाब विधानसभा के स्पीकर श्री कुलतार सिंह संधवां ने कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और पंजाब के पूर्व राज्यपाल शिवराज पाटिल के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि शिवराज पाटिल ने लगन और समर्पण के साथ देश की सेवा की तथा सार्वजनिक सेवा में उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। स्पीकर संधवां ने कहा कि पंजाब के पूर्व राज्यपाल के निधन की खबर सुनकर उन्हें बेहद दुख हुआ है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे और परिवार को इस कठिन घड़ी में अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति दे।

कैथल सहकारी चीनी मिल 35वें पिराई सत्र का हुआ शुभारंभ

सरकार किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए संकल्पबद्ध: मंत्री अरविंद शर्मा

इस वर्ष 17 लाख क्विंटल गन्ना पेराई का लक्ष्य

अर्थ प्रकाश/ओम प्रकाश

कैथल, 12 दिसंबर। दी कैथल सहकारी चीनी मिल लिमिटेड कैथल के 35वें गन्ना पिराई सत्र की शुक्रवार को पूरे विधि-विधान के साथ शुरुआत हुई। हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कार्यक्रम में ऑनलाइन जुड?र पिराई सत्र का उद्घाटन किया और किसानों को संबोधित किया। वहीं भाजपा जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने किसानों के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा गन्ने के भाव में की गई बढ़ोतरी की सराहना की। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि हरियाणा सरकार अपनी किसान-हितैषी नीतियों पर अडिग है। जिसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि किसानों की मेहनत का सम्मान करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गन्ने के भाव में 15 रुपये की बढ़ोतरी की है, जिससे अब भाव 415 रुपये प्रति क्विंटल हो गया है। यह फैसला इस बात का प्रमाण है कि सरकार किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए संकल्पबद्ध है।

उन्होंने कहा कि मिल प्रशासन के अनुसार इस वर्ष 17 लाख क्विंटल गन्ने की पिराई का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मिल ने चीनी की रिकवरी दर को पिछले वर्ष के 8.34 प्रतिशत से बढ़ाकर इस वर्ष 9.25 प्रतिशत करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। बेहतर रिकवरी दर के साथ इस वर्ष लगभग 1.57 लाख क्विंटल चीनी उत्पादन की संभावना है। उन्होंने मिल प्रबंधन से आह्वान किया कि वे किसानों को गन्ने की खेती करने के लिए प्रेरित करे और गन्ना क्षेत्र को बढ़ाए। किसानो को गन्ने की नई नई किस्मों के बारे में जानकारी दें। अधिकारी सुनिश्चित करें कि किसानों को पेराई सत्र में किसी प्रकार की परेशानी नहीं आनी चाहिए। इस अवसर पर सांसद कार्यालय प्रभारी रविन्द्र धीमान, रोशन लाल, गन्ना प्रबंधक रामपाल, सतीश काजला, जितेंद्र कादियान, मनीष शर्मा, जंगीर सिसला, अवदेश, अजय प्रताप राणा, सुरेश शर्मा, अरविंद गोलन, प्रवीण प्रजापति आदि मौजूद रहे।

नई उम्मीदें लेकर आता है नया पिराई सत्रः ज्योति सैनी

भाजपा जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी ने कहा कि कैथल सहकारी चीनी मिल सिर्फ एक उद्योग नहीं है, बल्कि यह हमारे किसानों की मेहनत, हमारे सहकारिता तंत्र की मजबूती और कैथल जिले की प्रगति का मुख्य स्त्रोतों में से एक है। आज 35वें पिराई सत्र की शुरुआत हुई है। नया सत्र नई उम्मीदें लेकर आता है। इसलिए आज हम सब मिलकर किसानों की उन्नति, मिल की प्रगति और कैथल जिले के विकास का संकल्प लें। मिल के प्रबंध निदेशक (एमडी) कृष्ण कुमार ने किसानों की सुविधा के लिए उठाए गए कदमों की विस्तृत जानकारी दी।

प्रगतिशील किसानों को किया सक्रमानित

इसी प्रकार अटल किसान मजदूर कैंटीन के जरिए सीजन के दौरान किसानों और ड्राइवरों को मात्र 10 रुपये प्रति थाली में उच्च गुणवत्ता वाला भोजन उपलब्ध कराया जाता है। इस अवसर पर प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया। एमडी शुगर मिल कृष्ण कुमार ने विशिष्ट अतिथि ज्योति सैनी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

ओएसडीएवी स्कूल के वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम में नौनिहालों ने बिखेरे प्रतिभा के रंग

प्रधानाचार्या ने महापुरुषों के जीवन से सीख लेने की कही बात

अर्थ प्रकाश/ओम प्रकाश

कैथल, 12 दिसंबर। ओएसडीएवी पब्लिक स्कूल कैथल में धरोहर और आरोहण नामक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्रबंधक जेएस नैन एवं क्षेत्रीय अधिकारी सुमन निझावन ने विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। सर्वप्रथम विद्यालय की प्रधानाचार्या अंजु तलवाड़ ने अतिथियों तथा सभा में उपस्थित अभिभावकों का औपचारिक स्वागत किया। तत्पश्चात अतिथिगण ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रधानाचार्या ने बताया कि इस सांस्कृतिक कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को भारतीय संस्कृति से जोडना था। कार्यक्रम को तीन चरणों में विभाजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत गीत, गणपति व सरस्वती वंदना और गायत्री मंत्र के पाठ के साथ हुई। पहले और दूसरे चरण धरोहर में छात्रों ने नृत्य के माध्यम से पृथ्वीराज चौहान, बंदा सिंह बहादुर, सरदार वल्लभभाई पटेल, गौतम बुद्ध, छत्रपति शिवाजी, महाराणा प्रताप, रानी लक्ष्मीबाई जैसे महापुरुषों की वीरगाथा को प्रदर्शित किया। तीसरे चरण आरोहण में छात्रों द्वारा हम आर्य हैं को दर्शाती कोरियोग्राफी, डीएवी संस्था द्वारा चलाए गए नो नशा नेशन अभियान के अंतर्गत चेतना जागृत करता नाटकप्रस्तुत किया। इसके साथ ही विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत भिन्न-भिन्न लोक नृत्य ने दर्शकों को झूमने पर विवश कर दिया। कार्यक्रम के दौरान विशिष्ट अतिथियों ने स्कूल की पत्रिका का विमोचन किया और चरित्र निर्माण में उनके समर्पण और योगदान के लिए शिक्षण संकाय की सराहना की। कार्यक्रम के समापन पर अतिथियों ने अपने विचारों द्वारा विद्यार्थियों को आशीर्वचन दिया। अपने उद्बोधन में उन्होंने माता-पिता से अपने बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने और उनका मार्गदर्शन कर संस्कारी बनाने का आग्रह किया। अंत में प्रधानाचार्या ने अतिथियों व अभिभावकों का धन्यवाद किया।

न्यूज ब्रीफ

इंडस स्कूल में वार्षिक खेल उत्सव में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

कैथल (अप्रस/ओम प्रकाश)। इंडस पब्लिक स्कूल में सप्ताह भर से चल रहे वार्षिक खेल उत्सव का उत्साहपूर्ण एवं अनुशासित वातावरण में सफलतापूर्वक समापन हुआ। प्री-नर्सरी से कक्षा 12वीं तक के विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर उत्कृष्ट ऊर्जा, खेल भावना और टीमवर्क का परिचय दिया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय बैंड, स्वागत गीत, भांगड़ा प्रदर्शन तथा आकर्षक रिदम एवं पीटी. फ्यूजन ड्रिल के साथ हुई। इसके पश्चात प्रधानाचार्या तनु पूनिया ने दौड़ों का औपचारिक शुभारंभ किया जिससे आयोजन में विशेष गरिमा और प्रोत्साहन का संचार हुआ। विद्यार्थियों ने हनी बनी रेस, पेंग्विन रेस, विगल वॉक, कोन बैलेंसिंग, स्लो साइकल, सैक रेस, कैंगारू रेस, बैक बड़ी सैक चैलेंज, टावर ऑफ बैलेंस और ब्लॉसम विंग्स तथा रस्साकशी जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं में बेहतरीन प्रदर्शन किया। योग प्रस्तुति और कराटे डेमो ने कार्यक्रम में कौशल, संतुलन तथा आत्मविश्वास का प्रभावशाली प्रदर्शन प्रस्तुत किया। विजेताओं को तनु पुनिया एवं डायरेक्टर अभिषेक सहारण द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्या ने प्रेरक संबोधन देकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। अभिषेक सहारण ने भी कार्यक्रम की सराहना की। शिक्षकों के लिए म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता तथा सहायक स्टाफ की दौड़ों ने कार्यक्रम में उत्साह और सौहार्द का विशेष वातावरण उत्पन्न किया।

भारत तिब्बत समन्वय संघ का सांसद मिलन कार्यक्रम संपन्न

कैथल (अप्रस/ओम प्रकाश)। भारत तिब्बत समन्वय संघ द्वारा आयोजित सांसद मिलन कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। चार दिवसीय इस कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारियों ने संसद के दोनों सदनों के अनेक सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात कर आठ सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में वर्ष 1962 में संसद में पारित प्रस्ताव का उल्लेख करते हुए चीन के अवैध कब्जे वाले भारतीय सीमावर्ती क्षेत्रों, विशेषकर कैलाश मानसरोवर क्षेत्र की वापसी की मांग की गई। इसके साथ ही वर्ष 1996 की सीमा संधि का हवाला देते हुए कहा गया कि पांच किलोमीटर की परिधि में सैन्य ढांचों पर रोक के बावजूद चीन इस समझौते का पालन नहीं कर रहा है। कार्यक्रम का नेतृत्व राष्ट्रीय महामंत्री राजो मालवीय और राष्ट्रीय मंत्री राजेंद्र गुप्ता अमरगढ़ ने किया। इस पहल में केंद्रीय मंत्री दुर्गा दास उडके ने विशेष सहयोग दिया जबकि ससंगठन से जुड़ीं साध्वी ऋतंभरा ने राम जन्मभूमि आंदोलन की तर्ज पर कैलाश मानसरोवर की मुक्ति अभियान में सहयोग का आश्वासन दिया। हरियाणा प्रदेश की सह मंत्री राजेश सिंगला ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय उप संयोजक फकीर चंद, प्रांत संरक्षक सतपाल गुप्ता, राज कुमार गर्ग, रविंद्र अग्रवाल, सुनील कश्यप, विशाल, शिवनारायण शर्मा सहित अनेक प्रांतीय और क्षेत्रीय पदाधिकारियों ने समन्वय और संगठनात्मक सहयोग प्रदान किया। संगठन का मानना है कि यह सांसद मिलन कार्यक्रम भारत-तिब्बत सीमा से जुड़े मुद्दों पर जनप्रतिनिधियों और जनता, दोनों स्तरों पर जागरूकता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

लंबित शिकायतों का करें जल्द निपटाराः डीसी

करनाल (अप्रस/शैलेंद्र जैन)। समाधान प्रकोष्ठ की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आज यहां जिला सचिवालय में आयोजित की गई। बैठक में मत्स्य एवं ट्रांसपोर्ट विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजा शेखर बुंडरू ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में समाधान शिविरों में लंबित शिकायतों की वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा की। बैठक में उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि 45 दिन से अधिक लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से निपटारा करें। कार्रवाई रिपोर्ट को भी पोर्टल पर भी अपलोड करें। उन्होंने राजस्व अधिकारी को निशानदेही से संबंधी लंबित मामलों को शीघ्र निपटाने के लिए कहा। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, नागरिक संसाधन सूचना विभाग को भी लंबित मामलों के निपटारे में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में नगराधीश मोनिका, उप निगम आयुक्त अभय सिंह यादव, कृषि विभाग के उपनिदेशक डॉ. वजीर सिंह, जिला राजस्व अधिकारी मनीष कुमार, एचएसवीपी, पुलिस आदि विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सामुदायिक भागीदारी, तकनीक और सद्भावना से बदलेगी यमुना की तस्वीर: डॉ. शिव सिंह रावत

अर्थ प्रकाश/शैलेंद्र जैन

करनाल, 12 दिसंबर। यमुना बचाओ अभियान के संयोजक तथा पूर्व अधीक्षण अभियंता, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, हरियाणा, डॉ. शिव सिंह रावत ने वॉक फॉर यमुना (डब्ल्यू एफ वाई) अभियान से प्राप्त महत्वपूर्ण अनुभव साझा किए और यमुना पुनर्जीवन के लिए रणनीतिक रोडमैप प्रस्तुत किया। डा. रावत भारत मंडपम, नई दिल्ली में जियो स्मार्ट इंडिया 2025 द्वारा आयोजित वाटर मैनेजमेंट समिट को संबोधित कर रहे थे। डॉ. रावत ने बताया कि डब्ल्यू एफ वाई अभियान तथा अन्य नागरिक-नेतृत्व वाली पहलों ने 2024 में यमुना प्रदूषण को सार्वजनिक और राजनीतिक विमर्श के केंद्र में लाकर खड़ा कर दिया। यमुना फ़ैक्टर ने शासन की प्राथमिकताओं और चुनावी प्रचार तक को प्रभावित किया। इस अभियान ने सिद्ध किया कि जब समुदाय आगे बढ़ता है, तो नीतिगत निर्णय भी दिशा बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि जल शक्ति अभियान, अटल भूजल, जल जीवन मिशन, जल संचय जन भागीदारी, अमृत सरोवर और कैच द रेन जैसी राष्ट्रीय पहलों का अभिसरण तभी प्रभावी हो सकता है जब सक्रिय जनभागीदारी सुनिश्चित हो। इसके साथ ही उन्होंने जवाबदेही की कमी, विभागों के बीच समन्वय की कमजोरी और सीमित सार्वजनिक सहभागिता को गंभीर प्रशासनिक चुनौतियों के रूप में रेखांकित किया। यमुना की वर्तमान स्थिति पर चिंता जताते हुए डॉ. रावत ने कहा कि नदी का विषाक्त जल स्वास्थ्य, कृषि और नहर प्रणालियों–विशेषकर ब्रज क्षेत्र–को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है।

बाबू गेनू जी के शहीदी दिवस पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा

अर्थ प्रकाश/शैलेंद्र जैन

करनाल, 12 दिसंबर। स्वदेशी जागरण मंच, करनाल के अहिल्याबाई होलकर कौशल विकास केंद्र में आज बाबू गेनू के शहीदी दिवस पर एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय पूर्णकालिक प्रमुख सतीश चावला, प्रांत संरक्षक विजय सेतिया जी तथा जिला संरक्षक गुरबख्श सिंह मनचंदा ने बाबू गेनू जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में कौशल केंद्र प्रमुख प्रवेश अग्रवाल ने सभी कार्यकर्ताओं को बाबू गेनू के जीवन और बलिदान के बारे में विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि मात्र 22 वर्ष की अल्पायु में स्वदेशी आंदोलन के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले बाबू गेनू जी मुंबई के एक कपास मिल मजदूर थे। 12 दिसंबर 1930 को विदेशी (मैनचेस्टर) कपड़ों से लदे एक ट्रक को रोकने के लिए उन्होंने कालबादेवी के भांगवाड़ी क्षेत्र में सड़क पर लेटकर अहिंसक विरोध प्रदर्शन किया। भारतीय ड्राइवर ने उन्हें कुचलने से इनकार कर दिया, लेकिन एक ब्रिटिश अधिकारी ने स्वयं ट्रक चलाकर उन्हें कुचल दिया। इस बलिदान ने स्वदेशी आंदोलन को नई ऊर्जा प्रदान की और मुंबई में व्यापक विरोध प्रदर्शनों को जन्म दिया। मुंबई के परेल क्षेत्र में स्थित बाबू गेनू चौक आज भी उनके अमर बलिदान की स्मृति को जीवंत रखता है।अपने उद्बोधन में प्रांत संरक्षक श्री विजय सेतिया जी ने सभी कार्यकर्ताओं को स्वदेशी के प्रयोग और प्रचार-प्रसार के लिए पुनः प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बाबू गेनू जी का बलिदान हमें सिखाता है कि विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार और स्वदेशी अपनाना ही सच्ची राष्ट्रभक्ति है। अखिल भारतीय प्रमुख श्री सतीश चावला जी ने गृह संपर्क अभियान के संदर्भ में कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित किया। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अंतर्गत चल रहे गृह संपर्क अभियान में पंच प्रण (सामाजिक समरसता नागरिक कर्तव्य बोध पर्यावरण कुटुम्ब प्रबोधन स्वदेशी) को घर-घर पहुंचाने पर जोर दिया।

अवैध शराब तस्करी के मामले आरोपी काबू

अम्बाला (अप्रस)। माननीय पुलिस महानिदेशक हरियाणा ओपी सिहँ भा0पु0से0 के निर्देशानुसार, माननीय पुलिस महानिरीक्षक अम्बाला मण्डल पंकज नैन भा0पु0से0 के नेतृत्व एवम पुलिस अधीक्षक अम्बाला अजीत सिंह शेखावत भा0पु0से0 के कुशल मार्गदर्शन में आपरेशन हॉट स्पाट डोमिनेशन के तहत अम्बाला पुलिस द्वारा अवैध शराब की तस्करी करने वालों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के दौरान 11 दिसम्बर 2025 को थाना पड़ाव क्षेत्र नजदीक पानी की टैंकी 12 क्रास रोड अम्बाला छावनी से अवैध शराब तस्करी मामले में सीआईए-2 निरीक्षक अनिल कुमार व पुलिस टीम ने तुरन्त कार्यवाही करते हुए कार में सवार आरोपी गौरव निवासी रेलवे बाजार थाना शहर जगाधरी जिला यमुनानगर को 108 बोतल देसी शराब, 36 बोतल बीयर व 72 बोतल अंग्रेजी शराब (कुल 216 बोतल) अवैध शराब सहित गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

आप कार्यालय में छात्र विंग की बैठक में संगठन सुदृढ़ीकरण पर हुआ मंथन

जिलाध्यक्ष जगमग मटौर ने भाजपा कांग्रेस पर साधा निशाना

अर्थ प्रकाश/ओम प्रकाश

कैथल, 12 दिसंबर। आम आदमी पार्टी कार्यालय में पार्टी की छात्र विंग एसोसिएशन स्टूडेंट्स फॉर अल्टरनेटिव ऑफ पॉलिटिक्स एएसएपी की बैठक पार्टी के जिला अध्यक्ष जगमग मटौर की अध्यक्षता में हुई। बैठक में छात्र नेता रूपेश हरसौला, गुरनाम चौशाला, दीपांशु, सचिन, प्रिंस भैनी माजरा और अंशुल विशेष रूप से मौजूद रहे। बैठक में सभी छात्र नेताओं ने आगामी महीनों में एएसएपी की जमीनी पकड़ को मजबूत करने के लिए विस्तृत विचार-विमर्श किया। कॉलेजों में नई यूनिट बनाने, छात्र समस्याओं को लेकर मोर्चा खोलने और शिक्षा से जुड़े मुद्दों को राज्य स्तर तक उठाने पर विशेष योजनाएं तैयार की गईं। जगमग मटौर ने कहा कि आप छात्र विंग राज्य में एक सशक्त विकल्प के रूप में उभर रही है और जल्द ही हर शिक्षण संस्थान में इसकी पकड़ बढ़ेगी। बैठक में आम आदमी पार्टी की जनहितैषी नीतियों शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, भ्रष्टाचार-मुक्त शासन एवं युवाओं के लिए अवसरों पर भी विस्तार से विमर्श हुआ। जगमग ने कहा कि आप ही वह पार्टी है जिसने शिक्षा मॉडल को जमीन पर उतारकर देश में मिसाल पेश की है। उन्होंने दावा किया कि यदि हरियाणा में आप की सरकार बनती है तो शिक्षा में क्रांतिकारी परिवर्तन होंगे और युवाओं के लिए बेहतर अवसर तैयार किए जाएंगे।

भाजपा ने युवाओं के साथ किए वादे नहीं किए पूरे: जगमग मटौर ने भाजपा और कांग्रेस पार्टियों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने युवाओं से किए वादे पूरे नहीं किए, भर्ती घोटालों व बेरोजगारी ने छात्रों का भविष्य अंधकार में धकेल दिया है। कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने दशकों तक शासन करने के बाद भी शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में कोई ठोस सुधार नहीं किया। नेताओं का कहना था कि इन दोनों पार्टियों से त्रस्त युवा अब बदलाव चाहते हैं और आप ही युवाओं की सच्ची आवाज बन सकती है।

श्री जयराम विद्यापीठ किया जा रहा है सर्व कल्याण की भावना से गायत्री मंत्र जाप

कुरुक्षेत्र (अप्रस/वालिया)। देशभर में संचालित श्री जयराम संस्थाओं के परमाध्यक्ष ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी की प्रेरणा से ब्रह्मसरोवर के तट पर श्री जयराम विद्यापीठ में सर्व कल्याण की भावना से नियमित गायत्री मंत्र जाप विद्वान ब्राह्मणों एवं ब्रह्मचारियों द्वारा किया जा रहा है। यह मंत्र जाप श्री जयराम संस्कृत महाविद्यालय के प्राचार्य रणबीर भारद्वाज एवं प. पंकज पुजारी के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। श्री जयराम संस्थाओं के मीडिया प्रभारी राजेश सिंगला ने बताया कि मंत्र जाप के साथ हवन यज्ञ में आहुतियां भी दी गई। प. रणबीर भारद्वाज ने बताया कि गायत्री मंत्र एक ऐसा मंत्र है, जिसका जाप करने से हर प्रकार के बंधनों से मुक्त हो कर सर्वकल्याण की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में अलग-अलग कार्यों के लिए अलग-अलग संख्याओं में मंत्रों के जाप का विधान है। यदि साधक पूर्ण श्रद्धा और विश्वास के साथ यह मंत्र जाप व साधना करें, तो वांछित फल की प्राप्ति की प्रबल संभावना रहती है।

एमबीकेसी की रफी नाइट पानीपत में 21 दिसंबर को

गायकों के लिए आडीशन टेस्ट हुआ चालीस गायकों ने भाग लिया

अर्थ प्रकाश/शैलेंद्र जैन

करनाल, 12 दिसंबर। मनिंदर बब्बू कैरोके क्लब द्वारा पानीपत मेंमोहम्मद रफी नाइट का आयोजन 21 दिसंबर शाम 4 बजे अर्या पीजी कालेज में किया जाएगा। इस कार्यक्रम में करनाल और पानीपत के कलाकारों द्वारा मोहम्मद रफी के गाए गीतों को प्रस्तुत किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अंशदान फाउंडेशन पानीपत हाउसिंग फर्नीशिंग के चेयरमैन विभु पालीवाल होंगे। इसके लिए करनाल के एमबीकेसी के सभागार में आडीशन का आयोजन किया गया। जिसमें करनाल के कलाकरों ने अपने गीत प्रस्तुत किए। इसमें से उन गायकों का चयन कियागया जिनके गीतों की प्रस्तुति पानीपत में की जाएगी। यह जानकारी एम बी के सी की डायरेक्टर मनिंदर बब्बू और मास्टेरो कंवल कुमार ने बताया कि करनाल में हुए आडीशन में मोहन थरेजा, कविता थरेजा,सुनील भसीन, विनय छावड़ा चंचल गर्ग, रंजीत गर्ग योगिंदर सिसोदिया, आरपी अत्रेजा, जगमोहन सिंग, विजय शर्मा, अमरजीत सिंह भाटिया, राकेश बंसल, पूनम चौधरी, अनीता गुप्ता, अनिरुद्ध कालड़ा, पुष्पा कालड़ा, अरुण थापर, गीता छावड़ा, रश्मि थापर, किरण रावल, चित्रा नायक, अंजलह इंद्रपाल देविंदर अरोड़ा, जरनैल सिंह, सुनीता, हर्ष बधावन, ने गीत प्रस्तुत किए। निर्णयक के रूप में सुनीता सेठी उपस्थित थीं।

विदेश भेजने की धोखाधड़ी मामले में आरोपी गिरफ्तार

अम्बाला (अप्रस/रवि पाहुजा)। माननीय पुलिस महानिदेशक हरियाणा ओपी सिहँ भा0पु0से0 के निर्देशानुसार, माननीय पुलिस महानिरीक्षक अम्बाला मण्डल पंकज नैन भा0पु0से0 के नेतृत्व एवम पुलिस अधीक्षक अम्बाला अजीत सिंह शेखावत भा0पु0से0 के कुशल मार्गदर्शन में आपरेशन हॉट स्पाट डोमिनेशन के तहत अम्बाला पुलिस द्वारा अपराधों की रोकथाम व आपराधिक मामलों में वांछित आरोपियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान थाना शहजादपुर में दर्ज विदेश भेजने की धोखाध?ी के मामले में 11 दिसम्बर 2025 को पुलिस ने कार्यवाही करते हुए आरोपी सुखपाल सिहँ निवासी सुरता सिहँ कालोनी नारायणग? नजदीक भरद्वाज करियाणा स्टोर अमृतसर थाना नारायणगढ़ जिला अमृतसर पंजाब को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के आदेशानुसार 03 दिन का पुलिस रिमाण्ड प्राप्त किया गया। रिमाण्ड के दौरान आरोपी से गहनता से पूछताछ की जाएगी। इस मामले के सम्बन्ध में शिकायतकर्ता गुरमीत सिहँ निवासी गावँ खुर्द जिला अम्बाला ने 08 अक्तूबर 2025 को थाना शहजादपुर में शिकायत दर्ज करवाई थी कि 12 अगस्त 2024 से 06 सितम्बर 2024 के दौरान आरोपी सुखपाल सिहँ व अन्य ने उसकी पुत्री को विदेश भेजने के मामले में उससे एक बड़ी रकम हड़पने की धोखाधडी करने का आपराधिक कार्य किया है।

विधायक ने मार्केट कमेटी चेयरमैन अरुण जैन और उपाध्यक्ष सतबीर शर्मा का विधिवत पदभार ग्रहण कराया

अर्थ प्रकाश/मनदीप कुमार

समालखा, 12 दिसंबर। विधायक मनमोहन भड़ाना और जिलाध्यक्ष दुष्यंत भट्ट नें कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक बदलाव करते हुए उनकी सम्पन्नता पर जोर दिया है। इसी क्रम में हरियाणा सरकार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में गम्भीरता से काम कर रही है। मार्किट कमेटियों में नवनियुक्त पदाधिकारियों का दायित्व है कि वो किसान हित के लिए निरन्तर काम करें। इसी कड़ी में विधायक मनमोहन भड़ना और जिला अध्यक्ष दुष्यंत भट्ट द्वारा नव नियुक्त अध्यक्ष और उपाध्यक्ष कों मार्किट कमेटी कार्यालय में कुर्सी पर बिठाया गया। नवनियुक्त अध्यक्ष विनय जैन और उपाध्यक्ष सतबीर शर्मा व उनकी टीम को शुभकामनाएं देते हुए विधायक भड़ना ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली द्वारा जोश व उत्साह से भरपूर पार्टी के कर्मठ कार्यकर्ताओं को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प किसान भाइयों को आर्थिक तौर पर सम्पन्न बनाना है। इस दिशा में किसानों को बीज से लेकर बाजार तक संरक्षण देने के लिए केन्द्र-प्रदेश सरकार कदम उठा रही है। वहीं हरियाणा सरकार द्वारा समालखा की मार्केट कमेटी चेयरमैन के लिए विनय जैन व वाइस चेयरमैन के लिए सतबीर शर्मा को चुना गया था। जिनका शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन शुक्रवार को नई अनाज मंडी में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर विधायक मनमोहन भडाना, प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली के पुत्र वीरेंद्र बड़ौली, शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा के भाई हरपाल ढांडा, जिला अध्यक्ष दुष्यंत भट्ट, पानीपत मेयर कोमल सैनी, सोनीपत मेयर राजीव जैन, शहरी मंडल अध्यक्ष रेखा संजय गोयल आदि नें शिरकत की। आयोजन में पहुंचने पर मुख्यतिथि सहित विशिष्ट अतिथियों का फूलमालाओ से पुष्प गुच्छ भेंट कर शाल भेंट कर स्वागत किया। वही विधायक मनमोहन सिंह भड़ना की मौजूदगी में नवनियुक्त अध्यक्ष विनय जैन व वाइस चेयरमैन सतवीर शर्मा को शपथ दिलाई गई। नवनियुक्त पदाधिकारीयो ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व बीजेपी पार्टी का आभार जताया। साथ ही उन्होंने कहा कि जो जिम्मेदारियां उन्हें सौंपी गई है उन पर खरा उतरेंगें और किसानों व आढ़तियों की भलाई के लिए कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि मार्केट कमेटी के अंतर्गत आने वाली जो भी समस्याएं होगी। उन्हें दूर किया जाएगा और नई अनाज मंडी में जो खामियां है उन्हें सरकार व अधिकारियों के सहयोग से दूर करने का कार्य करेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में विधायक मनमोहन सिंह भड़ाना ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें नवनियुक्त चैयरमेन व वाइस चैयरमेन से पूरी उम्मीद है कि जो जिम्मेवारी उन्हें दी गई है वह उन्हें बखूबी निभाएंगे, साथ ही उन्होंने कहा कि जनता की सेवा करना ही मेरा लक्ष्य है और सभी मिलजुलकर विकास कार्यों को गति देंगे।

पंजाबी सोशल वेलफेयर सोसाइटी की नई कार्यकारिणी ने से मिले हल्का विधायक मनमोहन भड़ाना

समालखा पंजाबी सोशल वेलफेयर सोसाइटी की कार्यकारिणी ने शुक्रवार को ब्लू जे होटल में हलका विधायक मनमोहन भड़ाना से मिलकर गठित नई कार्यकारिणी से परिचय किया तथा भापरा रोड पर बन रही धर्मशाला के बारे में बातचीत की। पंजाबी सभा के पूर्व प्रधान श्यामसुंदर बरेजा ने संबोधित करते हुए कहा कि की विधायक के प्रयास से पिछले करीब 10 वर्षों से बंद पड़े धर्मशाला के काम को एक नई गति मिली है। इनके अथक प्रयासों से धर्मशाला का काम सुचारू रूप से चलने लगा है। उन्होंने कहा कि विधायक भड़ाना ने खुद अधिकारियों से बातचीत कर अपनी रुचि दिखाते हुए पंजाबी समुदाय की एक सुंदर धर्मशाला का निर्माण करने के आदेश दिए। विधायक के इस कार्य से पंजाबी समुदाय गदगद हो गया । बरेजा ने विधायक को भी आश्वासन दिया कि भविष्य में पंजाबी समुदाय दिन रात आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा हुआ है। उधर पंजाबी सोशल वेलफेयर सोसाइटी के नवनियुक्त प्रधान संजीव अनेजा ने भी विधायक की भुरी भूरी प्रशंसा की। अनेजा ने कहा कि जल्दी शहर का पंजाबी समाज विधायक का एक समारोह आयोजित कर जोरदार स्वागत भी करेगा इसके लिए कमेटी में बातचीत शुरू है। विधायक का बलू जे में पहुंचने पर समाज के लोगों ने फूल मालाओं वह बुक्का देकर जोरदार स्वागत किया ।इस दौरान पंजाबी समाज के लोगों ने विधायक भड़ाना व भारतीय जनता पार्टी के जोरदार नारे भी लगाएं ।

न्यूज ब्रीफ

लीगल लिटरेसी कार्यक्रम आयोजित

लाडवा (अप्रस/विकास कश्यप)। लाडवा के पी.एम.श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्याला में शुक्रवार को खंड स्तरीय लीगल लिटरेसी कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह जानकारी कार्यक्रम के संयोजक प्रधानाचार्य संजीव कुमार ने दी। उन्होंने कार्यक्रम को पूरे बेहतरीन ढंग से संचालित किया और विद्यार्थियों को विधिक जागरूकता से जोडने का सराहनीय प्रयास किया। कार्यक्रम में नोडल अधिकारी सतप्रकाश मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि कानून की जानकारी आज के समय की आवश्यकता है और ऐसे कार्यक्रम बच्चों में कानूनी समझ विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खंड स्तरीय इस कार्यक्रम में खंड के 13 स्कूलों ने इस कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई। विद्यार्थियों ने निबंध, स्लोगन लेखन, भाषण, क्विज, वाद-विवाद, स्किट, कविता वाचन, ऑन द स्पॉट पेंटिंग, पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन और सामाजिक विषयों पर डॉक्यूमेंट्री निर्माण जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं में शामिल निर्णायकों ने पूरी निष्पक्षता के साथ निर्णय दिया और बच्चों के प्रदर्शन की सराहना की। उनका कहना था कि विद्यार्थियों में कानून को समझने तथा सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता का स्तर तेजी से बढ़ रहा है। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्कूल स्टाफ का सहयोग रहा और साथ ही राजन धीमान की उपस्थिति ने आयोजन में अतिरिक्त ऊर्जा और समर्थन प्रदान किया। इस कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में कानूनी अधिकारों, कर्तव्यों और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस अवसर पर स्कूल का पूरा स्टाफ मौजूद था।

कौल गांव में भाकियू की बैठक में किसानों ने उठाई अपनी मांगें

कैथल (अप्रस)। गांव कौल में भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) की महत्वपूर्ण बैठक हुई। जिसमें क्षेत्रभर से किसानों की भारी भीड़ उमड़ी। बैठक में भाकियू के युवा प्रदेशाध्यक्ष राजीव आर्य ने शिरकत कर किसानों से जुड़े अनेक ज्वलंत मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसानों के सवाल वर्षों से अनसुने पड़े हैं, इसलिए अब सरकार के 11 साल और किसानों के 11 सवाल देश के सामने रखने का समय है। राजीव आर्य ने मीडिया से बातचीत में कहा कि सबसे बड़ा प्रश्न एमएसपी गारंटी कानून लागू करने का है। यह किसानों की आर्थिक सुरक्षा का आधार है, लेकिन सरकार आज तक इसे मूर्त रूप नहीं दे सकी। उन्होंने बिजली के निजीकरण, बढ़ती बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली को भी गंभीर मुद्दे बताया। आर्य ने स्वामीनाथन कमेटी की रिपोर्ट लागू न किए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि किसानों को उनका लागत का डेढ़ गुना मूल्य मिले, यह आज भी केवल घोषणा ही है। दूध पालन करने वाले किसानों की दुर्दशा, भूमिहीन किसानों की लगातार बिगड़ती हालत और भूमि अधिग्रहण पर सरकार की नीतियों को लेकर भी उन्होंने कड़े सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार विकास और इंडस्ट्रीज के नाम पर किसानों की जमीन छीनकर पूंजीपतियों के हवाले कर रही है। राजीव आर्य ने कहा कि किसानों के आंदोलन के दौरान सरकार ने कई वादे किए, लेकिन उनमें से कोई भी पूरा नहीं हुआ। उनका कहना था कि सरकार लोगों का ध्यान भटकाकर केवल पूंजीपतियों के हित साधने में लगी है। उन्होंने चेताया कि किसानों की आवाज को दबाया नहीं जा सकता और आंदोलन पूरे देश में सरकार के खिलाफ मजबूत माहौल खड़ा कर रहा है।

हरियाणा के 63 हजार किसानों को बड़ी राहत

लागू की वन टाइम सेटलमेंट योजना, 31 मार्च 2026 तक रहेगी जारी

मृतक किसानों का 100 फीसदी तो डिफाल्टरों को 50 फीसदी ब्याज माफी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 12 दिसंबर। हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक ने किसानों को बड़ी राहत दी है। बैंक की ओर से वन टाइम सेटलमेंट योजना की शुरुआत की गई है, जिससे 63 हजार किसानों को फायदा मिलेगा। बैंक की ओर से मृतक किसानों का 100 फीसदी ब्याज माफ करने और डिफाल्टर किसानों को 50 फीसदी ब्याज माफी की राहत देने का फैसला लिया गया है।

हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के चेयरमैन अमरपाल राणा की अध्यक्षता में हुई बैठक में डिफाल्टर खातों के निपटाने के लिए ओटीएस लागू करने के साथ जिला शाखाओं को नए ऋणी केस करने के निर्देश दिए गए हैं।

बैंक चेयरमैन अमरपाल राणा ने शुक्रवार को बताया कि इस योजना का लाभ 31 मार्च 2022 तक अपने ऋण का भुगतान न कर पाने के कारण डिफाल्टर रहे किसानों को मिलेगा, ऐसे 63 हजार किसान हैं।

उन्होंने बताया कि जिन किसानों की मृत्यु हो चुकी है या फिर कोई विधवा महिला है, उस मामले में 100 प्रतिशत ब्याज पूरी तरह माफ किया जाएगा, जिससे उनके परिवारों को बड़ी वित्तीय राहत मिलेगी और उनका आर्थिक बोझ भी कम होगा। वहीं, अन्य डिफाल्टर किसानों के लिए 50 प्रतिशत ब्याज माफी का प्रावधान किया गया है, ताकि वे न्यूनतम भुगतान के साथ अपने खाता निपटा सकें। एकमुश्त भुगतान योजना (ओटीएस) 31 मार्च 2026 तक लागू रहेगी। बैंक की ओर से स्पष्ट किया गया है कि ओटीएस के जरिये किसानों को वर्षों पुरानी देनदारियां चुकाने का बेहतर मौका है।

हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के चेयरमैन अमर पाल राणा ने बताया कि बैठक के दौरान जिला शाखाओं को नए ऋण केस का टारगेट दिया गया। हर शाखा कम से कम 10 नए ऋण केस करेगी। वहीं, डिफाल्टर लोगों से रिकवरी का भी टारगेट जिला शाखाओं को दिया गया। हर जिला शाखा डिफाल्टर राशि की ज्यादा से ज्यादा रिकवरी करेगी, ताकि बैंकिंग प्रणाली को मजबूत किया जा सके।

हरियाणा विधानसभा का शीतकालीन सत्र 18 दिसंबर से

सुबह 11 बजे शुरू होगी सदन की कार्यवाही, अधिसूचना जारी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 12 दिसंबर। हरियाणा विधानसभा का शीतकालीन सत्र 18 दिसंबर से शुरू होगा। सदन की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू होगी। इसको लेकर हरियाणा विधानसभा के सचिव राजीव प्रसाद की ओर से सभी विधानसभा सदस्यों को अर्ध सरकार पत्र के माध्यम से सूचित किया गया है।

हरियाणा विधानसभा का शीतकालीन सत्र का सत्र अवधि छोटी रहेगी, लेकिन कार्यवाही हंगामेदार रहने के आसार हैं। विपक्ष ने सरकार को घेरने की रणनीति तैयार कर दी है। वहीं, माननीयों द्वारा भी ज्वलंत मुद्दों को लेकर सरकार से सवालों के जरिये जवाब मांगे जाएंगे। इसके साथ ही विपक्ष की ओर से ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से सरकार को घेरने की रणनीति तैयार की जा रही है। खासकर रोहतक और झज्जर में युवा खिलाड़ियों की मौत पर सदन में हंगामा होने के आसार हैं। विपक्षी की ओर से खेल स्टेडियमों में जर्जर खेल सुविधाओं का मुद्दा जोर-शोर से उठाया जाएगा। वहीं, भाजपा ने भी विपक्षी दलों की रणनीति का माकूल जवाब देने के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं।

विधानसभा के शीतकालीन सत्र में खेलों में अभी तक जलभराव की समस्या का समाधान नहीं होने तथा बर्बाद हुई फसलों का मुआवजा नहीं मिलने के मुद्दों पर भी ध्यानाकर्षण प्रस्ताव लाए जा सकते हैं। इन दोनों मुद्दों पर कांग्रेस व इनेलो विधायक राज्यपाल प्रो. असीम घोष से मुलाकात कर चुके हैं। राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति और धान घोटाले में हैफेड के जिला प्रबंधकों के शामिल होने समेत कई मुद्दों पर विधानसभा में कांग्रेस व इनेलो विधायक सरकार के जवाब मांगते नजर आएंगे।

श्री अर्जुन दास सर्वहितकारी विद्या मंदिर डेरा बस्सी में धूम धाम से मनाया गया वार्षिकोत्सव

अर्थ प्रकाश/चौहान

डेराबस्सी, 12 दिसंबर। आज डेराबस्सी विद्या मंदिर में आयोजित वार्षिकोत्सव एवम् पारितोषिक वितरण समारोह ÷वसुधैव कुटुंबकम्÷बड़ी धूमधाम से मनाया गया। समारोह थीम के अनुसार ही विद्या मंदिर के छात्रों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया । इस मौके भाजपा नेता एवं समाज सेवी तथा गुरनाम सिंह एंड कंपनी के चेयरमैन गुरदर्शन सिंह सैनी,कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। सर्वहितकारी शिक्षा संस्थान,पंजाब के महामंत्री संदीप धूरिया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। बिजनेसमैन विनोद बंसल तथा नरेश, विभाग प्रचारक विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य पवन कुमार ने सभी का स्वागत किया तथा माँ सरस्वती के चरणों में दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। सबसे पहले शिशु वाटिका के नन्हे मुन्नों ने चित्रहार के रूप सुंदर प्रस्तुति देते हुए सभी अभिभावकों के बचपन की यादों को ताजा किया। प्राइमरी विंग के बच्चों ने विभिन्न प्रांतों से संबंधित नृत्य प्रस्तुत किए। झाँसी की रानी की वीर गाथा तथा ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारतीय सेना के शानदार गौरव को दर्शाते हुए देश भक्ति की भावना का संदेश दिया। त्रिदेवीयों के रूप ने मातृ शक्ति को दर्शाया तो समुद्र मंथन के द्वारा पौराणिक कथा का सुंदर मंचन किया गया।

हरियाणा में काम पर लौटे डॉक्टर, हड़ताल खत्म

आयुष्मान इंसेंटिव देने को सरकार बनाएगी कमेटी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 12 दिसंबर। हरियाणा में शुक्रवार सुबह के डॉक्टर काम पर लौट आए हैं। डॉक्टरों ने आज सामान्य की भांति ओपीडी का संचालन किया और प्रदेश के अस्पतालों में आज से दोबारा अन्य गंभीर बीमारियों का उपचार शुरू हो गया है। डॉक्टरों ने गुरुवार की रात हड़ताल समाप्त करने पर सहमति दी थी।

हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विसेज एसोसिएशन (एचसीएमएसए) की स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के साथ गुरुवार को देर रात तक बैठक चलती रही। इस बैठक के बाद हड़ताल समाप्ती का ऐलान तो उसी समय कर दिया गया लेकिन बैठक में हुए फैसला का लिखित प्रारूप शुक्रवार को जारी किया गया।

डॉक्टरों की एश्योर्ड करियर प्रमोशन (एसीपी) में संशोधन की मांग पर विचार कर रही सरकार ने फिलहाल बीच का रास्ता निकाला है। डॉक्टरों को आयुष्मान इंसेंटिव दिया जाएगा जिसके लिए जल्द ही कमेटी गठित कर दी जाएगी। इस कमेटी में सरकारी अधिकारियों के साथ एसोसिएशन का एक पदाधिकारी भी शामिल होगा।

एसोसिएशन के राज्य प्रधान डा. राजेश ख्यालिया ने कहा कि वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों (एसएमओ) की सीधी भर्ती रोकने पर सरकार सहमत हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा के डॉक्टरों को पूरे करियर में तीन एसीपी मिलती है। एसोसिएशन तीन पर ही राजी है, मगर वह इस पर अपग्रेडेशन चाहते हैं। दस साल पर उन्हें अभी 7600 ग्रेड पे मिलता है जबकि उनकी मांग आठ हजार की है। तीसरे ग्रेड पे पर 8700 मिलते हैं, एसोसिएशन की मांग 9500 रुपये की है।

इस पर स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि दूसरे राज्यों की तर्ज पर सरकार डॉक्टरों को आयुष्मान इंसेंटिव देने पर विचार कर रही है। जल्द ही इसके लिए कमेटी गठित कर दी जाएगी। एसीपी पर इसके बाद कोई फैसला लिया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री के आश्वासन पर डॉक्टर हड़ताल खत्म करने को राजी हो गए।

समाहरणालय, नवादा
(मद्य निषेध एवं उत्पाद विभाग)
अल्पकालीन आम नीलामी सूचना

बिहार सरकार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नवादा जिलान्तर्गत विभिन्न थाना काण्डों / उत्पादवादों में राज्यसात किये गये निम्नलिखित वाहनों को बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम, 2016 के सुसंगत प्रावधानों के तहत् आम नीलामी (Public Auction) दिनांक **29.12.2025** को समाहरणालय, नवादा में 11:00 बजे पूर्वाह्न से की जायेगी। वाहनों की नीलामी से प्राप्त राशि का 3% (तीन प्रतिशत) राशि सेवा शुल्क के रुप निविदाक्रेता से अतिरिक्त वसूलनीय होगी। नीलामी योग्य वाहनों की सूची निम्नवत है :-

क्र. सं.	थाना का नाम	थाना काण्ड संख्या	वाहन का प्रकार	निबंधन संख्या	निबंधन का वर्ष	इंजन संख्या	चेचिस संख्या	मुल्यांकित राशि	अग्रधन की राशि	वाहन की अवस्थिति	वाहन मालिक का विवरणी
01	सीतामढ़ी	80/24	MARUTI SUZUKI ALTO CAR	PB11Y/3265	6/2/2004	4044339	356062 (MA3EYD81S00356062)	SCRAP 13000	5000.00	सीतामढ़ी	[illegible]

नीलामी में भाग लेने वाले व्यक्तियों को विहित प्रपत्र में आवेदन, स्वअभिप्रमाणित आधार नंबर, पैन कार्ड की छायाप्रति, आचरण प्रमाण संबंधित शपथ पत्र एवं तालिका में वर्णित वाहनों के सामने अंकित अग्रधन की राशि का बैंक ड्राफ्ट जमा करना होगा, जो Superintendent of Excise, Nawada के पद नाम से तथा Payable at SBI Nawadaमें देय होगा को दिनांक **24.12.2025** के अप० 04:00 बजे तक किसी कार्य दिवस को कार्यालय अधीक्षक मद्यनिषेध, नवादा में जमा करना होगा।

विशेष जानकारी के लिए कार्यालय अधीक्षक मद्य निषेध, नवादा से सम्पर्क किया जा सकता है nawada.bih.nic.in पर देखा जा सकता है।

(कृते समाहर्त्ता, नवादा)
अधीक्षक मद्यनिषेध, नवादा

उक्त सूचना state.bihar.gov.in/prdbihar से प्राप्त की जा सकती है।

PR- 019413 (Excise) 2025-26

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।

AP-6186

नरवाना के स्कूलों में प्रिंसिपल बदले जाने पर विवाद

लिखित आदेश जारी न होने से बढ़ी आशंकाएँ, पूर्व प्रिंसिपल ने एडीसी से की पुष्टि की मांग

अर्थ प्रकाश/हितेश गर्ग

नरवाना, 11 दिसंबर। शहर के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों-आर्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, आर्य कन्या महाविद्यालय और महर्षि दयानंद पब्लिक स्कूल-में प्रिंसिपल्स को मौखिक आदेशों के आधार पर बदले जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। घटना को एक सप्ताह बीत जाने के बावजूद अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) एवं प्रशासक विवेक आर्य द्वारा इस कार्रवाई की पुष्टि संबंधी कोई लिखित आदेश जारी नहीं किया गया है, जिससे पूरे प्रकरण को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। यह जानकारी आर्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के पूर्व प्रिंसिपल रघुभूषण लाल ने दी।

उन्होंने कहा कि यह प्रशासनिक व्यवस्था का मजाक प्रतीत होता है कि इतनी महत्वपूर्ण कार्रवाई अब तक केवल मौखिक निर्देशों के सहारे चल रही है। उल्लेखनीय है कि शहर के उक्त तीनों आर्य संस्थानों के संचालन को लेकर लंबे समय से दो पक्षों-नरवाना की रजिस्टर्ड सोसाइटीज (आर्य उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, आर्य कन्या महाविद्यालय व महर्षि दयानंद शिक्षा समिति) और आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा, रोहतक-के बीच विवाद चल रहा है। इसी विवाद के चलते डायरेक्टर जनरल ऑफ इंडस्ट्रीज एंड कॉमर्स एवं रजिस्ट्रार जनरल ऑफ सोसाइटीज हरियाणा के निर्देश पर जिला रजिस्ट्रार ऑफ सोसाइटीज, जींद ने 2 दिसंबर को अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य को इन सोसाइटीज का प्रशासक नियुक्त किया था। अगले ही दिन उन्होंने प्रशासक का कार्यभार भी संभाल लिया था।

गौरव टांक दूसरी बार बने नगर पालिका कर्मचारी संघ के जिला प्रधान

अर्थ प्रकाश/ओम प्रकाश

कैथल, 12 दिसंबर। नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा संबद्ध सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा का जिला स्तरीय त्रिवार्षिक सम्मेलन फायर स्टेशन में हुआ जिसकी अध्यक्षता निवर्तमान प्रधान गौरव टंक ने की मंच संचालन सचिव विक्की टंक ने किया। सम्मेलन का उद्घाटन एसकेएस जिला अध्यक्ष ओमपाल भाल ने किया। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार लगातार आर्थिक उदारीकरण की नीतिया तेजी से लागू कर रही है जिससे लगातार महंगाई, बेरोजगारी व भ्रस्टाचार बढ़ा है। इन पर रोक लगाने की बजाय सरकार लोंगो का ध्यान जाति-धर्म के नाम पर बढ़ना चाहती है। मुख्य वक्ता नगर पालिका कर्मचारी संघ के राज्य मुख्य संगठनकर्ता व एसकेएस के जिला सचिव शिवचरण व फायर विभाग के राज्य प्रधान व संघ के राज्य उपप्रधान राजेन्द्र सिणंद ने कहा कि वर्तमान केन्द्र सरकार द्वारा 21 नवंबर को लागू किये गए 4 लेबर कोड्स मेहनतकश जनता पर सबसे बड़ा हमला है। इन लेबर कोड्स के कारण मेहनतकश वर्ग का शोषण व उत्पीडन् और बढ़ेगा। उन्होंने राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि कर्मचारियों की मांगों का समाधान करने के प्रति बिल्कुल भी गंभीर नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र व राज्य सरकार निजीकरण व उदारीकरण की नीतियों पर रोक लगाए और सरकारी क्षेत्र का विस्तार करके सबके लिए सस्ती दर पर शिक्षा, स्वास्थ, बिजली, पानी, सफाई, परिवहन व अन्य सुविधाओं का प्रबंध करे।

इसके बाद आगामी तीन वर्षो के लिए चुनाव पर्यवेक्षक एसकेएस जिला प्रधान ओमपाल भाल व सचिव शिवचरण द्वारा नई जिला कमेटी का चुनाव सर्वसम्मति से करवाया गया। गौरव टंक को प्रधान, विक्की टंक सचिव, पिरथी सिंह कैशियर, संजीव कुमार कलायत को वरिष्ठ उपप्रधान, राजकुमार सीवन, राकेश कुमार राजौन्द व सुरेंद्र कुमार कांगड़ को उप प्रधान, राज कुमार मचल, सुक्खा नौच व विद्या रानी को सहसचिव, नवीन कुमार बेदी व सत्यावान पूंडरी को प्रैससचिव, संगठन सचिव सुमेश राणा, चिन्तो रानी, ओडिटर अमित कुमार क्योडक व तलवीन्दर चीका, सलाहकार सूरज कुमार सहोत्रा अमित कुमार जालन्धरी चुने गए। इनके अलावा विक्की बेदी, रोहताश राजौंद, विकास टंक, सतीश कुमार सीवन, जसवंत पूंडरी को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया।

समाहरणालय, अरवल
(मद्यनिषेध एवं उत्पाद शाखा)
बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम-2016 (यथा संशोधित) के तहत राजसात किये गये वाहनों की नीलामी की अल्पकालीन आम सूचना

बिहार सरकार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि बिहार राज्य में पूर्ण शराबबंदी के उपरांत वैसे वाहन जिन्हें मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम-2016 (यथा संशोधित) में विहित प्रावधानों के तहत अरवल जिला अन्तर्गत पुलिस थाना द्वारा जप्त एवं समाहर्त्ता-सह-जिला दण्डाधिकारी, अरवल के द्वारा अधिहरित किया गया है, उनकी सार्वजनिक नीलामी किया जाना है। वाहन की नीलामी तिथि-**09.01.2026** को निर्धारित की गई है, उक्त तिथि के पूर्व तक संबंधित वाहन स्वामी वाहन विमुक्ति हेतु स्वंय उपस्थित होकर विधि शाखा, अरवल / अधीक्षक मद्यनिषेध, अरवल में आवेदन समर्पित कर सकते है। तदालोक में उक्त अधिहरित वाहन जो जिला के थाना मालखाना में संचित हैं, उसे **"जो हैं, जहाँ है, जैसा है"** के आधार पर गठित नीलामी समिति द्वारा निम्न सारणी के अनुसार नीलामी की जाएगी :-

नीलामी की निर्धारित तिथि		आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि	आवेदन प्राप्त / जमा करने का स्थान	नीलामी का स्थान एवं समय
प्रथम नीलामी की तिथि	09.01.2026	07.01.2026	कार्यालय अधीक्षक मद्यनिषेध, अरवल।	समाहरणालय परिसर, अरवल (इन्डोर स्टेडियम) पूर्वाहन 10:00 बजे से ।
प्रथम नीलामी में यदि वाहन के नीलामी नहीं होती है तो द्वितीय नीलामी की तिथि	09.02.2026	06.02.2026		
द्वितीय नीलामी में यदि वाहन के नीलामी नहीं होती है तो तृतीय नीलामी की तिथि	12.03.2026	10.03.2026		

नीलामी योग्य वाहनों की सूची निम्नवत् है :-

क्र0	अधिहरण वाद संख्या	अधिहरण आदेश का ज्ञापांक / दिनांक	थाना कांड संख्या / दिनांक	वाहन का प्रकार	वाहन का निबंधन संख्या	इंजन नं0	चेसिस नं0	वाहन निर्माण माह / वर्ष	वाहन स्वामी का नाम एवं पता	निर्धारित मूल्य (20%)	अग्रधन की राशि	अभियुक्ति
1	25/25	304/ तिथि दिनांक- 17.06.25	[illegible] 111/24 27.06.24	ट्रक	Fake Reg No.- HR67B-7682	50306465 1063438028	MAT466422FHE02481		[illegible]	125000/-	25000/-	Scrap

विस्तृत जानकारी state.bihar.gov.in/prdbihar से प्राप्त की जा सकती है।

समाहर्त्ता-सह-
जिला दण्डाधिकारी, अरवल

PR- 019371 (Excise) 2025-26

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।

AP-6187

समाहरणालय, अरवल
(मद्यनिषेध एवं उत्पाद शाखा)
बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम-2016 (यथा संशोधित) के तहत राजसात किये गये वाहनों की नीलामी की अल्पकालिन आम सूचना

बिहार सरकार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि बिहार राज्य में पूर्ण शराबबंदी के उपरांत वैसे वाहन जिन्हें मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम-2016 (यथा संशोधित) में विहित प्रावधानों के तहत अरवल जिला अन्तर्गत पुलिस थाना द्वारा जप्त एवं समाहर्त्ता-सह-जिला दण्डाधिकारी, अरवल के द्वारा अधिहरित किया गया है, उनकी सार्वजनिक नीलामी किया जाना है। वाहनों की नीलामी तिथि-**09.01.2026** को निर्धारित की गई है, उक्त तिथि के पूर्व तक संबंधित वाहन स्वामी वाहन विमुक्ति हेतु स्वंय उपस्थित होकर विधि शाखा, अरवल / अधीक्षक मद्यनिषेध, अरवल में आवेदन समर्पित कर सकते है। तदालोक में उक्त अधिहरित वाहन जो जिला के पुलिस थाना मालखाना में संचित हैं, उसे "जो हैं, जहाँ है, जैसा है" के आधार पर गठित नीलामी समिति द्वारा निम्न सारणी के अनुसार नीलामी की जाएगी :-

नीलामी की निर्धारित तिथि		आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि	आवेदन प्राप्त / जमा करने का स्थान	नीलामी का स्थान एवं समय
प्रथम नीलामी की तिथि	09.01.2026	07.01.2026	कार्यालय अधीक्षक मद्यनिषेध, अरवल।	समाहरणालय परिसर, अरवल (इन्डोर स्टेडियम) पूर्वाहन 10:00 बजे से ।
प्रथम नीलामी में यदि वाहन की नीलामी नही होती है तो द्वितीय नीलामी की तिथि	09.02.2026	06.02.2026		
द्वितीय नीलामी में यदि वाहन की नीलामी नही होती है तो तृतीय नीलामी की तिथि	12.03.2026	10.03.2026		

नीलामी योग्य वाहनों की सूची निम्नवत् है :-

क्र0 सं0	उत्पाद अधिहरण वाद सं0	अधिहरण आदेश का ज्ञापांक / दिनांक	थाना काण्ड सं0 एवं दिनांक	वाहन का नाम एवं प्रकार	वाहन का निबंधन सं0	वाहन का मॉडल	वाहन का निर्माण वर्ष	MVI द्वारा निर्धारित Scrap मूल्य	अग्रधन की राशि (10%)	अभियुक्ति
01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11
01	102/23	12/विधि दिनांक 17.02.24	करपी 104/22 21.09.22	डिस्कवर मोटरसाईकिल	PB07AU-0739	DISCOVER 100M DRUM BRAKE	2014	2,800/-	560/-	Scrap

PR- 019394 (Excise) 2025-26

विस्तृत जानकारी वेबसाइट state.bihar.gov.in/prdbihar पर देखा जा सकता है।

समाहर्त्ता -सह-
जिला दण्डाधिकारी,अरवल

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार

AP-6185

पंजाब स्टेट पावर कारपोरेशन लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय: पीएसईबी मुख्यालय, दि माल पटियाला-147001
कारपोरेट पहचान संख्या: U40109PB2010SGC033813,
वेबसाईट: www.pspcl.in **(संपर्क सं. 96461-17906)**

अल्पावधि निविदा पूछताछ सं. 31/सीडब्ल्यूसी/2025-26
दिनांक: 11.12.2025

अधीक्षण अभियंता/सिविल कार्य परिमंडल, पीएसपीसीएल, डी-4ए, शक्ति विहार, पटियाला द्वारा 66केवी बेय का निर्माण तथा 66केवी एस/एस मिलरगंज, जेल रोड चौड़ा बाजार, अमलतास, बहादुरके, फेस-7, इंदिरा पार्क, चंडीगढ़ रोड, फोक्ल प्वाइंट, मेहरबन (2 सं.), नुरेवाल, डीसी कॉम्पलेक्स, फाउंटेन चौक, हैबोवाल, पीएयू (आरडीएसएस के अधीन) पर संबंधित सिविल कार्यों के लिए निविदा पूछताछ सं. 31/सीडब्ल्यूसी/2025-26 के अंतर्गत अल्पावधि ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। विस्तृत निआसू एवं निविदा विनिर्देशन के लिए कृपया 12.12.2025 को सायं 05.00 बजे से https://eproc.punjab.gov.in पर पधारें।

टिप्पणी: शुद्धिपत्र और परिशिष्ट, यदि कोई हुआ https://eproc.punjab.gov.in पर ऑनलाईन प्रकाशित किया जाएगा।

सी876/25

AP-6189

पंजाब स्टेट पावर कारपोरेशन लि.
(पंजी. कार्यालय पीएसईबी मुख्यालय, दि माल पटियाला)
कारपोरेट पहचान संख्या: U40109PB2010SGC033813, वेबसाईट: www.pspcl.in
(संपर्क सं. 96461-24151) ई-मेल: addles.ewd@gmail.com

निविदा पूछताछ सं. 19/आरडीएसएस/सीडब्ल्यूडी/पीटीए/2025-26 दिनांक: 12.12.2025

अतिरिक्त एस.ई. सिविल कार्य मंडल, क्वार्टर सं. 212, पीसी-2, पीएसपीसीएल पटियाला, 147001 कार्यालय द्वारा 66केवी एस/एस बरनाला स्थित अतिरिक्त बेय (22केवी एस/एस हंडिया दूसरा सर्किट) के निर्माण कार्य और संबंधित सिविल कार्यों के लिए खुली अल्पावधि निविदाएं (ई-निविदा) आमंत्रित की जाती है। (ओपी परिमंडल संगरूर के अधीन) (आरडीएसएस के तहत)। विस्तृत निआसू एवं निविदा विनिर्देशन के लिए कृपया 13.12.2025 को प्रात: 09.00 बजे से वेबसाईट "https://eproc.punjab.gov.in" पर पधारें।

टिप्पणी: शुद्धिपत्र और परिशिष्ट, यदि कोई हुआ https://eproc.punjab.gov.in पर ऑनलाईन प्रकाशित किया जाएगा।

सी879/25

AP-6188

एंटी करप्शन ब्यूरो के टोल फ्री नंबरों से छेड़छाड़ करने वालों की सी.एम. को भेजेंगे शिकायत- नरेश

कैथल (अप्रस)। एंटी करप्शन आर्गेनाईजेशन हरियाणा प्रभारी नरेश कुमार ने कहा कि सरकारी कार्य करने की एवज में जिले में सरकारी कार्यालयों में कुछेक अधिकारी व कर्मचारी सुविधा शुल्क की मांग को लेकर जनता को तंग कर बार-बार चक्कर कटवाते है, ऐसे अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ लोगों को बिना किसी भय व संकोच के आवाज उठानी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो में शिकायत करें, ताकि भ्रष्ट अधिकारियों व कर्मचारियों को सलाखों के पीछे भेजा जा सके। ढांड विस्तार अनाज मंडी में पत्रकारों से बातचीत करते हुए हरियाणा प्रभारी नरेश कुमार ने कहा कि कैथल जिले में जिन भी सरकारी कार्यालय के बाहर एंटी करप्शन ब्यूरो के भ्रष्टाचार के खिलाफ शिकायत करने के लिए एंटी करप्शन ब्यूरो के सहयोग से एंटी करप्शन आर्गेनाईजेशन द्वारा टोल फ्री नंबर अंकित करवाए गए थे, लेकिन आर्गेनाईजेशन को अपने सूत्रों से जानकारी मिली है कि कुछ विभागों में एंटी करप्शन ब्यूरो के टोल फ्री नंबरों से छेड़छाड़ की गई है।

चंडीगढ़ ट्राईसिटी मेट्रो प्रोजेक्ट : चंडीगढ़ मेट्रो सिटी ब्यूटीफुल से दिल्ली की संसद तक चली

राजनीतिक-प्रशासनिक खींचतान के कारण थमी मेट्रो की रफ्तार

13 साल की जद्दोजहद के बाद भी मंज़िल दूर, रिपोर्टों में खामियों से फिर अटका काम

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 12 दिसंबर। ट्राइसिटी के शहरों चंडीगढ़-मोहाली-पंचकूला के बहुप्रतीक्षित मेट्रो प्रोजेक्ट की शुरुआत को लेकर जारी इंतज़ार लगातार लंबा होता जा रहा है। वर्ष 2012 से शुरू हुई योजना अब 2025 के अंत तक भी रिपोर्टों, संशोधनों और मंजूरियों में उलझी हुई है। बढ़ती ट्रैफिक परेशानी और तीनों शहरों की लगभग 30 लाख आबादी के बावजूद निर्माण का कोई काम अब तक ज़मीन पर शुरू नहीं हो पाया है। ट्राइसिटी मेट्रो की रफ्तार तकनीकी कारणों से कम और राजनीतिक-प्रशासनिक खींचतान के कारण ज्यादा धीमी है। तीन सरकारों के बीच सहमति का अभाव, दलों की बयानबाज़ी, पिछली आपत्तियों से उपजा अविश्वास, और लागत-रूट पर विवाद, यह सब मिलकर मेट्रो को लगातार पटरी से उतारते रहे हैं। ट्राइसिटी में मेट्रो चलाने का विचार 2012 के आसपास आकार लेने लगा। डीएमआरसी ने प्रारंभिक डीपीआर तैयार की और बाद में संशोधित रिपोर्ट लेकर आया। इसमें लागत 10,900 करोड़ से बढ़कर 13,600 करोड़ आंकी गई लेकिन 2017 में प्रोजेक्ट को आर्थिक रूप से अव्यवहारिक बताते हुए पूरी तरह बंद कर दिया गया। अधिकारियों ने उस समय कहा था कि चंडीगढ़ में मेट्रो की जरूरत 2051 के आसपास ही वास्तविक रूप से पड़ सकती है। इससे पहले इसकी जरूरत नहीं। लगातार बढ़ते ट्रैफिक और शहरीकरण को देखते हुए नवंबर 2022 में राइट्स को प्रोजेक्ट फिर से तैयार करने का काम सौंपा गया। इसके बाद मार्च 2023 में चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा सरकारों ने मिलकर मेट्रो योजना को इन-प्रिंसिपल अप्रूवल दे दिया। राइट्स ने इसके लिए कॉम्प्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान (सीएमपी) तैयार किया, जो आगे की डीपीआर के लिए आधार बना। पुनर्जीवित योजना में मेट्रो को पूरे ट्राइसिटी में फैलाने का खाका बनाया गया। फेज-1 की अनुमानित लंबाई पहले 66-77 किमी थी, जिसे बढ़ाकर 85.65 किमी तक किया गया। शुरुआती नए आंकलन में लागत 10,570 करोड़ बताई गई थी, जिसमें 20 फीसदी केंद्र, 20 फीसदी पंजाब, 20 फीसदी हरियाणा और बाकि अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय एजेंसियों से फंड किए जाने का प्रस्ताव था। लेकिन एएआर और एसएसआर जैसी नई रिपोर्टों ने खर्च को 25,000 से 30,000 करोड़ तक बढ़ा कर दिखाया, विशेषकर भूमिगत सेक्शनों की वजह से। एसएसआर के अनुसार ईआईआरआर 14.35 32.33 प्रतिशत है, जो आर्थिक दृष्टि से प्रोजेक्ट को वायबल बताता है। 2024 और 2025 के बीच राइट्स द्वारा भेजी गई रिपोर्टों में कई कमियां पाई गईं, जिसके चलते सरकारों ने उन्हें फिर से संशोधन के लिए वापस भेज दिया।

संसद में चंडीगढ़ के सांसद मनीष तिवारी ने लागत में तेजी से हो रही वृद्धि जो शुरुआती 16,000 करोड़ से बढ़कर 25,000 करोड़ तक पहुँच चुकी है पर चिंता जताई और प्रोजेक्ट को रणनीतिक महत्व देने की मांग की।

मेट्रो के प्रमुख रूटों में कई स्टेशन शामिल रखे गये

-सारंगपुर- पंचकूला आईएसबीटी
-रॉक गार्डन जीरकपुर आईएसबीटी (इंडस्ट्रियल एरिया व एयरपोर्ट के रास्ते)
-सेक्टर 39 (ग्रेन मार्केट)- सेक्टर 26 (ट्रांसपोर्ट नगर)

लागत और व्यवहार्यता पर भी विवाद

मेट्रो की अनुमानित लागत अब 20,000-30,000 करोड़ से अधिक आंकी जा रही है। आलोचकों का कहना है कि यह निवेश जनसंख्या और संभावित यात्री संख्या की तुलना में बहुत बड़ा है। इसी आधार पर कई राजनीतिक दल इसकी व्यवहार्यता पर सवाल उठाते रहते हैं। फिलहाल योजना पर कोई निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है। डीपीआर अभी भी संशोधन वैलिडेशन में है। केंद्र की स्वीकृति तथा फंडिंग पर अंतिम निर्णय लंबित है। प्रशासनिक दायरों, तीन सरकारों की साझा जिम्मेदारी, लागत बढ़ोतरी और तकनीकी रिपोर्टों की खामियों ने प्रोजेक्ट को लगातार धीमा किया है। यदि डीपीआर जल्द फाइनल होकर केंद्र से मंजूरी मिल जाती है, तो निर्माण 2027 के आसपास शुरू होने की संभावना मानी जा रही है। फेज-1 संभवतः 2030 के शुरुआती दशक में चल सकेगा।

मेट्रो बनने से चंडीगढ़ और आसपास के शहरों की स्थिति

-ट्रैफिक जाम कम होंगे
-प्रदूषण पर नियंत्रण लगेगा
-रोजगार के अवसर बढ़ेंगे
-बिजनेस और रियल एस्टेट सेक्टर को नई गति मिलेगी
-रोजाना हजारों यात्रियों को सस्ती और तेज यात्रा विकल्प मिलेगा

डीपीआर अभी तक अधूरी, मीटिंग्स केवल तीन

सूत्रों के अनुसार, मेट्रो परियोजना के लिए आवश्यक डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) अभी तक अंतिम रूप नहीं ले सकी है और न ही केंद्र सरकार को भेजी गई है। पिछले दो वर्षों में यूनिफाइड मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी की सिर्फ तीन बैठकें हुई, जिससे यह साफ है कि संबंधित एजेंसियों के बीच तालमेल बेहद कमजोर है।

राजनीतिक पटरी पर नहीं चढ़ पा रहा प्रोजेक्ट, संघीय ढांचे में उलझा चंडीगढ़

यूटी प्रशासन, पंजाब और हरियाणा, तीनों की अलग-अलग राजनीतिक प्राथमिकताएँ हैं। यही कारण है कि कोई एकीकृत राजनीतिक इच्छा-शक्ति विकसित नहीं हो पा रही, और मेट्रो बार-बार टलती जा रही है। चंडीगढ़ एक कें द्रशासित प्रदेश है, जो पंजाब और हरियाणा दोनों की राजधानी है। ऐसे में तीन अलग-अलग शासन-तंत्रों के बीच मार्ग, फंडिंग और लैंड यूज़ जैसे मुद्दों पर सहमति बनाना बेहद कठिन हो जाता है। यही वजह है कि हर सहमति महीनों और सालों तक खिंच जाती है। मेट्रो मुद्दा अब राजनीतिक तकरार का हथियार बन चुका है।

कांग्रेस-भाजपा के आरोप-प्रत्यारोप

कांग्रेस ने भाजपा पर लोगों को गुमराह करने और वर्षों से मेट्रो में देरी कराने का आरोप लगाया है। भाजपा के नेता भी तेज़ी से कार्यवाही की बात करते हैं, लेकिन स्थानीय स्तर पर पार्टी के ही नेताओं का विरोध अतीत में अड़चन बनता रहा है। पूर्व सांसद किरण खेर ने वर्ष 2014 के बाद कई बार कहा कि मेट्रो से शहर की नियोजित सुंदरता और सेक्टरों की संरचना प्रभावित होगी। कांग्रेस का आरोप है कि उनकी इसी आपत्ति ने प्रोजेक्ट को वर्षों पीछे धकेल दिया।

चंडीगढ़ की सौंदर्य संरचना भी विवाद का हिस्सा

ली-कोर्बुज़िए द्वारा डिज़ाइन किए गए चंडीगढ़ में ऊँचे-ऊँचे मेट्रो ट्रैक शहर की सौंदर्य पहचान को बदल सकते हैं। यह तर्क भी कई नेता और नागरिक उठाते रहे हैं और यह तर्क अक्सर राजनीतिक कारणों से और तीखा हो जाता है।

चरमर्रा जाएगा ट्राईसिटी का पूरा ट्रैफिकः सांसद मनीष तिवारी

मनीष तिवारी ने केंद्र सरकार से 25,000 करोड़ रुपए की विशेष वित्तीय सहायता जारी करने की मांग की है। सांसद ने कहा कि केंद्र सरकार यदि 25,000 करोड़ रुपए की मंजूरी देती है, तो यह न सिर्फ चंडीगढ़ बल्कि पूरे उत्तरी क्षेत्र की अर्थव्यवस्था के लिए गेमचेंजर साबित होगा। सांसद मनीष तिवारी ने सदन को याद दिलाया कि वर्ष 2019 में ही उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री को पत्र लिखकर यह मांग उठाई थी कि चंडीगढ़ और आसपास के शहरों के बीच तेज रफ्तार सार्वजनिक परिवहन प्रणाली शुरू की जाए। लेकिन, इसके बावजूद अब तक परियोजना धरातल पर नहीं उतर सकी है। उन्होंने कहा कि कई दौर की यूएमटीए (यूनिफाइड मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी) बैठकों और राइट्स की विस्तृत रिपोर्टों ने इस प्रोजेक्ट को तकनीकी और वित्तीय रूप से पूरी तरह व्यावहारिक माना है। इसके बावजूद, चंडीगढ़-मोहाली-पंचकूला - न्यू चंडीगढ़ क्षेत्र की मेट्रो परियोजना को मंजूरी नहीं मिल पाई, जिससे क्षेत्र का विकास ठहर गया है। अब फैसला लेने का समय, वर्ना ट्रैफिक सिस्टम टूट जाएगा' सांसद ने चेतावनी देते हुए कहा कि चंडीगढ़ और उसके आसपास के शहरों में रोजाना लाखों वाहन सड़कों पर उतरते हैं और स्थिति हर साल और खराब हो रही है। उन्होंने कहा कि अगर केंद्र सरकार अभी फैसला नहीं लेती तो आने वाले समय में चंडीगढ़- ट्राईसिटी का ट्रैफिक सिस्टम पूरी तरह चरमरा जाएगा। मेट्रो न सिर्फ जरूरत है, बल्कि आर्थिक विकास, रोजगार और पर्यावरण के लिहाज से अनिवार्य है। सांसद ने कहा कि प्रस्तावित मेट्रो नेटवर्क अंबाला से शुरू होकर कुराली तक और दूसरी दिशा में लांडरां से पिंजौर तक फैला होना चाहिए। इससे पूरा ट्राईसिटी चंडीगढ़, मोहाली, पंचकूला और न्यू चंडीगढ़ एक कॉमन शहरी ट्रांसपोर्ट सिस्टम से जुड़ जाएगा। उन्होंने कहा कि आबादी लगातार बढ़ रही है और चंडीगढ़ के चारों तरफ विकसित हो रहे उपनगरों में ट्रैफिक दबाव इतना बढ़ चुका है कि बिना मेट्रो जैसे मजबूत विकल्प के आने वाले 5-7 सालों में हालात बेहद गंभीर हो जाएंगे।

केवल चंडीगढ़ के लिये थोड़ी थी परियोजना, आसपास के इलाकों को भी फायदा मिलना थाः पवन बंसल

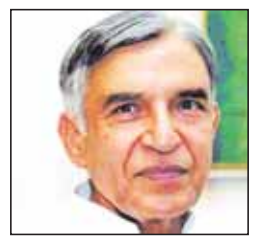

पूर्व केंद्रीय रेल व वित्त राज्य मंत्री पवन बंसल के मुताबिक अगर पूर्व सांसद किरण खेर ने प्रोजेक्ट रुकवाया न होता तो अब तक परियोजना सिरे चढ़ चुकी होती। उन्होंने शहर में बढ़ते ट्रैफिक दबाव को देखते हुए ही परियोजना शुरू कराने का बीड़ा उठाया था। डीएमआरसी ने ट्राईसिटी में स्टेशन तक तय कर लिये थे। शहर के भीतर अंडरग्राउंड जबकि बाहर ऊपर की ओर से प्रोजेक्ट जाएगा, ऐसा फै सला हुआ था। केवल एक जगह एक मकान गिरने का विवाद था। इस पर भी फैसला हो गया था कि इन्हें कहीं बड़ा प्लाट इसकी ऐवज में दे देंगे। बंसल के मुताबिक चंडीगढ़ अकेले में थोड़ी परियोजना चलनी थी, देर सवेर तो इसमें आसपास के शहर जुड़ने ही थे क्योंकि चंडीगढ़ का तो आधा एरिया फोरेस्ट कवर में है। 8 बाय 8 के शहर के लिये ही थोड़ी परियोजना थी। इसे अंबाला, कालका, खरड़, कुराली, मोरिंडा, बनूड, डेराबस्सी, लालडू बद्दी, बरोटीवाला, कालका, परवाणु, पटियाला इत्यादि तक बढ़ाया जा सकता था।

शहरवासियों को धैर्य रखना होगा, प्रोजेक्ट शुरू हुआ तो पूरा शहर खुदेगाः अरुण सूद

भाजपा के वरिष्ठ नेता, चंडीगढ़ के पूर्व मेयर व चंडीगढ़ भाजपा के पूर्व अध्यक्ष अरुण सूद का कहना है कि जिस भी मिनिस्ट्री के अंतर्गत कोई मामला होता है, जब तक कोई स्टैप नहीं लेती तब तक वह क्या जवाब देगी? मेट्रो को वायबल करने के लिये कम से कम चंडीगढ़ के इर्दगिर्द का 40-40 किलोमीटर का एरिया कवर करना चाहिये अन्यथा इस पर जो पैसा लगेगा व्यर्थ जाएगा और मेट्रो व्यवहारिक नहीं होगी। राइडरशिप तभी बनेगी जब इसमें माइग्रेट्री पॉपुलेशन जो रोजाना चंडीगढ़ आती है के लिये अंबाला, बनूड़, कुराली, मोरिंडा, कालका, बद्दी, बरोटीवाला, डेराबस्सी, जीरकपुर, परवाणु इत्यादि इलाकों को इससे जोडना होगा। तभी यह फाइनेंशियली वायबल हो पाएगी। अरुण सूद के मुताबिक पूर्व सांसद किरण खैर के कहने पर परियोजना ठप नहीं हुई। सांसद की कोई वीटो पॉवर थोड़ी होती है। यह योजना कभी भी ठंडे बस्ते में नहीं गई। हमेशा इस पर विचार होता रहा। उन्होंने कहा कि उनकी नजर में परियोजना लाई जानी चाहिए लेकिन इसका 40-40 किलोमीटर तक एरिया बढना चाहिए। इसको लेकर वह प्रधान होते हुए कई जगह सिफारिश कर चुके हैं। इतना जरूर है कि शहरवासियों को भी अगर परियोजना शुरू होती है तो शहर की खुदाई के लिये तैयार रहना होगा। उन्हें दिक्कतें तो झेलनी होगी क्योंकि इसमें एक मर्तबा तो पूरा शहर खुदेगा।

न्यूज ब्रीफ

वीजा दिलवाने के नाम पर लाखों रुपए की ठगी, मामला दर्ज

चंडीगढ़ (अप्रस/रंजीत शम्मी)। थाना 11 पुलिस ने वीजा दिलवाने के नाम पर लाखों रुपए की ठगी करने के मामले में कम्पनी के आरोपी कर्मियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जिनकी पहचान रविंदर सिंह,और अन्य के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता हरियाणा के जिला कैथल निवासी मंजीत सिंह ने पुलिस को बताया कि उसका कुछ समय पहले सैक्टर 17 स्थित के प्राइवेट इमीग्रेशन कंपनी के कर्मियों से हुआ था। उन्होंने पीड़ित को झांसे में लेते हुए कहा था कि वह उसका विदेश का वीजा दिलवा देंगे। पीड़ित उनके झांसे में आ गया। उसने कुल मिलाकर 17 लाख 11 हजार रुपए दे दिए। जब कुछ दिन बीत जाने के बाद संपर्क किया तो वह टाल मटोल करते रहे। ना तो पीड़ित को विदेश भेजा और ना ही लिए गए लाखों रुपए वापिस किए। जिसकी शिकायत पुलिस को दी गई थी। पुलिस ने मामले में कारवाई करते हुए उक्त आरोपियो के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दि है।

मोटरसाइकिल पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर घूमने वाला आरोपी काबू

चंडीगढ़ (अप्रस/रंजीत शम्मी)। थाना 11 पुलिस ने मोटर साइकिल पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर घूमने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान सैक्टर 25 निवासी अशोक कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार पता चला कि थाना पुलिस ने बीते दिन एरिया में नाका लगा रखा था। नाके के दौरान पुलिस आने जाने वाले वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने शक के आधार पर एक मोटर साइकिल चालक को रोककर कागजात चेक करवाने के लिए बोला तो वह आनाकानी करने लगा ज़ब पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो पता चला कि मोटर साइकिल चालक ने फर्जी नंबर प्लेट लगा रखी थी। पुलिस ने तुरंत मामले में कारवाई करते हुए आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

लोकसभा में रखे गए सवाल ने खोली अस्पतालों की स्थिति की पोल

चंडीगढ़ में नर्सिंग व पैरामेडिकल स्टाफ की भारी कमी उजागर

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 12 दिसंबर। केंद्र सरकार द्वारा लोकसभा में पेश किए गए आंकड़ों ने चंडीगढ़ के प्रमुख अस्पतालों जिसमें जीएमसीएच 32, जीएमएसएच 16 और पीजीआईएमईआर में नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी को एक बार फिर उजागर कर दिया है। यह जानकारी स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से 12 दिसंबर 2025 को सांसद मनीष तिवारी द्वारा पूछे गए प्रश्न के लिखित उत्तर में दी गई। सरकार की ओर से दी जानकारी में सामने आया कि तीनों अस्पतालों में बड़ी संख्या में पद खाली पड़े हैं। सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार जीएमसीएच 32 , चंडीगढ़ में नर्सिंग स्टाफ के 1264 स्वीकृत पदों में से 281 खाली, पैरामेडिकल स्टाफ 330 पदों में से 86 खाली पड़े हैं। जीएमसीएच, 16 चंडीगढ़ में नर्सिंग स्टाफ के कुल 154 में से 30 पद खाली पड़े हैं। पैरामेडिकल स्टाफ के कुल 233 में से 70 खाली पड़े हैं। पीजीआईएमआर, चंडीगढ़ में नर्सिंग स्टाफ के कुल 2597 में से 247 खाली पड़े हैं। पैरामेडिकल स्टाफ के 856 में से 120 पद खाली पड़े हैं। अस्पतालों में लगातार बढ़ते मरीजों के बोझ के बीच इतनी बड़ी संख्या में पदों का खाली रहना चिंता का विषय है।

पीजीआईएमआर में प्रमोशन पर रोक, कैडर समीक्षा पूरी

जहां जीएमसीएच 32 और जीएमएसएच 16 ने प्रमोशन में किसी भी देरी से इनकार किया है, वहीं पीजीआईएमआर में नर्सिंग स्टाफ के प्रमोशन में देरी का मामला अदालत में अटका हुआ है। कैट चंडीगढ़ ने ओए नं. 751/2022 (हेमंत कुमार व अन्य बनाम पीजीआई) में 17 जुलाई 2025 को आदेश दिया था कि एसएनओ से एएनएस के प्रमोशन के लिए डीपीसी अभी के स्वरूप में न की जाए, और आवश्यक अनुपालना छह महीने के भीतर पूरी की जाए।

स्टाफ की कमी के बावजूद सेवाएं जारी, पीजीआई काम कर रहा क्षमता से अधिक

जीएमसीएच 32 और जीएमएसएच 16 ने सूचित किया कि उपलब्ध स्टाफ के सहारे ओपीडी, इमरजेंसी और ट्रॉमा सेवाओं को संभाला जा रहा है। वहीं पीजीआईएमआर ने कहा कि वह अपनी क्षमता से अधिक काम कर रहा है ताकि मरीज सेवाओं पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

आउटसोर्सिंग से चल रही कई सेवाएं

स्टाफ की कमी को देखते हुए तीनों अस्पताल आवश्यकता अनुसार नर्सिंग एवं पैरामेडिकल कर्मचारियों की आउटसोर्सिंग कर रहे हैं। इससे सेवाएं निरंतर बनाए रखने में मदद मिल रही है। सरकार ने जवाब दिया है कि रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया जारी, नई भर्तियां जरूरत अनुसार होंगी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि नए पद अस्पतालों की कार्य आवश्यकता के अनुसार सृजित किए जाते हैं, और रिक्त पदों को भरना एक निरंतर प्रशासनिक प्रक्रिया है। हालांकि, पदों को भरने के लिए कोई निश्चित समयसीमा सरकार ने नहीं बताई है।

तीसरे महीने पोषण-सहारा देकर मानव सेवा की नई मिसाल गढ़ी

अर्थ प्रकाश/वीरेन्द्र सिंह

चंडीगढ़, 12 दिसंबर। टी.बी मुक्त भारत अभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी चंडीगढ़ प्रदेश द्वारा आज सामाजिक उत्तरदायित्व को सशक्त बनाने वाला एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र पाल मल्होत्रा के नेतृत्व में मेडिकल सेल की टीम तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं - सुभाष शर्मा, राजीव धवन, लीलाधर स्वामी, एडवोकेट चेतन मुंजाल, मनोज सोनकर और रुचि शेखडी - के सहयोग से कुल 200 टी.बी मरीजों को प्रोटीन आहार युक्त मुफ्त किट का वितरण किया गया।

इस कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री रामवीर भट्टी एवं संजीव राणा, जिला अध्यक्ष रेखा सूद, पूर्व मेयर राजेश कालिया, तथा पूर्व पार्षद फर्मिला भी उपस्थित रहे।

यह वितरण अभियान लगातार तीसरे महीने सफलतापूर्वक संचालित हुआ है, जो समाज सेवा के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कार्यक्रम तीन स्थानों पर आयोजित किया गया –1. मलोया गांव स्थित डिस्पेंसरी, 2. डड्डूमाजरा डिस्पेंसरी, 3. पलसोरा डिस्पेंसरी।

भारतीय जनता पार्टी चंडीगढ़ प्रदेश द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि 200 टी.बी मरीजों को लगातार 6 महीनों तक यह पौष्टिक एवं प्रोटीन युक्त आहार किट प्रदान की जाए। आज तीसरे महीने का वितरण सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र पाल मल्होत्रा ने कहा कि टी.बी जैसी बीमारी से जूझ रहे मरीजों की सहायता करना केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि एक बड़ी सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि उचित पोषण टी.बी के उपचार में अत्यंत आवश्यक है और भाजपा इस दिशा में पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य कर रही है ताकि किसी भी मरीज को पोषण की कमी या किसी अन्य समस्या का सामना न करना पड़े।

उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे भी इस अभियान को अपनी सामाजिक जिम्मेदारी मानते हुए आगे आएं और टी.बी मुक्त भारत बनाने के इस पवित्र कार्य में योगदान दें।

चरस की सप्लाई करने वाला आरोपी तस्कर गिरफ्तार, एक किलो 88 ग्राम चरस बरामद

अर्थ प्रकाश/रंजीत शम्मी

चंडीगढ़, 12 दिसंबर। यूटी पुलिस के ऑपरेशन सैल पुलिस ने चरस की सप्लाई करने वाले आरोपी तस्कर को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी तस्कर की पहचान हिमाचल के जिला कल्लू निवासी 36 वर्षीय जयेश देबलौ के रूप में हुई है। आरोपी तस्कर के कब्जे से एक किलो 88 ग्राम चरस बरामद हुई। जानकारी के अनुसार पता चला कि यूटी पुलिस के आला अधिकारियों के दिशा निर्देशों के चलते 8 दिसबर को एसआई सुरेश कुमार अपनी अन्य पुलिस पार्टी के साथ सरकारी वाहन में सवार होकर पार्क करने के बाद पैदल गश्त शुरू की। जब पुलिस पार्टी दिल्ली सिनेमा मनी माजरा की पिछली साइड पार्किंग में पहुंचे तो गश्त के दौरान टीम ने उक्त आरोपी से पूछताछ की तो तलाशी के दौरान चरस बरामद हुई। पुलिस ने तुरंत मामले में कारवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ के दौरान उसने खुलासा किया कि वह मनाली हिमाचल प्रदेश से प्रतिबंधित पदार्थ लाता था और इसे यू.टी चंडीगढ़ के क्षेत्र में वितरित और बेचता था।

मेयर हरप्रीत कौर बबला ने पुराने कचरे को तेज़ी से हटाने का आदेश दिया; साइट की लैंडस्केपिंग और ब्यूटीफिकेशन के दिए निर्देश

अर्थ प्रकाश/वीरेन्द्र सिंह

चंडीगढ़, 12 दिसंबर। शहर की मेयर श्रीमती हरप्रीत कौर बबला ने आज शहर की पुराने कचरे वाली जगह का रिव्यू विज़िट किया। उनके साथ सी.बी. ओझा, चीफ़ इंजीनियर, एसई, हॉर्टिकल्चर और म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के संबंधित अधिकारी भी थे। इस विज़िट का मकसद पुराने कचरे के ढेर की मौजूदा हालत और चल रहे बायो-माइनिंग और सफ़ाई के काम की रफ़्तार का अंदाज़ा लगाना था।

इलाके का इंस्पेक्शन करने के बाद, मेयर बबला ने पुराने कचरे को जल्द से जल्द हटाने में तेज़ी लाने के सख़्त निर्देश दिए। उन्होंने इंजीनियरिंग टीम को और मशीनें लगाने, मैनपावर बढ़ाने और कचरे के ढेर में काफ़ी कमी आने तक चौबीसों घंटे काम पक्का करने का निर्देश दिया।

मेयर ने इस बात पर ज़ोर दिया कि पर्यावरण को होने वाले खतरों को रोकने, सफ़ाई बढ़ाने और आस-पास के इकोसिस्टम को बेहतर बनाने के लिए पुराने कचरे को जल्द से जल्द साफ़ किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को फिर से बनाए गए एरिया की लैंडस्केपिंग और ब्यूटीफिकेशन की प्लानिंग शुरू करने का निर्देश दिया, ताकि साइट को एक ज़्यादा साफ़, ग्रीन और पब्लिक-फ्रेंडली जगह में बदला जा सके।

मेयर बबला ने अधिकारियों को रोज़ाना की प्रोग्रेस रिपोर्ट शेयर करने और किसी भी देरी या ऑपरेशनल चुनौतियों को तुरंत हल करने का भी निर्देश दिया। एक साफ़ और हेल्दी चंडीगढ़ के लिए कॉर्पोरेशन के कमिटमेंट को दोहराते हुए, मेयर बबला ने कहा कि सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट की कोशिशों को तेज़ किया जाएगा, और पुराने वेस्ट क्लियरेंस और उसके बाद ब्यूटीफिकेशन के काम में तेज़ी लाने के लिए सभी ज़रूरी रिसोर्स दिए जाएंगे

एमसी चंडीगढ़ ने अतिक्रमण हटाने के लिए बड़ी ड्राइव चलाई; शहर के मार्केट में काटे 37 चालान

अर्थ प्रकाश/वीरेन्द्र सिंह

चंडीगढ़, 12 दिसंबर। शहर के मार्केट को व्यवस्थित और पैदल चलने वालों के लिए आसान बनाने के लिए एक बड़ी कार्रवाई में, म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चंडीगढ़ ने आज सेक्टर 15, सेक्टर 18 और सेक्टर 22 के मोबाइल मार्केट एरिया में एक बड़ी अतिक्रमण हटाने की ड्राइव चलाई।

ड्राइव के दौरान, टीमों ने कई बिना इजाज़त के बने एक्सटेंशन, पब्लिक कॉरिडोर पर रखे सामान और दूसरी रुकावटें हटाई, जो पैदल चलने वालों के आने-जाने में रुकावट डाल रही थीं। पब्लिक जगहों पर अतिक्रमण करने और तय लिमिट के बाहर कमर्शियल एक्टिविटी करने के लिए नियम तोड़ने वालों के कुल 37 चालान काटे गए।

ड्राइव में पब्लिक कॉरिडोर को पूरी तरह से खाली कराना भी पक्का किया गया, जिससे लोगों के लिए सुरक्षित और बिना रुकावट वाले रास्ते फिर से खुल गए। एमसी ने दोहराया है कि मार्केट एरिया गैर-कानूनी अतिक्रमण से मुक्त रहना चाहिए और पब्लिक ज़मीन का गलत इस्तेमाल करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

सम्पादकीय

हरियाणा पुलिस के मनोबल को बढ़ाने के प्रयासों का हो समर्थन

हरियाणा पुलिस आजकल बदलाव के जिस दौर से गुजर रही है, वह अगर भविष्य में भी जारी रहा तो निश्चित रूप से यह इस फोर्स को हमेशा के लिए परिवर्तित कर देगा। बीते कुछ समय के दौरान ऐसे घटनाक्रम हरियाणा पुलिस के समक्ष आए हैं, जिन्होंने इस बल के अंदर बदलाव की जरूरत पर बल दिया है। प्रत्येक डीजीपी अपने अनुभव और भविष्य की रणनीतियों के अनुसार पुलिस फोर्स को संचालित करते हैं, हालांकि मौजूदा कार्यवाहक डीजीपी ओपी सिंह ने पुलिस को जो राहत और रियायत प्रदान करते हुए उसके मनोबल को बढ़ाया है और उसे एक नवीन दिशा में सोचने को प्रेरित किया है, वह प्रशासनिक कुशलता और सक्षमता का परिचायक है। पुलिस की जिम्मेदारी देश के अंदर सुरक्षा सुनिश्चित करने की होती है और यह काम सर्वोच्च प्रोफेशनलिज्म के साथ अंजाम देना होता है। कार्यवाहक डीजीपी ओपी सिंह ने प्रदेश में निजी सुरक्षा में लगे 100 पुलिस जवानों को वापस बुलाते हुए अनेक लोगों की सुरक्षा हटा ली है। जाहिर है, यह राजनीतिक बवंडर को जन्म देने वाला कदम है, जोकि प्रदेश में शुरू हो चुका है, लेकिन वास्तविक अर्थों में बकौल डीजीपी ओपी सिंह पुलिस का मुख्य काम अपनी फोर्स को बदमाशों से भिड़ाए रखना है, उन्हें अगर कुछ ही घरों के आगे बैठा दिया तो जनता का सुरक्षा घेरा कमजोर पड़ जाएगा।

एक एडीजीपी और एक एएसआई की आत्महत्या और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के बाद यह और ज्यादा जरूरी हो जाता है कि पुलिस मनोबल को ऊंचा किया जाए। पुलिस एक फोर्स है और उसके समक्ष भावनात्मक कमजोरी और लाचारी नहीं होनी चाहिए बेशक संवेदनशीलता का अपार भंडार हो। कार्यवाहक डीजीपी ओपी सिंह आजकल इसी गिरे हुए मनोबल को ऊंचा उठाने और पुलिस फोर्स को उसके मूल दायित्व एवं प्रकृति का आभास कराने में जुटे हैं तो यह उचित ही है। बेशक पद संभालने के बाद वे चाहते तो सामान्य तरीके से अपने काम में लग सकते थे लेकिन उन्होंने पुलिस बल से संवाद किया जोकि वास्तव में ही किसी भी उच्चाधिकारी के लिए आवश्यक है।

मालूम हो, पुलिस सुरक्षा आज स्टेट्स सिंबल बन चुकी है। प्रदेश में 72 लोगों से उनकी पुलिस सुरक्षा वापस ले ली गई है। अब डीजीपी का कहना है कि स्टेटस सिंबल और शो आफ करने के लिए पुलिस सुरक्षा नहीं दी जाएगी। वास्तव में यह फैसला सराहनीय है, क्योंकि बगैर किसी सुरक्षा खतरे के भी अपनी राजनीतिक पहुंच प्रदर्शित करने और रौबदाब के लिए भी पुलिस सुरक्षा हासिल की जा रही है। प्रदेश में हालिया दौर में यह पहली बार हो रहा है, जब पुलिस सुरक्षा वापस ली जा रही है। डीजीपी का कहना है कि जिन्हें वाकई में जान का खतरा है, उन्हें बंदूक का लाइसेंस मिलेगा और ट्रेनिंग भी। अब बेशक, बंदूक होने के बावजूद कोई अपनी सुरक्षा खुद न कर सके, क्योंकि पिस्तौल या बंदूक को संभालना भी बेहद जोखिमपूर्ण होता है, लेकिन फिर भी डीजीपी का मंतव्य पुलिस कर्मियों को उनके प्राथमिक कार्य में ही मशगूल रखने का है। और यह प्राथमिक कार्य जनता की सुरक्षा और सेवा करने का है। दरअसल, डीजीपी ओपी सिंह ने पुलिस प्रणाली में सुधारीकरण का जो शंखनाद किया है, वह समय की मांग है। हालांकि चिंता इस बात की है कि उनका कार्यकाल जल्द समाप्त होने जा रहा है, क्या वास्तव में ही उनकी ओर से शुरू किए गए कदमों को आगे भी जारी रखा जाएगा। वास्तव में पुलिस फोर्स को ऐसे सकारात्मक कदमों को अपनी रूलबुक का हिस्सा बनाना चाहिए और उनके मुताबिक कार्यप्रणाली में सुधार लाया जाना चाहिए।

एक एडीजीपी और एक एएसआई की आत्महत्या और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के बाद यह और ज्यादा जरूरी हो जाता है कि पुलिस मनोबल को ऊंचा किया जाए। पुलिस एक फोर्स है और उसके समक्ष भावनात्मक कमजोरी और लाचारी नहीं होनी चाहिए बेशक संवेदनशीलता का अपार भंडार हो। कार्यवाहक डीजीपी ओपी सिंह आजकल इसी गिरे हुए मनोबल को ऊंचा उठाने और पुलिस फोर्स को उसके मूल दायित्व एवं प्रकृति का आभास कराने में जुटे हैं तो यह उचित ही है। बेशक पद संभालने के बाद वे चाहते तो सामान्य तरीके से अपने काम में लग सकते थे लेकिन उन्होंने पुलिस बल से संवाद किया जोकि वास्तव में ही किसी भी उच्चाधिकारी के लिए आवश्यक है। उनकी कही बातों में दम है और ये बातें पुलिस बल के ऊपर मढ़ चुके आवरण को हटाने की जरूरत की ओर इशारा करती हैं। उन्होंने जनता और पुलिस के बीच की दूरी कम करने की बात कही है। डीजीपी का यह कथन भी स्वीकार्य होना चाहिए कि पुलिस जनता को डराने के लिए नहीं है। पुलिस अधिकारी की कुर्सी जनता की सेवा एवं सुरक्षा के लिए है। हरियाणा पुलिस ने आजकल अपराधियों के खिलाफ ऑपरेशन चलाया हुआ है, जिसमें तमाम बदमाशों, गुंडों को जेलों में डाला गया है, इससे प्रदेश में अपराधी तत्वों पर नकेल कसी है। निश्चित रूप से हरियाणा पुलिस अब ज्यादा जवाबदेह नजर आ रही है, क्योंकि उसके मुखिया ऐसा चाह रहे हैं। पुलिस का यह स्वरूप भविष्य में भी बने रहना जरूरी है।

खेल, ध्यान और क्रांति

दैनिक अर्थ प्रकाश

स्पिरिचुअल हीलर
सिद्ध गुरू प्रमोद निर्वाण
गिनीज़ विश्व रिकॉर्ड विजेता लेखक

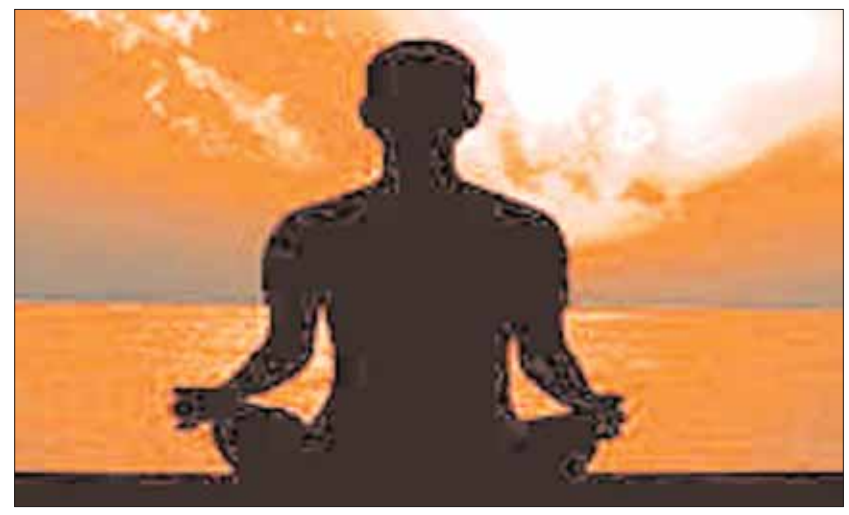

हमने कभी यह नहीं समझा कि हमारी आदतें ही हमारी पहचान बन गई हैं। हमारे दैनिक कामों की रुटीन ही हमें 'हम' बना देती है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि जब हम जानबूझ कर प्रतिदिन के किसी काम को किसी अलग ढंग से करते हैं, तो तीन प्रभाव होते हैं। पहला, वह हमारी रूढ़ हो चुकी आदतों को तोड़ता है, दूसरा, हमें हमारी प्राथमिकताओं और प्रवृत्तियों का ज्ञान होता है। तब हमें भान होता है कि क्या हम सचमुच वही चाहते हैं जो हम करते आए हैं, या वही किया जा रहा है जो हमारे समाज या हमारी परिस्थितियों ने निर्धारित कर दिया है? और तीसरा यह कि जब हम किसी काम को नये ढंग से करते हैं तो हमारा दिमाग कुछ नई अनजानी बातें देख और सीख सकता है, जो हमारे लिए कई बार कई नई राहें खोल देता है। इस प्रक्रिया का एक व्यावहारिक और आसान तरीका यह है कि सप्ताह में एक बार हम कोई छोटा काम किसी अलग ढंग से करें और अपने भीतर की प्रतिक्रियाओं का निरीक्षण करें। यह एक साधन है,आत्म-परीक्षण का उपकरण, जो हमें बताता है कि हम किस हद तक अपनी आदतों के गुलाम हैं और इस गुलामी को हम कैसे तोड़ सकते हैं।

जीवन बाहर से जितना सरल दिखता है, भीतर उतना ही जटिल, गूढ़ और गहन अनुभवों का संगीत बजता रहता है। हर मनुष्य रोज़ सुबह उठता है, कुछ काम करता है, भोजन करता है, सफ़र करता है, परिवार निभाता है, फिर रात को कुछ थका हुआ-सा सो जाता है और अगला दिन फिर उसी क़दमों पर चलता रहता है। देखने में यह एक सामान्य क्रम है, लेकिन यदि मनन से देखें तो यह क्रम ही धीरे-धीरे हमारी बंदिश बन जाता है। हम सोचते नहीं, करते रहते हैं; महसूस नहीं करते, केवल चलते रहते हैं; जागते नहीं, बस जगते दिखाई देते हैं।

यह सच ह ैकिजो स्वचालित हो गया, ऑटोमेशन मोड में आ गया, वह आधा मृत हो गया क्योंकि आदतन एक ही तरह से रूटीन के सारे काम निपटाते हुए भी हमें दिमाग से कुछ सोचना नहीं पड़ता, कुछ सीखना नहीं पड़ता, बस हम काम निपटाते चले जाते हैं। इसमें आत्म विकास नहीं है, ग्रोथ नहीं है, इवॉल्यूशन नहीं है, क्योंकि जीवन वहीं बहता है जहाँ चेतना प्रवाहित होती है, जहां उपस्थिति है, जहां करुणा और जागरूकता मिलकर वर्तमान क्षण को नवीन बनाते हैं। जब मनुष्य हर कार्य को बिना ध्यान, बिना प्रश्न, बिना अंतर-दर्शन के करता है, तो वह धीरे-धीरे अपने ही जीवन का बोझ ढोने वाला यंत्र बनकर रह जाता है। हमारी रोज़मर्रा की आदतें, वही रास्ता, वही दिनचर्या, वही प्रतिक्रिया, एक प्रकार की आंतरिक जड़ता को जन्म देती हैं। मन कहता है कि यह सब सुविधाजनक है, सहज है, और शायद यह सही भी है, लेकिन इसमें जीवंतता नहीं है। यही कारण है कि गुरुजन कहते हैं कि हम सप्ताह में एक बार, किसी एक कार्य को अलग ढंग से करके देखें। यह उपाय महज़ खेल नहीं है। यह मनुष्य को उसकी जड़ता से बाहर लाने का एक आंतरिक साधना-पथ है। जैसे ध्यान में हम सांसों के आने-जाने को देखते हैं, वैसे ही जीवन में हम अपने कर्मों की स्वचालितता को देखते हैं। जब हम किसी छोटे से कार्य को भी अलग ढंग से करते हैं, तो अचानक भीतर झटके जैसा अनुभव होता है। चेतनापल भर के लिए चौंक जाती है। यही चौंकना ही जागरण की शुरुआत है।

शायद हम सोचेंगे कि आखिर इस छोटे प्रयोग में इतना बड़ा रहस्य क्या है? रहस्य यही है कि जागृति छोटे-छोटे प्रयोगों से आती है, बड़ी क्रांतियों से नहीं। हम जीवन को एक बड़े पर्वत की तरह बदलना चाहते हैं, जबकि पर्वत हर दिन एक-एक कंकड़ से बनता है। मनुष्य की चेतना भी ऐसे ही धीरे-धीरे जागती है, एक छोटे परिवर्तन से, एक छोटे अलग किस्म के अनुभव से। जब हम प्रतिदिन की स्वचालितता को एक पल के लिए रोकते हैं, तब हम एक नये जीवन की शुरुआत करते हैं। जो हम हमेशा करते रहे, उसे एक दिन किसी अलग ढंग से करके हम यह महसूस कर सकते हैं कि हमारी पसंद असल में हमारी नहीं थी, हमारी सीमाएं हमारी नहीं थीं, हमारी प्रतिक्रियाएं हमारी नहीं थीं, वे सब परिस्थितियों, डर, सामाजिक अपेक्षाओं और बीते अनुभवों की देन थीं। जब यह स्पष्ट होता है, तो हम भीतर से हल्के हो जाते हैं। यही हल्कापन आत्मा को आगे बढ़ने की दिशा देता है। यह ध्यान रखना ज़रूरी है कि कामों को अलग ढंग से करने का अभ्यास कोई विद्रोह नहीं है। यह असंतोष पैदा करने का उपकरण नहीं है। यह मन को संतुलित करने, जड़ता को भंग करने और आत्मा की भाषा को सुनने का एक सहज और मधुर साधन मात्र है। ऐसे में हर काम एक खेल हो जाएगा, ध्यान में बदल जाएगा और जीवन में क्रांति की शुरुआत का कारण बनेगा।

हमें लगता है कि हमारी आदतें हमें सुरक्षित रखती हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि यही आदतें हमें कैदी बनाए रखती हैं। आदतें सुविधा देती हैं, पर स्वतंत्रता नहीं। स्वतंत्रता तब जन्म लेती है जब हम अपने मन को चौंकाते हैं, जब हम कुछ ऐसा करते हैं जिसकी हमारे मन को उम्मीद नहीं थी। यह कोई तकनीक नहीं, कोई विधि नहीं, यह एक खेल है, लेकिन यही खेल हमारे भीतर क्रांति लाता है। बस एक दिन के लिए एक निर्णय लें किजो हम हमेशा करते आये हैं आज उसके बिल्कुल उल्टा करेंगे, या कम से कम उसे अलग ढंग से करेंगे। यह झटका आनंद का खेल है और जागरण की शुरुआत है। हमें कोई डर हो तो उसी डरकी विपरीत दिशा में चलें, हमेशा चुपरहते हों तो आज बोलें, हमेशा बोलते हों तो आज चुप रहें। हमेशा व्यवस्थित रहते हों तो आज थोड़ा बिखर जाने दें। मन को झटका चाहिए। मन को किसी ताज़ी हवा की ज़रूरत है, और यह हवा आदतों को तोड़े बिना नहीं आती। जब हम अपने नियमित कामों को अलग ढंग से करना शुरू करदेते हैं तो हमारी प्रतिक्रियाएं बदलती हैं, निर्णय बदलते हैं, मूड बदलता है और अंत में हम बदल जाते हैं।

मानव व्यवहार का एक बड़ा भाग स्वचालित होता है। हम दिनभर में अनगिनत निर्णय लेते हैं, लेकिन उनमें से अधिकांश सचेत नहीं होते, कांशस नहीं होते, वे अवचेतन रूप से स्थापित आदतों के अनुसार चलते हैं। यह स्वचालितता एक गहन तंत्रिका-वैज्ञानिक, न्यूरोबायलॉजिकल प्रक्रिया का परिणाम है। जब कोई व्यवहार बार-बार दोहराया जाता है, तो मस्तिष्क के न्यूरॉन्स आपस में विशेष पैटर्न बनाते हैं। मनोविज्ञान में इस प्रक्रिया को हैब्बियनलर्निंग कहा जाता है। जो न्यूरॉन्स बार-बार एक साथ सक्रिय होते हैं, उनके बीच कनैक्शन मजबूत होते जाते हैं, परिणाम यह होता है कि उस काम को करने में कम ऊर्जा लगने लगती है। इस क्रम को बदलना खेल सरीखा है जो वस्तुतः ध्यान का पहला चरण है और जीवन में क्रांति की शुरुआत है।

अर्थ प्रकाश में 34 साल पहले आज का दिन

सड़क दुर्घटनाओं में तीन मरे

चंडीगढ़। मौत कभी बताकर नहीं आती। ऐसा ही एक हादसा सेक्टर 33 के युवक संजय की बुआ व एक साइकिल सवार के साथ घटा। प्राप्त जानकारी के मुताबिक सेक्टर 33 निवासी सजय अपनी बुआ सीमा रानी को किसी बीमारी की वजह से शहर के पीजीआई में जब चैकअप करवाकर वापसी घर को लौट रहा था तो पिकाडली चौक के निकट एक मारुति कार पीएएच 8102 से टकराने से घायल हो गया। जबकि उनकी बुआ की मौत हो गई।

टैंट हाउसों के बाद केबल टीवी पर भी मनोरंजन कर लगाए जाने का निर्णय

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार राज्य में टैंटों पर दुबारा कर की परिधि में लाने व केवल टीवी तथा वीडियो कैंसेटल लाइब्रेरियों पर दुबारा मनोरंजन कर लगाने पर विचार कर रही है कि इसे आबादी और ग्राहकी के अनुपात पर लगाया जाए या एक मुस्त लगाया जाए। पता चला है कि इसका फैसला आबकारी एवं कराधान विभाग में कर वसूली में आए मदे को लेकर किया गया है। इसे पहले टैंटों पर कर पिछली देवीलाल सरकार के दौरान लगाया गया था और उसकी दर शहर की शहर की आबादी के अनुसार निर्धारित की थी उस समय टैंट मालिक यह कह कर कोर्ट में चले गए थे कि कर खरीद व बेच पर लगना चाहिए न कि किराए पर जाने वाली चिजों पर लेकिन हाईकोर्ट ने सरकार के हक में फैसला दे दिया। इसके बाद टैंट मालिक का एक शिष्ट मंडल आबकारी कराधान मंत्री एसी चौधरी से मिले और अपनी समस्याओं से अवगत करवाया जिससे फैसला लिया गया कि आयकर का भुगतान करने वाले टैंट हाउसों से तीन हजार तथा आयकर न देने वालों से 1500 रुपए प्रति वर्ष विक्रीकर के रूप में वसूला जाएगा। बताया जाता है कि राज्य में करीब 1000 टैंट हाउस आयकर का भुगतान करते है और लगभग 400 टैंट हाउस इस परिधि में नहीं आते जिनसे 1500 रुपए प्रति वर्ष लेना होगा।

ज्ञान सागर : देखें आज के दिन क्या घटा

1232- इल्तुतमिश ने ग्वालियर पर कब्जा किया।
1675- सिख गुरू तेग बहादुर जी को दिल्ली में शहीद किया गया।
1772- नारायण राव सतारा के पेशवा बने।
1921- प्रिंस ऑफ वेल्स ने बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय का उद्घाटन किया।
1921- वाशिंगटन सम्मेलन के दौरान अमेरिका, ग्रेट ब्रिटेन, जापान और फ्रांस के बीच 'फोर पॉवर' संधि पर दस्तखत। इसमें किसी बड़े मसले पर दो सदस्यों में विवाद होने पर चारों देशों से सलाह करने का प्रावधान किया गया।
1937- जापान की सेना ने चीन के साथ युद्ध के दौरान नानजिंग पर कब्जा कर लिया और नानजिंग नरसंहार को अंजाम दिया, जिसमें करीब तीन लाख से ज्यादा चीनियों को मौत के घाट उतार दिया गया।
1955- प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ मनोहर पर्रीकर का जन्म हुआ।
1961- भारत के दौरे पर आई इंग्लैंड की टीम के खिलाफ दिल्ली में खेले गए मैच से मंसूर अली ख़ान पटौदी ने अपने टेस्ट करियर की शुरुआत की ।
1977- माइकल फरेरा ने राष्ट्रीय बिलियर्ड्स चैंपियनशिप में नये नियमों के तहत 1149 अंक का सर्वाधिक ब्रेक लगाया।
1989- देश के पहले मुस्लिम गृह मंत्री मुफ़्ती मोहम्मद सईद की पुत्री को आतंकवादियों के चंगुल से छुड़ाने के लिए पांच आतंकवादियों को जेल से रिहा किया गया।
1995- दक्षिण लंदन के ब्रिक्सटन में पुलिस हिरासत में एक अश्वेत व्यक्ति की मौत के बाद सैकड़ों श्वेत और अश्वेत युवक सड़कों पर उतर आए, तोड़फोड़ की और दुकानों तथा कारों को आग लगा दी।
2001- पांच आतंकवादियों ने भारतीय संसद भवन की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में सेंध लगाकर हमला किया।
2012- नेत्रहीन ट्वेंटी-20 विश्वकप के फ़ाइनल मुकाबले में भारतीय क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को 30 रनों से हराकर विश्व विजेता का खिताब अपने नाम कर लिया।
2020- संस्कृत के विद्वान और डेढ़ सौ किताबों के लेखक विद्यावाचस्पति बन्नांजे गोविंदाचार्य का 85 वर्ष की उम्र में निधन।
2021- भारत की हरजान संधू ने मिस यूनिवर्स 2021 का खिताब अपने नाम किया।
2021- आतंकवादियों ने श्रीनगर के जेवन में सुरक्षा बलो की बस पर गोलीबारी की, दो जवान शहीद हुए और 12 अन्य जख्मी हुए।

बोल ब्यूटीफुल

तवलीन सिंहः अगर राहुल गांधी

चुनाव जीतना चाहते है तो उन्हें तत्काल अपना भाषण लेखक बदल लेना चाहिए। मंगलवार को लोकसभा में अपने संबोधन के दौरान वे खादी से लेकर कांचीपुरम और वोट चोरी के मुद्दों पर फंसते दिखें।

अशोक खेमकाः जब संकट आकार ले रहा था, तब क्या इंडिगो एयरलाइंस का हाइ प्रोफाइल निदेशक मंडल सोया हुआ था? क्या उसकी कोई जिम्मेदारी नहीं बनती? क्या कंपनी के मुनाफे से उन्होंने अपना हिस्सा नहीं लिया? उन्हें इस मुद्दे पर आकर पक्ष रखना चाहिए। मौन से काम नहीं चलने वाला।

शशांक मट्टूः डेमोक्रेट अमेरिका-भारत संबंधों को नुकसान पहुंचाने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का मजाक उड़ा रहे है। वे इन दिनों भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन की तस्वीर वाला एक पोस्टर प्रदर्शित कर रहे है, जिस पर लिखा है ट्रंप की विफल विदेश नीति।

संरक्षा, दायित्व और जन विश्वास- नए अधिनियम से क्या हासिल होगा

दैनिक अर्थ प्रकाश

जनता का विश्वास हमेशा से भारत के परमाणु कार्यक्रम की आधारशिला रहा है। देश के सतत, समतापूर्ण और ऊर्जा-सुरक्षित विकास के दृष्टिकोण में यह आधार निहित है कि परमाणु ऊर्जा का उपयोग अत्यधिक संरक्षा, निर्विवाद उत्तरदायित्व और पारदर्शी संचार के साथ किया जाए। संरक्षा, दायित्व और जन विश्वास के स्तंभ केवल अमूर्त आदर्श नहीं हैं; ये भारत के परमाणु उद्योग के व्यावहारिक आधार हैं।

जैसे-जैसे हम परमाणु ऊर्जा के लिए एक नए विधायी ढाँचे पर विचार कर रहे हैं, यह पूछना ज़रूरी है कि यह नए अधिनियम से क्या हासिल होगा? मेरे विचार से, इसका उत्तर इन्हीं आधारों को मज़बूत करने में निहित है। इस कानून से अपेक्षा है कि यह जनता के विश्वास से समझौता किए बिना संरक्षा और सशक्तिकरण प्रदान करे, सरलीकरण और सुरक्षा प्रदान करे, नवाचार को प्रोत्साहित करे।

संरक्षा - पूर्णता की संस्कृति को संस्थागत बनानाः परमाणु प्रौद्योगिकी में संरक्षा डिज़ाइन का एक अनिवार्य अंग ही नहीं, बल्कि यह इसका मूल दर्शन होना चाहिए। ट्रॉम्बे में भारत के पहले अनुसंधान रिएक्टरों से लेकर स्वदेशी 700 मेगावाट दाबित भारी पानी रिएक्टरों और अगली पीढ़ी के प्रगत रिएक्टरों तक, डिज़ाइन हमेशा गहन संरक्षा और निश्चेष्ट संरक्षा विशेषताओं द्वारा निर्देशित रही हैं।

जब हमने प्रगत भारी पानी रिएक्टर (AHWR) की कल्पना की थी, तो हमारा लक्ष्य न केवल थोरियम के उपयोग को प्रदर्शित करना था, बल्कि यह भी प्रदर्शित करना था कि एक रिएक्टर इसके ऑपरेटर के हस्तक्षेप के बिना भी सुरक्षित रह सकता है ङ्क एक ऐसी डिजाइन जो स्वतः सुरक्षित (walk-away safe) हो। वास्तव में, संरक्षा परमाणु ऊर्जा परिनियोजन का एक अभिन्न अंग है।

नए अधिनियम को, निश्चित रूप से, यह गारंटी देनी चाहिए कि संरक्षा-संस्कृति जारी रहे। इसे उच्चतम संरक्षा मानकों के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करनी चाहिए और नियामक संस्थानों की स्वायत्तता, अधिकार और जवाबदेही को मजबूत करना चाहिए। इसे आवश्यकतानुसार प्रौद्योगिकी उन्नयन और पारदर्शी संरक्षा समीक्षाओं को प्रोत्साहित करना चाहिए। इसे प्रचालन प्रदर्शन पर सूचना के आदान-प्रदान को भी बढ़ावा देना चाहिए। किसी भी उद्योग में विशेषकर परमाणु ऊर्जा के मामले में तो और भी ज़्यादा, संरक्षा एक स्थिर लक्ष्य नहीं है। इसे एक ऐसी संस्कृति के रूप में देखा जाना चाहिए जिसका निरंतर पोषण किया जाना चाहिए। ख़ास तौर पर परमाणु पारिस्थितिकी तंत्र के मामले में, इस संस्कृति को एक संस्थागत फ्रेमवर्क के ज़रिए मज़बूत किया जाना चाहिए।

दायित्व - स्पष्टता के साथ उत्तरदायित्व सुनिश्चित करनाः नाभिकीय क्षति के लिए असैन्य दायित्व अधिनियम (सीएलएनडी अधिनियम) एक अग्रणी कदम रहा है जिसने तीन महत्वपूर्ण हितों को संतुलित किया है- जनता की संरक्षा, आपूर्तिकर्ताओं को आश्वासन और ऑपरेटरों का विश्वास। इसने दोष-रहित दायित्व सिद्धांत को प्रतिपादित किया और यह सुनिश्चित किया कि ऑपरेटर की जिम्मेदारी स्पष्ट और निर्देशित रहे।

ऊर्जा परिदृश्य और औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र के विकास ने संबंधित संस्थाओं की देनदारियों पर अधिक स्पष्टता को आवश्यक बना दिया है। इस तरह के संशोधन किसी भी परिपक्व क्षेत्र की स्वाभाविक प्रगति का हिस्सा हैं, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि शासन का फ्रेमवर्क वैज्ञानिक प्रगति और सामाजिक अपेक्षाओं के साथ तालमेल बनाए रखे।

नए अधिनियम को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शासन का फ्रेमवर्क निष्पक्ष, स्पष्ट हो और संदेह रहित बना रहे,

साथ ही जवाबदेही की एक सुपरिभाषित श्रृंखला भी बनाए रखे। इसे यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि दायित्व का मूल्यांकन करने की व्यवस्था देश में परमाणु तैनाती की सीमा और पैमाने के अनुरूप हो। एक आधुनिक दायित्व व्यवस्था को इस बात की पुष्टि करनी चाहिए कि संरक्षा और ज़िम्मेदारी विकास के साथ-साथ चलती हैं।

जन विश्वास - प्रगति की आधारशिलाः दुनिया भर में परमाणु उद्योग के उत्कृष्ट संरक्षा रिकॉर्ड के बावजूद, परमाणु ऊर्जा के प्रति जनता का दृष्टिकोण अक्सर वैज्ञानिक तथ्यों की तुलना में धारणाओं से अधिक प्रभावित होता रहा है। कुछ साल पहले मैंने जिस पुस्तक का सह-लेखन किया था, 'द अनरीज़न्ड फियर ऑफ़ रेडिएशन', ऐसी ही भ्रांतियों को दूर करने का एक प्रयास था। यह पुस्तक बताती है कि नियंत्रित और सुव्यवस्थित वातावरण में विकिरण, किसी भी अन्य तकनीक जितना ही सुरक्षित है जिसका उपयोग हम अपने दैनिक जीवन में नियमित रूप से आत्मविश्वास से करते हैं।

जनता का विश्वास केवल पारदर्शिता और जनता के साथ संवाद के माध्यम से ही अर्जित किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, जब नागरिक देखते हैं कि परमाणु विज्ञान रेडियोथेरेपी के माध्यम से जीवन बचा रहा है, उत्परिवर्तन प्रजनन के माध्यम से फसलों को बढ़ा रहा है या विकिरण शुद्धिकरण के माध्यम से सुरक्षित जल उपलब्ध करा रहा है, तो वे परमाणु ऊर्जा के मानवीय पहलू से जुड़ने लगते हैं। परमाणु ऊर्जा विभाग में अपने कार्यकाल के दौरान, हमने नई आउटरीच रणनीतियों की शुरुआत करके इस दिशा में कई प्रयास किए, जिसके परिणामस्वरूप 2015 की गणतंत्र दिवस परेड में परमाणु ऊर्जा विभाग की झांकी प्रदर्शित की गई और प्रसारण व सोशल मीडिया पर उपस्थिति दर्ज कराई गई। ये कदम दिखावटी नहीं थे; इनका उद्देश्य विज्ञान और समाज के बीच की दीवार को हटाना था।

यदि नया अधिनियम नागरिकों के साथ खुले संवाद को बढ़ावा दे पाता है, तो यह समाज के साथ विज्ञान के सामाजिक संबंधों को पुनर्परिभाषित करेगा। ऐसा करके, यह हमारे चिरस्थायी आदर्श वाक्य- राष्ट्र की सेवा में परमाणु, की भावना को साकार करेगा।

नए अधिनियम से यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि इस प्रकार के संदेश सार्वजनिक प्रकटीकरण को अनिवार्य बनाएं, शैक्षिक जागरूकता को प्रोत्साहित करें तथा नागरिकों के साथ संवाद को संस्थागत कार्य प्रणाली का अभिन्न अंग बनाएं।

नए अधिनियम में क्या गारंटी होनी चाहिएः यदि 1962 के प्रथम परमाणु ऊर्जा अधिनियम ने क्षमता निर्माण के मूल मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया था, तो नए अधिनियम का उद्देश्य आत्मविश्वास बढ़ाना और परमाणु प्रौद्योगिकी की बड़े पैमाने पर तैनाती करना होना चाहिए। इसमें उस राष्ट्र की परिपक्वता प्रतिबिंबित होनी चाहिए जिसने जटिल तकनीकों में महारत हासिल की है और जिम्मेदार आचरण के माध्यम से वैश्विक सम्मान अर्जित किया है। नए अधिनियम को विज्ञान और समाज के बीच पारस्परिक आश्वासन की यह गारंटी देनी चाहिए कि-

संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी, दायित्व (देनदारियां) हमेशा न्यायसंगत और पारदर्शी रहेगा, और जनता का विश्वास हर निर्णय के केंद्र में रहेगा। जब ये गारंटियां न केवल कानून में, बल्कि संस्थागत व्यवहार में भी निहित होंगी, तो भारत का परमाणु भविष्य सुदृढ़ आधार पर खड़ा होगा।

विकसित भारत की ओर बढ़ते कदमः भारत के परमाणु कार्यक्रम के लिए यह एक परिवर्तन का दौर है। बड़े विद्युत संयंत्रों के अलावा, छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर और प्रगत थोरियम प्रणालियाँ परमाणु ऊर्जा की पहुंच का विस्तार करेंगी। इसलिए नए अधिनियम को एक ऐसे फ्रेमवर्क की गारंटी देनी चाहिए जो प्रौद्योगिकियों के तेज़ उपयोग को सुगम बनाए और साथ ही स्वदेशी अनुसंधान एवं विकास तथा विनिर्माण को प्रोत्साहित करे। इसमें नियामकों, प्रचालकों और उद्योग के बीच निर्बाध समन्वय और भविष्य के नवाचारों को शामिल करने के लिए लचीलापन सुनिश्चित करना चाहिए।

संक्षेप में, नए अधिनियम को परमाणु पुनर्जागरण के लिए एक अनुकूल पृष्ठभूमि तैयार करनी चाहिए जो भारत में जलवायु लक्ष्यों और विकसित भारत @2047 बनने की राह में स्वच्छ-ऊर्जा के क्षेत्र में भारत को विश्व का अग्रणी देश बनने की आकांक्षाओं के अनुरूप हो।

लेखकः डा. रतन कुमार सिन्हा,
पूर्व सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग एवं
पूर्व अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग

हिमाचल प्रदेश जनजातीय सलाहकार परिषद की 50वीं बैठक आयोजित

सरकार के सतत प्रयासों से समृद्धि व सम्पन्नता की नई तस्वीर : सीएम

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज हिमाचल प्रदेश जनजातीय सलाहकार परिषद् की 50वीं बैठक की अध्यक्षता की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा अनुसूचित क्षेत्रों में परिवहन क्षेत्र के माध्यम से आजीविका के अवसर प्रदान करने के लिए बस और ट्रेवलर वाहनों की खरीद पर पात्र युवाओं को 40 प्रतिशत तक सब्सिडी तथा स?क कर पर चार माह की छूट प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार रोजगार व स्वरोजगार के अवसर सृजित करने को विशेष अधिमान दे रही है। जनजातीय इलाकों में सौर ऊर्जा क्षेत्र में स्वरोजगार के अवसर सृजित करने के लिए सरकार निजी क्षेत्र में 250 किलोवाट से एक मेगावाट तक की सौर परियोजना स्थापित करने के लिए ब्याज उपदान प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को बर्फबारी वाले क्षेत्रों में विकास कार्यों की टेंडर प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए ताकि मार्च-अप्रैल माह में स्थिति सामान्य होने पर निर्माण कार्य आरम्भ कर उन्हें शीघ्र पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा कि पांगी और स्पीति में विद्युत आपूर्ति से संबंधित समस्याओं के स्थाई समाधान के लिए पांगी के धनवास में 1.2 मेगावाट तथा स्पीति के रोंगटोंग में 2 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्रों को शीघ्र ही कार्यशील किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार कैलाश मानसरोवर यात्रा शिपकी-ला से शुरू करने के लिए प्रयासरत है और इस मामले को केन्द्र सरकार के समक्ष प्रमुखता से उठाया गया है। चीन अधिकृत तिब्बत में भी व्यापारिक गतिविधियां शुरू करने के लिए प्राथमिकता से कार्य किया जा रहा है। प्रदेश सरकार के सतत प्रयासों से हिमाचल प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में अभूतपूर्व विकास हुआ है। आज जनजातीय क्षेत्र दूसरे भागों से अधिक सम्पन्न और समृद्ध है। हमारे जनजातीय क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति आय का औसत प्रदेश के अन्य जिलों से अधिक है। इन क्षेत्रों में न केवल आर्थिक सम्पन्नता है बल्कि सामाजिक दृष्टि से भी ये क्षेत्र प्रदेश में अग्रणी हैं। इन क्षेत्रों में जन्म के समय लिंगानुपात प्रदेश के अन्य भागों से अच्छा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश, विशेषकर जनजातीय क्षेत्रों में महिलाओं के अधिकारों के संरक्षण के लिए प्रदेश सरकार कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि निगुल सरी में स?क अक्सर बाधित होती है, वहां नई स?क का निर्माण किया जाएगा। किन्नौर जिला में लोगों को निर्बाध सम्पर्क सुविधा प्रदान करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा दृढ़ प्रयास किए जा रहे हैं।

जनजातीय क्षेत्रों में नौतो? स्वीकृत करने की मांग प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। इस पर राज्य मंत्रिमंडल ने स्वीकृति प्रदान कर राज्यपाल के अनुमोदन के लिए प्रस्ताव भेजा है। अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परम्परागत वनवासी अधिनियम-2006 के तहत सितम्बर, 2025 तक 1,039 पट्टे वितरित किए जा चुके हैं। जनजातीय क्षेत्र किन्नौर और स्पीति के लोगों की सुविधा के लिए रामपुर में जनजातीय भवन का निर्माण कार्य प्रगति पर है। नूरपुर जनजातीय भवन शीघ्र ही लोगों की सुविधा के लिए समर्पित किया जाएगा।

पांगी घाटी राज्य का पहला प्राकृतिक खेती उपमंडल

पांगी घाटी को राज्य का पहला प्राकृतिक खेती उपमंडल घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित क्षेत्रों को अधिमान देते हुए फरवरी, 2024 को, स्पीति से इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख-सम्मान निधि योजना आरम्भ की गई है। उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में समुचित शैक्षणिक संस्थान, दो क्षेत्रीय अस्पताल, 6 नागरिक अस्पताल, 5 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 46 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, 3 आयुर्वेदिक अस्पताल, 73 आयुर्वेदिक डिस्पेंसरियां, 48 पशु चिकित्सालय, 118 पशु औषधालय, 5 भेड़ एवं ऊन प्रजनन विस्तार केन्द्र स्थापित हैं। जनजातीय क्षेत्रों में 3,148 किलोमीटर मोटर योग्य सड़कों का निर्माण किया जा चुका है, जिनमें से 61 प्रतिशत पक्की सड़कें हैं। बैठक में जनजातीय क्षेत्रों के विकास से सम्बन्धित विभिन्न विकासात्मक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में विकास के मामले में कोई भी कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बागवानी एवं जनजातीय विकास मंत्री जगत सिंह नेगी ने कहा कि प्रदेश सरकार जनजातीय क्षेत्रों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। जनजातीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम 2025-26 के लिए 638.73 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

सहकारिता ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिक धुरी है : प्रो. धूमल

अर्थ प्रकाश/शिल्पा शर्मा

हमीरपुर, 12 दिसम्बर। हमीरपुर सहकारिता विकास संघ के नवनिर्वाचित छह निदेशकों ने आज पूर्व मुख्यमंत्री प्रो. प्रेम कुमार धूमल से उनके समीरपुर स्थित निवास पर औपचारिक भेंट की। इस प्रतिनिधिमंडल में लगातार तीसरी बार चुने गए निदेशक मंडल के अध्यक्ष यशवीर पटियाल, उपाध्यक्ष सुशील ठाकुर सहित अन्य निदेशक उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष राकेश ठाकुर, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य देशराज शर्मा, तथा पार्टी समर्थक भी उपस्थित थे।

निदेशक मंडल ने प्रो. धूमल से संगठन के भविष्य के रोडमैप एवं विस्तार को लेकर मार्गदर्शन प्राप्त किया। यशवीर पटियाल ने बताया कि प्रो. धूमल के कार्यकाल में सहकारिता क्षेत्र को सुदृढ़ करने के लिए कई महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय लिए गए। चाहे बहुद्देशीय सहकारी समितियों को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ना हो, किसानों व ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए सहकारी ढांचे का विस्तार करना हो, या सहकारी बैंकों व संघों को वित्तीय रूप से सक्षम बनाने की बात हो - प्रो. धूमल की नीतियों ने हमीरपुर सहकारिता विकास संघ को स्थिरता और विकास की दिशा में नई पहचान दिलाई।

केके पंत ने जियोडेटिक एसेट्स रजिस्टर और जियोडेटिक मैप का विमोचन किया

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला। अतिरिक्त मुख्य सचिव राजस्व के.के. पंत ने आज यहां भू-स्थानिक निदेशालय पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीग? के निदेशक गौरव कुमार सिंह द्वारा प्रस्तुत हिमाचल प्रदेश के जियोडेटिक रजिस्टर और जियोडेटिक मैप का विमोचन किया।

प्रदेश के जियोडेटिक अधोसंरचना को इस रजिस्टर में छः श्रेणियों में बांटा गया है, जिसमें सतत संचालन संदर्भ स्टेशन (कन्टीन्यूस ऑप्रेटिंग रैफ्रेंस स्टेशनज), ग्रेट ट्रिग्नोमैट्रिक सर्वे स्टेशनज, ग्राउंड कन्ट्रोल प्वायंट्स, मैग्नेटिक रैफ्रेंस स्टेशनज, ग्रैविटी रैफ्रेंस स्टेशनज और लैवलिंग बैंच मार्क शामिल हैं।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि जियोडेटिक रजिस्टर के अलावा हिमाचल प्रदेश के जियोडेटिक एसेट्स मानचित्र को तैयार किया गया है जिसमें प्रदेश के एसेट्स के बारे में बताया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की भौगोलिक स्थितियों के दृष्टिगत जियोडेटिक एसेट्स रजिस्टर और मैप की महत्त्वपूर्ण भूमिका होगी। हिमाचल प्रदेश आपदा के दृष्टिगत एक संवेदनशील राज्य है। यह रजिस्टर और मैप प्रभावशाली आपदा न्यूनीकरण योजनाएं बनाने में सहायक साबित होंगे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार पर्यावरण अनुकूल अधोसंरचना के निर्माण को प्राथमिकता प्रदान कर रही है। इसके दृष्टिगत यह रजिस्टर पर्यावरण अनुकूल और सुनियोजित अधोसंरचना निर्माण में भी मददगार साबित होंगे। प्रदेश में वैज्ञानिक अनुसंधान और योजना क्षेत्र में भी यह मील पत्थर साबित होंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में राजस्व विभाग द्वारा आधुनिक तकनीकों का व्यापक स्तर पर उपयोग किया जा रहा है।

विदेश में रोजगार का सुनहरा मौका, 15 को आएं रोजगार कार्यालय

ऊना (रोहित शर्मा)। विदेश में रोजगार पाने वाले इच्छुक युवा 15 दिसम्बर को सुबह 10 बजे ज़िला रोज़गार कार्यालय में उपस्थित हो सकते हैं। यह जानकारी देते हुए ज़िला रोज़गार अधिकारी ऊना अक्षय शर्मा ने बताया कि श्रम एवं रोजगार विभाग तथा एचपीएसइडीसी के संयुक्त तत्वावधान में मैसर्ज जेएसडीसी ग्रुप ऑफ़ कम्पनीज़ द्वारा संयुक्त अरब अमीरात में पुरुष अभ्यर्थियों के डिलीवरी राइडर्स और वेयर हाऊस पिकर्स में विभिन्न पद भरे जाने है।

इन पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम 10वीं पास तथा बेसिक इंग्लिश का ज्ञान आवश्यक है। अभ्यर्थियों की आयु 20 से 37 वर्ष के बीच होनी चाहिए। रंग दृष्टि-दोष तथा गर्दन और मुंह पर टैटू नहीं होना चाहिए। उन्होंने बताया कि चयनित अभ्यर्थियों को 2500 एडी मासिक वेतन, प्रतिदिन 10 घंटे ड्यूटी तथा सप्ताह में 6 दिन कार्य करना होगा।

ऊना सट्टा बाजार में करोड़ों का कारोबार, आम जनता के घर तबाह

सट्टा कारोबारियों से महीना बंधवाकर अवैध लेन-देन में शामिल हो सकते हैं

अर्थ प्रकाश/रोहित शर्मा

ऊना। जिले में सट्टा (ऑनलाइन सट्टा) कारोबार दिनों-दिन जड़ें गहरा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार यह अवैध व्यापार अब करोड़ों रुपये के दांव-पेंच पर चल रहा है, जिससे कई परिवार आर्थिक रूप से तबाह हो चुके हैं।

सूत्रों का दावा : सट्टा कारोबार से कथित सांठगांठ, पुलिस कर्मियों पर उठे सवाल – उच्चस्तरीय जाँच की माँग तेज़

स्थानीय सूत्रों से मिली अप्रमाणित जानकारी के अनुसार जिले में कुछ पुलिस कर्मचारियों पर यह आरोप सामने आया है कि वे कथित तौर पर सट्टा कारोबारियों से महीना बँधवाकर अवैध लेन-देन में शामिल हो सकते हैं ?। इतना ही नहीं, आरोप यह भी है कि इस कड़ी को मजबूत रखने के लिए कुछ बिचौलिए (टाउट) भी सक्रिय बताए जा रहे हैं, जो कथित रूप से अवैध रकम की वसूली और पहुँच का काम संभालते हैं।

इन आरोपों की पुष्टि आधिकारिक रूप से नहीं हुई है, लेकिन लगातार बढ़ती चर्चाओं और स्थानीय लोगों की चिंताओं को देखते हुए अब उच्चस्तरीय, निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच की मांग तेज़ हो गई है। नागरिकों का कहना है कि यदि इनमें ज़रा-सी भी सच्चाई है तो यह कानून-व्यवस्था के साथ बहुत बड़ा खिलवाड़ है, और जनता के भरोसे के खिलाफ गंभीर मामला है।

पुलिस प्रशासन से अपेक्षा की जा रही है कि इन गंभीर आरोपों पर तत्काल संज्ञान लेते हुए–तथ्यों की पड़ताल, अंदरूनी जाँच और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई– सुनिश्चित की जाए, ताकि विभाग की छवि और जनता का विश्वास दोनों सुरक्षित रह सकें।

सट्टा कारोबार पर रोजाना करोड़ों रुपये का दांव लगाया जा रहा है। मौका-वश कुछ लोगों को बड़ी राशि मिल जाती है, जबकि 100 में से 1 नंबर निकलता है और बाकी लोग अपनी मेहनत की कमाई गंवा बैठते हैं। सट्टे के चलते कई परिवार ऋण के बोझ में दब गए हैं और उनको सामाजिक व मानसिक परेशानियाँ झेलनी प? रही हैं।

पुलिस व पंचायत की ढुलमुल कार्रवाई स्थानीय निवासी शिकायत करते हैं कि पुलिस की कार्रवाई सतही है – कभी-कभी छापेमारी कर केवल 500 या 2,000, 4000 रुपये का चालान किया जाता है और मामला पंचायत को सौंप दिया जाता है। पंचायत स्तर पर भी मामले का निवारण औपचारिकता में कर दिया जाता है – मामूली जुर्माने (50,100, या 200 रुपये) के बाद मामला शांत कर दिया जाता है। इससे सट्टा संचालक निर्बाध रूप से सक्रिय बने हुए हैं। पुलिस विभागीय सूत्रों से पता चला है की अप्रैल से अब तक 160 चालान और 830000 तक का रुपया बरामद हुआ।

स्थानीयों नागरिकों की नाराज़गी और मांग है कि यदि प्रशासन ने सख्त कदम नहीं उठाए तो यह अवैध कारोबार समय के साथ और फैल जाएगा। वे मांग करते हैं- सट्टे के पूरे नेटवर्क की पड़ताल कर कड़े कानून के तहत कार्रवाई हो

निष्कर्ष ऊना में सट्टा गतिविधि सिर्फ आर्थिक अपराध नहीं रह गई

यह सामाजिक और पारिवारिक जीवन को भी प्रभावित कर रही है। स्थानीयों लोगों का कहना है कि सिर्फ दिखावटी कार्रवाई से काम नहीं चलेगा; दीर्घकालिक और सख्त कानूनी कदम उठाने होंगे ताकि इस घातक व्यापार को जड़ से खत्म किया जा सके। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ऊना सुरेंद्र शर्मा ने कहा कि पुलिस सट्टा कारोबारी पर नजर रखे हुए हैं और उनका चालान और जुर्माना भी किया जाता है ।

न्यूज ब्रीफ

सीएम ने शिवराज पाटिल के निधन पर शोक व्यक्त किया

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने पूर्व लोकसभा अध्यक्ष एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री शिवराज पाटिल के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उनका निधन आज सुबह महाराष्ट्र के लातूर में हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिवराज पाटिल एक महान सांसद और प्रखर राजनीतिज्ञ थे। उन्होंने कहा कि शिवराज पाटिल ने अलग-अलग पदों पर रहते हुए देश सेवा की और अपना सम्पूर्ण जीवन लोगों की भलाई के लिए समर्पित किया। उन्होंने पार्टी में अलग-अलग पदों पर रहते हुए कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने में भी उल्लेखनीय भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

ग्रीन मेन किशन लाल यूरेशिया अफ्रो ग्लोबल अवार्ड 2025 से सम्मानित

कुल्लू 12 दिसंबर (अशेष शर्मा)। यूरेशिया अफ्रो ग्लोबल कॉन्क्लेव 2025 का आयोजन नई दिल्ली में धूमधाम से हुआ। इस अवसर पर देश की उन महान विभूतियों को यूरेशिया अफ्रो ग्लोबल अवार्ड से सम्मानित किया गया जिन्होंने समाज में वेहतरीन कार्य किया हो। इसी क?ी में मनाली के प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण विद किशन लाल को भी इस अवार्ड से सम्मानित किया गया। यूरेशिया अफ्रो मानवाधिकार, हरित अर्थव्यवस्था और निवेश कूटनीति पर आधारित है। यूरेशिया अफ्रो चैंबर ऑफ कॉमर्स, नई दिल्ली, भारत की ओर से किशन लाल का चयन हुआ था। आयोजकों ने इस अवसर पर कहा कि हमें यूरेशिया अफ्रो ग्लोबल कॉन्क्लेव 2025 के सभी विशिष्ट पुरस्कार विजेताओं को यह पुरस्कार देते हुए हर्ष की अनुभूति हो रही है। यह प्रतिष्ठित आयोजन यूरेशिया और अफ्रीका में एक स्थायी और सहयोगात्मक भविष्य को आकार देने के लिए प्रतिबद्ध वैश्विक नेताओं, राजनयिकों, नवप्रवर्तकों और मानवाधिकार अधिवक्ताओं को एक साथ लाता है। वहीं ग्रीन मेन किशन लाल ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पुरस्कार उन लोगों को मिलता है जिन्होंने समाज में वेहतरीन कार्य जैसे पर्यावरण के क्षेत्र में,पौध रोपण, साहसिक कार्य और अन्य ऐसे कार्य किए हो जिससे समाज को प्रेरणा मिली हो उन्हें मिलते हैं।

साडा क्षेत्र मणिकरण में संशोधित यूज़र चार्जेज लागू

कुल्लू 12 दिसंबर। विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण के चेयरमैन एवं विधायक कुल्लू, सुन्दर सिंह ठाकुर ने बताया कि विशेष क्षेत्र मणिकरण एवं आसपास के क्षेत्रों में कूड़ा संग्राहण हेतु पूर्व आदेश के स्थान पर अब यूज़र चार्जेज़ के संशोधित दरों को लागू कर दिया गया है। उक्त निर्णय साडा मणिकरण की 20 नवम्बर 2025 को आयोजित साधारण सभा में सर्वसम्मति से पारित किया गया, जिसके तहत पर्यावरण संरक्षण, कचरा निस्तारण की प्रभावी व्यवस्था तथा अवसंरचना सुदृढ़ीकरण के उद्देश्य से संसाधन जुटाए जाने हैं। इस क्षेत्र में संशोधित मासिक यूज़र चार्जेज़ प्रतिमाह निम्नानुसार निर्धारित किए गए हैं।

मंडी संकल्प रैली रही पूरी तरह विफल : भाजपा

अर्थ प्रकाश/शिल्पा शर्मा

हमीरपुर। भारतीय जनता पार्टी जिला हमीरपुर ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार द्वारा आयोजित मंडी संकल्प रैली को पूर्णत: असफल बताया है। जिला भाजपा ने इसे जनता के बीच अपनी विफलताओं को छुपाने का एक असफल प्रयास करार देते हुए, इस तरह के जश्न मनाने की कड़ी निंदा की है।

जिला भाजपा ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार द्वारा भाजपा वाली केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को भी जबरन भीड़ के रूप में रैली स्थल तक ले जाया गया। कांग्रेस नेताओं द्वारा जनता को सरकारी सुविधाओं का लाभ बंद होने के डर से बुलाया गया, जो लोकतांत्रिक मूल्यों का सीधा उल्लंघन है। जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू ने फिर एक बार जनता के सामने तथ्यों को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत किया। उन्होंने याद दिलाया कि कांग्रेस ने अपने चुनाव घोषणा पत्र में दूध ?100 प्रति किलोग्राम खरीदने की गारंटी दी थी, परंतु अब मुख्यमंत्री स्वयं कह रहे हैं कि सरकार स्थानीय उत्पादकों से मात्र ?51 प्रति किलोग्राम पर दूध खरीद रही है। यह जनता के साथ बड़ा छल है।

इसके अलावा कांग्रेस ने प्रति वर्ष 1 लाख सरकारी नौकरियां देने का वादा किया था, लेकिन अब तक तीन वर्षों में कितनी नौकरियां दी गईं, इसका कोई श्वेत पत्र सीएम सुक्खू प्रस्तुत नहीं कर पाए। ठाकुर ने कहा कि यह सभी गारंटियों की असलियत को उजागर करता है।

उन्होंने सवाल उठाया कि मुख्यमंत्री तो अपने भाषण के साथ-साथ अपने द्वारा दी गई गारंटियों के अनुपालन के आंक? भी जनता के सामने रखने चाहिए थे। उन्होंने कहा कि वृद्धावस्था पेंशन में बढ़ोतरी, स्टार्टअप सहायता, महिला सुरक्षा और रोजगार सृजन जैसी गारंटियों पर सरकार की नाकामी के मुद्दे पूरे प्रदेश भर में चर्चा का विषय बने हुए हैं, जिन पर मुख्यमंत्री एक भी संतोषजनक आंकड़ा पेश नहीं कर सके।

वहीं, भाजपा जिला कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा ने कहा कि सुक्खू सरकार के राज में प्रदेश का ख़ज़ाना तेजी से खाली हो रहा है। राज्य सरकार कर्ज लेने के नए रिकॉर्ड बना रही है, जबकि मुख्यमंत्री मंच से दो वर्षों में प्रदेश की किस्मत बदलने की बात कर रहे हैं, लेकिन इसके लिए कोई ठोस रोडमैप प्रस्तुत नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि पेंशनधारकों को समय पर पेंशन नहीं मिल रही, और केंद्र सरकार की विकासात्मक योजनाओं एवं आपदा राहत राशि को भी राज्य सरकार वेतन व अन्य खर्चों में लगा रही है, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।

हाईकोर्ट के आदेशों की पालना किए जाने को लेकर जिलाधीश से मिले ग्रामीण

अर्थ प्रकाश/रोहित शर्मा

ऊना। ऊना के महाल लाल सिंगी गावं के ग्रामीणों ने इकट्ठे होकर हाईकोर्ट के आदेशों की पालना किए जाने को लेकर ष्ठष्ट को सोपा ज्ञापन। गांव में हाई कोर्ट के अगले आदेश आने तक सेल परचे? डीमार्केशन और पार्टीशन पर रोक लगाऐ जाने की लगाई गुहार ।

जिला ऊना के महाल लाल सिंगी के गांव के ग्रामीण आज इकट्ठे होकर डीसी जतिनलाल से मिले उन सभी ने आज इकट्ठे होकर डीसी ऊना को एक ज्ञापन दिया है । जिसमें उन्होंने यह बताया है की उनके गांव की 170 कनाल जमीन रेवेन्यू डिपार्टमेंट द्वारा कागजों में कम कर दी गई है जबकि ग्रामीणों का 170 कनाल जमीन पर कब्जा है ग्रामीणों के साथ न्याय नहीं किया गया है उनकी जमीन पर जबरन कब्जे भी किया जा रहे हैं ।उन्होंने कहा है की जमीन की सेल परचेस तहसीलदार के जरिए होती है इसलिए उन्होंने डीसी को ज्ञापन सौंप कर हाई कोर्ट के अगले आदेश आने तक गांव की जमीन में सेल परचेस डीमार्केशन पार्टीशन यह सब बंद किए जाने की मांग की है ।ग्रामीणों के मुताबिक डीसी ने तहसीलदार को हाई कोर्ट के आदेशों की पालना करने को कहा है।

यातायात यातायात को सुचारू व सुगम बनाने को लेकर डीसी ने जारी किए आदेश

गगरेट और दौलतपुर चौक में नो पार्किंग और नो वेंडिंग जोन घोषित

अर्थ प्रकाश/रोहित शर्मा

ऊना। जिला प्रशासन ने उपमंडल गगरेट के अंतर्गत नगर पंचायत गगरेट और नगर पंचायत दौलतपुर चौक में यातायात व्यवस्था को बेहतर करने के लिए नो पार्किंग और नो वेंडिंग जोन घोषित किए हैं।

उपायुक्त ऊना जतिन लाल ने मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 115 और 117 के तहत वाहनों के उपयोग, पार्किंग और ठहराव से संबंधित आदेश जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि यह निर्णय सार्वजनिक स?कों पर अवैध पार्किंग, अनियंत्रित वेंडिंग और इससे उत्पन्न होने वाली यातायात बाधाओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

इन आदेशों का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में सुचारू यातायात, जन-समुदाय की सुरक्षा, तथा स्थानीय किसानों और वेंडर्स के हितों की रक्षा सुनिश्चित करना है, ताकि सभी को बेहतर, सुरक्षित और व्यवस्थित आवागमन उपलब्ध हो सके। आदेशों के मुताबिक होशियारपुर-गगरेट-मुबारिकपुर सड़क पर गगरेट बस स्टैंड से आर्मी ग्राउंड तक लगभग 700 मीटर के हिस्से को नो पार्किंग और नो वेंडिंग जोन बनाया गया है। यात्रियों के चढ़ने-उतरने के लिए बसें गगरेट बस स्टैंड और आर्मी ग्राउंड गगरेट के सामने स्थित बस स्टॉपेज पॉइंट का उपयोग करेंगी। आर्मी ग्राउंड गगरेट स्थित स्टॉपेज पॉइंट पर एक समय में केवल एक बस को ही रुकने की अनुमति है, जिसकी अवधि 5 मिनट से अधिक नहीं होगी।

वहीं, दौलतपुर-गगरेट-ऊना रोड पर हिमालयन मेडिकल स्टोर से केसीसी बैंक शाखा गगरेट तक लगभग 400 मीटर का यह हिस्सा स?क के दोनों ओर पार्किंग और वेंडिंग के लिए निषेध किया गया है। बसें यात्रियों को च?ने और उतारने के लिए सीएचसी गगरेट के पास हिमालयन मेडिकल स्टोर के सामने और केसीसी बैंक गगरेट के सामने स्थित निर्धारित स्टॉपेज पॉइंट का उपयोग करेंगी। एक समय में एक ही बस को स्टॉपेज पॉइंट पर रुकने की अनुमति है, जो 5 मिनट से अधिक नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने बताया कि गगरेट बा?ार में आने वाले दो पहिया और चार पहिया वाहनों के लिए पार्किंग जोन बनाए गए हैं। इनमें एसडीएम कार्यालय के नजदीक आर्मी ग्राउंड गगरेट में फ्री पार्किंग की व्यवस्था उपलब्ध रहेगी। वहीं, रेस्ट हाउस रोड गगरेट के साथ नगर पंचायत पार्किंग -। पर पेड पार्किंग तथा बस स्टैंड पर नगर पंचायत पार्किंग -।। में पार्किंग की व्यवस्था पूर्णतः निःशुल्क रहेगी। इसके साथ ही, वार्ड नंबर 5 ब्लॉक क्वार्टर्स के नजदीक पशुपालन की पार्किंग पूर्णतः फ्री रहेगी। जतिन लाल ने बताया कि मुबारिकपुर-दौलतपुर चौक-तलवाडा रोड पर दौलतपुर बस स्टैंड से ढोलवाहा चौक तक लगभग 1 किलोमीटर के क्षेत्र को नो पार्किंग और नो वेंडिंग जोन बनाया गया है। साथ ही, बसें यात्रियों को च?ने और उतारने के लिए दौलतपुर चौक बस स्टैंड और ढोलवाहा चौक पर निर्धारित ठहराव प्वाइंट्स का उपयोग करेंगी। इसके अतिरिक्त ढोलवाहा चौक पर यात्रियों को चढ़ाने और उतारने के लिए एक समय में केवल एक बस को ही रुकने की अनुमति है।

गगरेट मार्केट में भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध

उपायुक्त ने बताया कि यातायात की सुगम आवाजाही के लिए गगरेट बाजार में भारी मालवाहक वाहनों का प्रवेष प्रतिबंधित रहेगा। उन्होंने बताया कि होषियारपुर से ऊना आने वाले मालवाहक वाहन आषापुरी-गगरेट चौक-षिवबा?ी चौक- बाईपास- पुलिस स्टेषन गगरेट कलोह रोड पर होते हुए ऊना पहुंचेंगे। होषियारपुर से दौलतपुर चौक जाने वाले मालवाहक वाहन आषापुरी- गगरेट चौक-दौलतपुर चौक रूट से अपने गंतव्य पर पहुंचेंगे। दौलतपुर चौक से ऊना जाने वाले भारी वाहन अम्बोटा- बाईपास रोड- षिववाडी चौक-इंडस्ट्रियल एरिया- पुलिस स्टेषन गगरेट कलोह होते हुए ऊना पहुंचेंगे। इसके अलावा ऊना से दौलतपुर चौक जाने वाले भारी वाहन कलोह- बाईपास रोड-पुलिस स्टेशन गगरेट- षिववाडी चौक- अम्बोटा रूट से होते हुए दौलतपुर चौक पहुंचेंगे।

E-TENDER NOTICE TO BE PUBLISHED IN NEWS PAPERS

On line e-tender on lump sum/items rate basis invited by the Executive Engineer, Jal Shakti Division Palampur on behalf of Governor of Himachal Pradesh in electronic tendering system in two covers for the under mentioned work from the Contractor/Firm of appropriate class.

Name of works	Estimated cost	EMD	Cost of tendor Form
Name of Work 1:- Augmentation and Strengthening of Water Supply system and Laying of G.I. Pipes for rising main and distribution system for various Hostel under CSKHPKV Palampur in Tehsil Palampur, Distt. Kangra (H.P) (SH:- Construction of Over head reservoir of 50000 litres capacity 10.00 metre stagingheight)	Rs. 18,00,000/-	Rs. 36,000/-	Rs. 500/-

Last date of filing/uploading the tenders through e-tendering upto 20.12.2025 at 5:00 P.M and the same will be opened on 22.12.2025 at 11:30 A.M. The tender forms and other detailed conditions can be obtained from the website. WWW.hpiph.org and WWW.hptenders.gov.in

RO NO. 5032_2025-2026 AP No. 6181

पीयू में 73वें दीक्षांत समारोह की तैयारियाँ पूरी, आज राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया करेंगे संबोधन

चंडीगढ़ (साजन शर्मा)। पंजाब विश्वविद्यालय में 73वें दीक्षांत समारोह की तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। यह समारोह 13 दिसंबर को पीयू जिमनेजि?म हॉल में आयोजित होगा, जिसमें पंजाब के राज्यपाल एवं यूटी प्रशासक गुलाब चंद कटारिया अध्यक्षता करते हुए दीक्षांत भाषण देंगे। विश्वविद्यालय में आयोजित रिहर्सल के दौरान सभी प्रोटोकॉल, मंच व्यवस्था, बैठने की रूपरेखा, सुरक्षा प्रबंध और सम्मान वितरण की प्रक्रियाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

समारोह के दौरान आठ विशिष्ट हस्तियों को सम्मान दिया जाएगा। इस वर्ष चार मानद उपाधि और चार पीयू रत्न पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। मानद उपाधि प्राप्तकर्ताओं में डॉ. विजय पी. भटकर (डॉक्टर ऑफ साइंस), प्रो. के. एन. पाठक (डॉक्टर ऑफ साइंस), जस्टिस आदर्श कुमार गोयल (डॉक्टर ऑफ लॉज),डॉ. अमिताव घोष (डॉक्टर ऑफ लिटरेचर) से सम्मानित होंगे। पीयू रत्न पुरस्कार विजेताओं में डॉ. श्रीधर वेंबू को उद्योग रत्न, प्रो. प्रदीप थलप्पिल को विज्ञान रत्न, सरबजोत सिंह को खेल रत्न और अमरजीत ग्रेवाल को साहित्य रत्न से सम्मानित किया जाएगा।

इस दीक्षांत समारोह में कुल 347 विद्यार्थियों को पीएचडी डिग्री प्रदान की जाएगी, जिनमें 220 महिलाएँ और 127 पुरुष शामिल हैं। ये डिग्रियाँ नौ संकायों में वितरित हैं जिनमें फ़ार्मास्यूटिकल साइंसेज़ 4, इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी 29, विज्ञान 104, कानून 20, प्रबंधन एवं वाणिज्य 21, कला 83,शिक्षा 37, भाषाएँ 42,डिज़ाइन एवं फाइन आर्ट्स 7 शामिल हैं।

कांग्रेस-आप रेवेन्यू डिपार्टमेंट से जमीन की मैपिंग पर अड़े

मनीमाजरा की जमीन की ऑक्शन में रार विपक्ष के तेवरों से सिरे नहीं चढ़ी बैठक

अर्थ प्रकाश /आदित्य शर्मा

चंडीगढ़, 12 दिसंबर। मनीमाजरा के पॉकेट नंबर 6 में नगर निगम की कई एकड़ जमीन पर रार पैदा हो गई है। मेयर हरप्रीत कौर बबला की अध्यक्षता में होने वाली बैठक और विपक्षी तेवर के चलते ऑक्शन

का मुद्दा सिरे नहीं चढ़ सके। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के पार्षदों ने जमीन की मैपिंग पर सवाल उठाते हुए एक बार फिर इस प्रस्ताव को हाउस की बैठक में चुनौती देने का फैसला किया है। विपक्षी पार्षद रेवेन्यू डिपार्टमेंट से जमीन की सही मैपिंग रिपोर्ट पर अड़ गए हैं। हालांकि, शुक्रवार को मेयर हरप्रीत कौर ने विशेष बैठक बुला कर इस मुद्दे पर चर्चा करने की उम्मीद जताई थी, मगर बैठक को पहले ही रद्द कर दिया गया था। उधर, मेयर ने संपर्क करने पर स्पष्ट किया कि फिलहाल जमीन की ऑक्शन को लेकर कोई फैसला नहीं लिया गया है। बीते मंगलवार को हुई भाजपा पार्षदों और पार्टी पदाधिकारियों की प्री हाऊस मीटिंग में माहौल गर्म रहा। कई पार्षदों ने मेयर के जमीन के ऑक्शन को लेकर एतराज जताया। हालांकि, भाजपा पार्षदों ने इस मुद्दे को संवेदनशील माना और यह भी माना कि इस मुद्दे पर मिल कर चर्चा होनी चाहिए। दरअसल, प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने बीती 7 दिसंबर को पॉकेट नंबर 6 का दौरा किया और चीफ आर्किटेक्ट को जमीन की पूरी मैपिंग और प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए थे।

विपक्षी पार्षदों का कहना मैपिंग दोबारा हो : कांग्रेसी पार्षदों ने कहा कि पिछली हाउस की बैठकों में जमीन की सही मैपिंग पर कई सवाल उठते रहे हैं। सबसे पहले निगम में जमीन पर सड? बनाए जाने के लिए 10 करोड़ रूपए पास हुए। इसके बाद टायलेट, टयूबवैल आदि पर चर्चा हुई। ये योजनाएं भी सिरे नहीं चढ़ी। इसके बाद जमीन की मैपिंग 7 एकड़ बताई गई, जबकि प्रस्ताव पर हाउस मीटिंग पर फिर से चर्चा हुई और मैपिंग में यही जमीन 19 एकड़ बताई गई। विपक्ष के बार बार विरोध के बाद हाल ही में हुई बैठक में यह मैपिंग में जमीन 33.50 पर विपक्ष ने कई सवाल उठाए। आम आदमी पार्टी की पार्षद प्रेम लता ने बताया कि जब तक जमीन की सही मैपिंग तहसीलदार और प्रशासन की सहमति से नहीं होगी तब तक ऑक्शन का सवाल पैदा नहीं होता। जमीन की मैपिंग के लिए हर बार जल्दबाजी की गई।

जमीन की ऑक्शन गलत

कांग्रेस पार्टी के सीनियर डिप्टी मेयर जसबीर बंटी ने भी जमीन की ऑक्शन को गलत बताते हुए तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जमीन की प्लानिंग आज से नहीं हो रही। जब नगर निगम अपनी आर्थिक मंदी की दुहाई दे रहा था, तब से जमीन को बेच कर मेयर ने नगर निगम की आर्थिक तंगी को दूर करने के लिए जमीन को बेचने का प्रस्ताव लेकर आई। हालांकि, खुद भाजपा इस मुद्दे पर एक नहीं है बावजूद इसके जमीन को कोडि?यों के दाम बेचने की तैयारी की जा रही है। हालांकि, प्री हाउस की मीटिंग में इस प्रस्ताव पर कोई भी पार्षद सहमत नहीं हुआ, क्योंकि इस प्रस्ताव में साफ तौर पर निगम की मनमानी सामने आ रही थी। अब इस मुद्दे को नगर निगम की हाउस की अगली बैठक में लाया जाएगा।

आप उम्मीदवार कमलजीत सिंह कमल ने घर-घर जाकर किया प्रचार

अर्थ प्रकाश/जेके बत्ता

न्यू- चंडीगढ़। मुल्लांपुर गरीबदास न्यू चंडीगढ के आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार कमलजीत सिंह कमल और उनके समर्थक मुलांपुर गरीबदास ज़ोन से ब्लॉक समिति चुनाव के लिए घर-घर जा कर प्रचार कर रहे हैं। बातचीत करते हुए आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार कमलजीत सिंह कमल ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार इस समय पंजाब में कई भलाई स्कीमों के तहत काम कर रही है और उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान पंजाब को खुशहाल बनाने के लिये ग्रीन पंजाब और रंगला पंजाब बनाने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब से पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी है, तब से नशे पर लगाम लगी है क्योंकि पंजाब सरकार के युद्ध नशे के विरुद्ध के अभियान के तहत नशे को जड़ से खत्म किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आम आदमी क्लीनिक से गांवों के आम लोगों को बहुत लाभ हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार बेरोजगार युवाओं को रोजगार देने के लिए कई और स्कीमों के तहत काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हलके की विधायक बीबी अनमोल गगन मान के सहयोग से गांव में गौशाला बनाई जाएगी, यातायात की समस्या का समाधान किया जाएगा और मुल्लांपुर गरीबदास न्यू चंडीगढ के विकास के लिए हर तरह के काम किए जाएंगे।

जनवरी से नए स्वरूप में लॉन्च होगा टोफल आईबीटी टेस्ट, एटीएस ने एनहैंस्ड टोफल की जानकारी दी

अर्थ प्रकाश/जेके बत्ता

न्यू- चंडीगढ़। शैक्षणिक मूल्यांकन के क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी संस्था और टी ओ ई एफ एल(टोफल) आई बी टी परीक्षा के आयोजक, ईटीएस ने 12 दिसंबर 2025 को चंडीगढ़ में 'टोफल एक्सपीरियंस डेज़' कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान 21 जनवरी 2026 से शुरू होने वाले उन्नत टोफल आई बी टी टेस्ट की जानकारी साझा की गई। इस अवसर पर टोफल विशेषज्ञों ने शिक्षकों, शिक्षा सलाहकारों और साझेदार संस्थानों के साथ नए बदलावों पर विस्तार से चर्चा की। इस इंटरैक्टिव और अनुभवात्मक कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों और सलाहकारों के साथ सहयोग को और मजबूत करना है, ताकि वे विद्यार्थियों को परीक्षा की बेहतर तैयारी और सफलता के लिए प्रभावी मार्गदर्शन दे सकें। यह पहल ईटीएस की उस प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसके तहत वह परीक्षार्थियों की सफलता को केंद्र में रखकर काम कर रहा है।

ईटीएस के ग्लोबल पार्टनरशिप और सेल्स मैनेजमेंट के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, श्री सिडनी रोड्रिग्स डी सूज़ा ने मीडिया के साथ टोफल आई बी टी टेस्ट में किए गए नए सुधारों की जानकारी शेयर की। श्री सिडनी रोड्रिग्स डी सूज़ा

ने कहा, ÷हम टोफल के कंटेंट और पूरे फ्लो, दोनों को अपडेट कर रहे हैं। हम असल दुनिया के कम्युनिकेशन से इसके कनेक्शन को मजबूत कर रहे हैं और एजुकेटर्स के लिए अपने टेस्ट-प्रेप पोर्टफोलियो को बढ़ा रहे हैं–इस कोशिश की स्टेकहोल्डर्स ने बहुत तारीफ की है।

ये सुधार हर टेस्ट देने वाले के काबिलियत के लेवल के हिसाब से सवाल बनाकर एडेप्टेबिलिटी को भी ठीक करते हैं। इसके अलावा, ए आई-पावर्ड स्कोरिंग के आने से इवैल्यूएशन प्रोसेस और भी सटीक होने की उम्मीद है।÷ सिडनी रोड्रिग्स डी सूज़ा ने आगे कहा, ÷हमने इस इनिशिएटिव के लिए दुनिया भर में कुछ ही इलाकों को चुना है, और चंडीग? एवं पंजाब उस लिस्ट में सबसे ऊपर है। हम इस इलाके की अहमियत को समझते हैं, खासकर इसके स्टूडेंट्स में विदेश में पढ़ाई करने की बढ़ती दिलचस्पी को देखते हुए।

MC चंडीगढ़ ने संडे कार बाज़ार के सेलर्स की बिना इजाजत पार्किंग पर कार्रवाई, 12 गाड़ियां जब्त

अर्थ प्रकाश/वीरेन्द्र सिंह

चंडीगढ़। पब्लिक पार्किंग की जगहों का कानूनी इस्तेमाल बनाए रखने के लिए एक सख्त कार्रवाई करते हुए, म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चंडीगढ़ ने मनीमाजरा पेड पार्किंग साइट पर पार्किंग गाइडलाइंस का उल्लंघन करने के लिए ऑथराइज्ड संडे कार बाज़ार के सेकंड-हैंड कार सेलर्स के खिलाफ़ सख्त कार्रवाई की है।

हाल ही में एक इंस्पेक्शन के दौरान, यह देखा गया कि संडे कार बाज़ार में हिस्सा लेने वाले कई सेलर्स बाज़ार के समय के बाद तय जगह से अपनी गाड़ियां नहीं हटा पाए थे। इसके अलावा, ये गाड़ियां ज़रूरी पेड पार्किंग स्लिप लिए बिना पार्क की हुई पाई गईं, जिससे पब्लिक जगह पर बिना इजाज़त कब्ज़ा हो गया और रेगुलर पार्किंग के काम में रुकावट आई। MC कमिश्नर श्री अमित कुमार, IAS के इन उल्लंघनों पर तुरंत कार्रवाई करते हुए, स्पेशल एनफोर्समेंट टीम ने मनीमाजरा पेड

पार्किंग साइट पर एक सरप्राइज़ इंस्पेक्शन किया और नियम तोड़ने वाले सेलर्स की कुल 12 गाड़ियां ज़ब्त कीं। मालिक या उनके ऑथराइज्ड रिप्रेज़ेंटेटिव वैलिड पार्किंग स्लिप नहीं दिखा पाए, जिसके बाद लागू नियमों के हिसाब से गाड़ियों को ज़ब्त कर लिया गया।

म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने दोहराया है कि संडे कार बाज़ार कॉर्पोरेशन द्वारा मंजूर एक ऑथराइज्ड एक्टिविटी है, लेकिन इसमें शामिल होने वाले सभी लोगों को तय नियमों का सख्ती से पालन करना होगा, जिसमें गाड़ियों को समय पर हटाना और पेड पार्किंग प्रोसीजर का पालन करना शामिल है।

इस अहम कार्रवाई का मकसद पब्लिक पार्किंग की जगहों का गलत इस्तेमाल रोकना, गैर-कानूनी कमर्शियल एक्टिविटी को रोकना और शहर के पेड पार्किंग सिस्टम को आसानी से चलाना पक्का करना है। स्पेशल चंडीगढ़ ने आगे कहा है कि नियम तोड़ने वालों के खिलाफ संबंधित कानूनों और तय प्रोसीजर के हिसाब से और कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रीय लोक अदालत में आज निपटाए जाएंगे सभी श्रेणियों के ट्रैफिक चालान से संबंधित मामले

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-सह-सचिव, जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण के आदेश पर बनाए गए 10 बेंच

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला। अजय कुमार घनघस मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-सह-सचिव, जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण पंचकूला की अध्यक्षता में कल शनिवार को जिला न्यायालय, पंचकूला, साथ ही उप-मंडल न्यायालय, कालका में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी श्रेणियों के ट्रैफिक चालान से संबंधित मामले निपटाए जाएंगे। लोक अदालत का उद्देश्य विवादों के सौहार्दपूर्ण निपटारे के लिए एक मंच प्रदान करना और त्वरित, लागत प्रभावी और जन-अनुकूल न्याय वितरण को बढ़ावा देना है।

सदस्य सचिव, हरियाणा राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण जगदीप सिंह लोहान द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार पंचकूला, कालका, स्थायी लोक अदालत (सार्वजनिक उपयोगिता सेवाएं) और उपभोक्ता न्यायालय, पंचकूला सहित विभिन्न स्थानों पर 10 बेंचों का गठन किया गया है। ये बेंचें सौहार्दपूर्ण माहौल में पक्षों के बीच निपटान की सुविधा के लिए, मुकदमे से पहले और लंबित मामलों सहित विभिन्न प्रकार के मामलों को लेंगी। इनमें आपराधिक समझौता योग्य मामले, दीवानी विवाद, राजस्व मामले, मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण मामले, बैंक वसूली मामले, चेक बाउंस मामले, पारिवारिक विवाद, और सभी श्रेणियों के ट्रैफिक चालान से संबंधित मामले संबंधित बेंचों के समक्ष सूचीबद्ध किए जाएंगे। जिला न्यायालय परिसर, पंचकूला और उपायुक्त कार्यालय परिसर दोनों जगहों पर एक समर्पित हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है, जिसका संचालन प्रशिक्षित पैरा-लीगल स्वयंसेवकों द्वारा किया जाएगा।

चालान शाखा प्रभारी, सेक्टर-12 ट्रैफिक पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय लोक अदालत विशेष रूप से वर्ष 2018 से 2024 (अक्टूबर 2024 तक) के ऑनलाइन ट्रैफिक चालानों पर विचार करेगी। ऑनलाइन चालानों के अलावा, जब्त किए गए वाहनों के चालान और नशे में ड्राइविंग के चालानों पर भी बेंचों द्वारा विचार किया जाएगा। इस विशेष पहल से बड़ी संख्या में नागरिकों को लाभ होने की उम्मीद है जो अपने लंबित चालानों को सुविधाजनक, समयबद्ध और परेशानी मुक्त तरीके से निपटना चाहते हैं।

न्यूज ब्रीफ

दर्शन अकादमी की ओर से नशा मुक्ति रैली का आयोजन

कालका (जग्गी)। दर्शन अकादमी कालका में नशा मुक्ति रैली का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में नशे के हानिकारक प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाना और समाज को नशामुक्त बनाने का संदेश देना था। रैली में कक्षा चौथी और पांचवीं के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। बच्चों ने हाथों में आकर्षक व जागरूकता से भरे नारे लिखी तख्तियाँ पकड़ी हुई थीं। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ कालका के खेड़ा सीताराम में रैली निकालकर लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की और कहा कि ऐसी गतिविधियाँ बच्चों में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करती हैं। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद भाषण के साथ हुआ। विद्यालय प्रबंधन द्वारा ऐसे कार्यक्रम भविष्य में भी आयोजित करने की घोषणा की गई, ताकि विद्यार्थी जागरूक व जिम्मेदार नागरिक बन सकें।

विद्यार्थियों ने प्रदर्शित किये इको फ्रेंडली मॉडल्स

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। महर्षि दयानंद पब्लिक स्कूल, दरिया, चंडीगढ़ में पर्यावरण विभाग, चंडीगढ़ के सहयोग से ऊर्जा संरक्षण दिवस पर इको फ्रेंडली मॉडल्स प्रदर्शनी का आयोजन विद्यालय परिसर में किया गया। प्रदर्शनी का शुभारंभ शिकागो, अमेरिका से पधारे एनआरआई सुदर्शन गर्ग ने किया। इस एग्जीबिशन में विद्यार्थियों ने इको फ्रेंडली उर्जा को बढ़ावा लिए विभिन्न मॉडल्स प्रदर्शित किये।

उन्होंने मॉडल्स के माध्यम से बताया कि नवीनीकरण ऊर्जा का प्रयोग प्राकृतिक संसाधनों पर अनुकूल प्रभाव डालता है। वाहनों और फैक्ट्रियों से निकलने वाले वाला धुआँ प्रदूषण फैलाता है। इससे मनुष्य तथा जीव- जन्तुओं का अस्तित्व खतरे में है। पर्यावरण को बचाने के लिए नवीन तकनीक का प्रयोग करना होगा। उन्होंने दर्शाया कि हमें अपने घरों, गलियों, तथा सड?ों पर सोलर लाइट का अधिक से अधिक यूज करना चाहिए। उन्होंने ऊर्जा को प्रोत्साहित करने पर बल दिया। मॉडल द्वारा पानी के सही उपयोग को भी दर्शाया गया। मॉडल से ट्रांसपोर्ट व्यवस्था को बेहतर बनाने का सन्देश दिया। मौसमों में आ रहे बदलाव को बखूबी पेश किया। इस प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने एनिमल सैल्स, वेस्ट को बेस्ट बनाना, कूड़ा -करकट के निपटान की प्रक्रिया, फूलों का अध्ययन, शारीरिक सरंचना आदि को मॉडलों के अन्तर्गत दर्शाया। जूनियर वर्ग में बढ़िया मॉडल बनाने के लिए अंकुश और अभय को प्रथम, आशु और सौरभ को द्वितीय, काव्य को तृतीय स्थान और आदर्श को सांत्वना पुरस्कार से पुरस्कृत किया । सीनियर वर्ग में राज, रंजन और संदीप को प्रथम, हिमांशु, कुलदीप और शिव शंकर को द्वितीय, प्रिंस, पीयूष और आदित्य को तृतीय तथा रूपांशु, सृष्टि, अभिषेक, आदित्य, अथर्व और दिलबाग को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया।

महिला से 61 लाख के साइबर फ्रॉड मामले में 2 आरोपी गिरफ्तार

पंचकूला। ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर महिला से 61 लाख के साइबर फ्रॉड के मामले में पंचकूला पुलिस की साइबर क्राइम थाना टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक के अनुसार, पंचकूला निवासी एक महिला ने शिकायत दी थी कि नवंबर 2024 में उसे एक अंजान मोबाइल नंबर से ऑनलाइन ट्रेडिंग में निवेश करने का झांसा दिया गया।

दिसंबर माह में उसी नंबर से एक लिंक भेजा गया, जिसे डाउनलोड करने के बाद महिला ने ट्रेडिंग शुरू कर दी। अगले कुछ महीनों में ठगों ने धीरे-धीरे विश्वास बनाकर महिला से कुल 61,24,149 रुपये की रकम विभिन्न ट्रांजैक्शनों के जरिए हड़प ली।

शिकायत पर 1 अप्रैल को साइबर क्राइम थाना पंचकूला में मामला दर्ज किया गया।

योग गुरु अमिता मरवाह हॉलिस्टिक हेल्थ एंड वेलनेस अवार्ड से सम्मानित

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला। शहर में आज से शुरू हुए तीन दिवसीय राष्ट्रीय आयुर्वेद एवं आयुष महोत्सव में हरियाणा के राज्यपाल, प्रोफेसर असीम कुमार घोष द्वारा पंचकूला की जानी-मानी समाज सेविका और योग गुरु अमिता मरवाह (अध्यक्ष, ए एम ए टी सोसाइटी) को प्रतिष्ठित ÷हॉलिस्टिक हेल्थ एंड वेलनेस अवार्ड÷ से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें आयुर्वेद के क्षेत्र में 13 वर्षों की निःस्वार्थ सेवा, उत्कृष्ट योगदान और अनुकरणीय नेतृत्व के लिए प्रदान किया गया है।

राज्यपाल महोदय के हाथों यह सम्मान प्राप्त करने पर अमिता मरवाह ने सभी गणमान्य व्यक्तियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार आयुर्वेद की नींव को मजबूत करने और भविष्य की पीढ़ियों के लिए समग्र स्वास्थ्य को आगे बढ़ाने की उनकी प्रतिबद्धता को और प्रेरित करता है।

इस भव्य समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव, तरुण भंडारी और भाजपा हिमाचल प्रदेश के सह-प्रभारी (पूर्व अध्यक्ष, भाजपा चंडीगढ़) संजय टंडन की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाया। आयुष एक्सिल द्वारा आयोजित और भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा समर्थित इस समारोह में डॉ. हितेश जानी (संरक्षक, आयुर्वेद वैद्य फाउंडेशन) और डॉ. प्रताप चौहान (निदेशक, जीवा आयुर्वेद) भी उपस्थित रहे।

बैंक ऑफ बड़ौदा को 'बेस्ट बैंक इन इंडिया अवॉर्ड से किया गया सम्मानित

अर्थ प्रकाश संवाददाता

मुंबई। भारत के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक, बैंक ऑफ बड़ौदा को फाइनेंशियल टाइम्स के प्रकाशन 'द बैंकर' पत्रिका द्वारा प्रतिष्ठित बैंक ऑफ द ईयर अवार्ड्स 2025 के तहत बेस्ट बैंक से सम्मानित किया गया है।

यह पुरस्कार बैंक ऑफ बड़ौदा की उत्कृष्टता, नवाचार और बैंकिंग उद्योग में बैंक के उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया है। यह बैंक के बेहतर वित्तीय प्रदर्शन, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को बढ़ावा, बेहतर ग्राहक अनुभव और भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में अपनी नेतृत्व क्षमता को सुदृढ़ बनाने हेतु किए जा रहे प्रयासों को रेखांकित करता है। डॉ. देबदत्त चांद, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, बैंक ऑ? बड़ौदा ने इस उपलब्धि पर कहा, बेस्ट बैंक ऑ? इंडिया÷ के रूप में यह सम्मान बैंक ऑ? बड़ौदा की सतत् और स्थायित्वपूर्ण व्यवसाय वृद्धि और ट्रांसफॉर्मेशन यात्रा को मान्यता प्रदान करता है। एक सशक्त और प्रगतिशील बैंक के मूल सिद्धांतों को सुदृ? करने की हमारी निरंतर प्रतिबद्धता के साथ, यह पुरस्कार दर्शाता है कि हमारे ग्राहकों के भरोसे और हमारे स्टाफ सदस्यों की प्रतिबद्धता के बल पर हम भारत के विकास में सार्थक योगदान देने वाली एक भविष्य के लिए तैयार संस्था बनने की ओर अग्रसर हैं। बैंक ऑ? द ईयर अवार्ड्स के तहत बैंकिंग के विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण प्रदर्शन करने वाली विश्व की अग्रणी वित्तीय संस्थानों को सम्मानित किया जाता है। राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कारों के लिए, विजेताओं का चयन वित्तीय कार्य निष्पादन, कार्यनीतिक पहलों,

तकनीकी नवाचारों, संवहनीयता से जु? कार्यक्रमों और रिटेल एवं कॉर्पोरेट ग्राहकों को दी जाने वाली सेवाओं जैसे कई मापदंडों के आधार पर किया जाता है।

पंचकूला में जमीन के ड्रोन सर्वे से गोपनीयता पर उठे सवाल

रेजिडेंट्स ने कहा नगर निगम की सर्वे टीमों के प्राइवेट नंबरों पर रिकॉर्ड भेजना संवेदनशील

अर्थ प्रकाश/आदित्य शर्मा

पंचकूला। जमीन का ड्रोन सर्वे, एलआईडीएआर और जीआईएस-आधारित सिस्टम जैसी एडवांस्ड मैपिंग टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके किया जा रहा है। लैंड मैपिंग की शुरुआत के तहत, नगर आयुक्त ने खास तौर पर नियुक्त नक्शा सर्वे टीमों को सभी नगर निगम वार्डों में जमीनी वेरिफिकेशन एक्टिविटी करने के लिए अथॉरिटी दी है। टीमें आवासीय और कमर्शियल प्रॉपर्टी का दौरा करेंगी ताकि अधिकारों के रिकॉर्ड (आरओआर), मालिकाना हक के दस्तावेजों का वेरिफिकेशन किया जा सके और जमीन के टुकड़ों की सटीक मैपिंग के लिए हाई-रिजॉल्यूशन ड्रोन और कैमरा-आधारित इमेज ली जा सकें। दूसरी तरफ, शहरवासियों ने नगर निगम के ड्रोन सर्वे से जमीन के रिकॉड को लेकर व्यक्ति की निजीता भंग करने के संगीन सवाल उठाए हैं। लोगों का कहना है कि नगर निगम की समिति के सदस्यों के प्राइवेट नंबरों पर जमीन, मकान या कमर्शियल प्रॉपर्टी का किसी भी तरह का रिकॉर्ड भेजना गोपनीयता को ना सिर्फ समाप्त करेगा, बल्कि दूसरे हाथों में जाने के बाद रिकॉड के गलत इस्तेमाल का खतरा सदैव बना रहेगा। ग्रामीण विकास मंत्रालय के भूमि संसाधन विभाग के तहत केंद्र सरकार के इस प्रोजेक्ट के तहत अब शहरी जमीन के रिकॉर्ड को मॉडर्न और डिजिटल बनाने के लिए, नगर निगम पंचकूला ने नक्शा- शहरी भूमि सर्वेक्षण कार्यक्रम को लागू करना शुरू कर दिया है। निगम अधिकारियों का कहना है कि जमीन का रिकॉर्ड डिजिटल होने से आवेदक को इसका काफी लाभ मिलेगा।

सर्वे टीमों को प्रॉपर्टी मालिकों या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों से बातचीत करके मालिकाना हक से संबंधित डेटा एकत्र करने और वेरीफाई करने का अधिकार भी दिया गया है।

सिटीजन्स वेलफेयर एसोसिएशन के प्रेसिडेंट एसके नायर ने एमसी कमिश्नर को पत्र लिखकर निवासियों की चिंताओं को उठाया। कहा कि जब ऐसी सारी जानकारी पहले से ही एचएसवीपी के पास ऑनलाइन मौजूद है, तो लोग अलग-अलग क्यों संपर्क कर रहे हैं? क्या ऐसी जानकारी एचएसवीपी राजस्व कार्यालय से ही नहीं ली जा सकती? एमसी सर्वे स्टाफ अपने सर्वे को सही ठहराने के बजाय, एचएसवीपी राजस्व विभाग के रिकॉर्ड से प्रॉपर्टी की घटनाओं को वेरिफाई/ट्रांसफर कर सकता है। सिर्फ टेस्ट-सर्वे की ही इजाज़त होनी चाहिए।

सर्वेक्षण के दौरान सभी संबंधित कर्मचारियों के ईमेल पते उनके व्यक्तिगत ईमेल पते हैं, न कि आधिकारिक ईमेल पते। जब भी निवासी इन व्यक्तिगत ईमेल पर अपने दस्तावेज़ अपलोड करेंगे, तो इससे अनिवार्य रूप से डेटा-चोरी हो जाएगी, इसलिए यह एक बहुत ही गंभीर मुद्दा है।

सुनील जैन, महासचिव, सीडब्ल्यूए

अगर सरकार चाहती है कि निवासी अपने दस्तावेज अपलोड करें, तो उनके पास एक आधिकारिक-ईमेल-पता होना चाहिए, न कि व्यक्तिगत। ऐसी स्थिति में, किसी भी डेटा-चोरी के लिए सरकार जिम्मेदार होगी, लेकिन सरकार ने अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया है।

कर्नल एसके दत्ता, अध्यक्ष, आरडब्ल्यूए सेक्टर 12

नामित कर्मचारी, अनजान निवासियों के हजारों निजी दस्तावेजों के अनधिकृत कब्जा धारक और संरक्षक होंगे, जिनमें से ज्यादातर अकेले रहने वाले बहुत बुजुर्ग वरिष्ठ नागरिक हैं और कंप्यूटर के बारे में पूरी तरह अनभिज्ञ हैं।

आरके कोहली, सचिव, सेक्टर 25, सीडब्ल्यूए

नायब सरकार ने दी ग्रामीण विकास को रफ्तार : डॉ. अरविंद शर्मा

किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में सड़कों का सुदृढ़ीकरण निभाएगा अहम भूमिका

मार्केट कमेटी की नवनियुक्त टीम किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए दिनरात करे काम

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

गोहाना। सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व की सरकार ग्रामीण विकास को निरंतर रफ्तार देने का काम कर रही है। सड़कों के सुदृढ़ीकरण से लेकर किसानों के सामाजिक, आर्थिक संरक्षण को लेकर किए जा रहर प्रयासों से किसान वर्ग में संतुष्टि का भाव है। उन्होंने कहा कि हम सभी को मिलकर सुनिश्चित करना चाहिए कि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो और उनका निरन्तर मान-सम्मान बढ़ा रहे।

शुक्रवार को सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने गोहाना मार्किट कमेटी के नवनियुक्त प्रधान कृष्ण सैनी व उनकी टीम के पदभार ग्रहण समारोह में मुख्यातिथि के तौर पर शिरकत करते हुए पूरी टीम को शुभकामनाएं दी। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2014 में किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण को लेकर जो संकल्प लिया था, आज प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में इस दिशा में गम्भीरता से काम कर रही है। आज किसानों को बीज के संरक्षण से लेकर उनकी फसल को एमएसपी पर खरीदकर सामाजिक व आर्थिक संरक्षण दे रही है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से लेकर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री मृदा योजना जैसी दर्जनों योजनाओं के माध्यम से छोटे व मध्यम किसानों को मजबूत करने का काम किया जा रहा है।

कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि बीते 11 सालों में किसान को प्राकृतिक आपदा के चलते हुए नुकसान को केंद्र-प्रदेश सरकार ने अपने ऊपर लेने का काम किया है। अगस्त-सितंबर माह में प्रदेश में भारी बारिश से किसानों को हुए नुकसान की 10 दिसम्बर को भरपाई करते हुए 53 हजार से अधिक किसानों को 116 करोड़ रुपए मुआवजा राशि जारी की गई। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद से अब तक 15 हजार 448 करोड़ रुपए राशि जारी की गई है। उन्होंने कहा कि केन्द्र-प्रदेश सरकार के किसान हित निर्णयों से आज किसान भाइयों में प्रदेश की सरकार के प्रति संतुष्टि का भाव है।

उन्होंने मार्किट कमेटी गोहाना के चेयरमैन के तौर पर पदभार ग्रहण कर रहे कृष्ण सैनी व उनकी पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी मिलकर किसान भाइयों की सहूलियत को लगातार बढ़ाने की दिशा में काम करें। कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने नवनियुक्त मार्किट कमेटी चेयरमैन कृष्ण सैनी व वाइस चेयरमैन राजेन्द्र गिरधर को पदभार ग्रहण करवाया।

इस अवसर पर गोहाना भाजपा जिलाध्यक्ष बिजेन्द्र मलिक, नगर परिषद गोहाना चेयरपर्सन प्रतिनिधि इंद्रजीत विरमानी, मंडी प्रधान श्यामलाल वशिष्ठ, रामधारी जिंदल, रामधन भारतीय, नरेन्द्र बंसल, बलराम कौशिक एवं भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

6 महीने में होगा गोहाना-लाखनमाजरा सड़क का सुदृढ़ीकरण, आमजन को मिलेगा लाभ

सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने शुक्रवार सुबह विश्वकर्मा चौक पर गोहाना-लाखनमाजरा सड़क के सोनीपत जिला सीमा तक सुदृढ़ीकरण की परियोजना का शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि 6 करोड़ 17 लाख रुपए की राशि से इस सड़क खण्ड का निर्माण होगा, जिससे हजारों वाहन चालकों के साथ-साथ ठसका, गुढ़ा, आहुलाना, मदीना, भंडेरी, कथूरा समेत तकरीबन दर्जन भर गांवों के ग्रामीणों, विशेषकर किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि इसी प्रकार गोहाना से जुलाना तक सोनीपत जिला सीमा तक 27 करोड़ रुपए से सड़क का निर्माण होगा, जिसके लिए शीघ्र टेंडर लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद से गोहाना विधानसभा में 18 करोड़ रुपए की राशि से 18 सड़कों का निर्माण करवाया गया है, जबकि 16 सड?ों का निर्माण जारी है। यही नहीं स्पेशल रिपेयर योजना में अगले छह महीने में 6 करोड़ रुपए की लागत से 9 सड़कों का निर्माण कार्य पूरा करवाया जाएगा।

दुकान में चोरी, दो आरोपी गिरफ्तार

कुरुक्षेत्र (अप्रस)। जिला पुलिस ने दुकान से चोरी करने के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल के कुशल नेतृत्व में थाना शाहबाद पुलिस टीम ने दुकान से चोरी करने के आरोप में घनश्याम उर्फ सोनू व कृष्ण उर्फ बंटी वासीयान शाहबाद कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता नरेश कुमार ने बताया कि पुलिस को दी अपनी शिकायत में अजय गर्ग वासी शाहबाद ने बताया कि उसकी शाहबाद में राजा सिंह कॉलोनी में दुकान है। उसकी दुकान पर चार नौकर हैं।

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत अकबरपुर, खंड नारायणगढ़ , जिला अम्बाला की पंचायती भूमि में खड़े 846 पेड़ सफेदा की नीलामी दिनांक 23-12-2025 को ग्राम पंचायत अकबरपुर के कम्युनिटी हॉल में प्रातः 11 बजे की जाएगी। बोली देने वाले इच्छुक व्यक्ति को 2 लाख रुपए अमानत के तौर पर बतौर डिमांड ड्राफ्ट जमा करवाना होगा। बोली की शेष शर्तें मौके पर सुनाई जाएंगी।

अब्दुल खालिद
ग्राम सचिव, अकबरपुर
मो. 70273-48786

निर्मला देवी, सरपंच
ग्राम पंचायत, अकबरपुर
मो.96710-23042

AP-6184

Haifa India Fertilizers and Technologies Pvt. Ltd.
Reg. office 601, 6th Floor Tower 1, Vasavi Shalom Sky City, Telecom Nagar, Gachibowli Circle, HYDERABAD, TELANGANA, 500081, India

As per Gazette Notification bearing S.O. NO. 2900 (E) Dt.24th October-2015 and Gazette Notification bearing S.O.No.4120 (E) Dt.30th December-2017 issued by ministry of Agriculture and Farmers Welfare Government of India.Pertaining to 100% Water Soluble Mixture of Fertilizers in.

1.NPK 13-05-26, 2.NPK 30-10-10, 3. NPK 08-52-17, 4.NPK 40-00-40, 5. NPK 15-15-30 6.NPK 21-11-11, 7. NPK 13-40-13, 8. NPK 13-00-27, 9. NPK 20-20-20

Above products Manufactured by M/s. Haifa Negev Technologies Ltd, Israel, Import & marketed by M/s Haifa India Fertilizers and Technologies Private Limited Reg. office 601, 6th Floor Tower 1, Vasavi Shalom Sky City, Telecom Nagar, Gachibowli Circle, HYDERABAD, TELANGANA, 500081, India

AP-6173

आवश्यक सूचना

नगर परिषद गोहाना के प्रोपर्टी टैक्स रिकार्ड से अनुसार वर्तमान में PUID No.3FLTYVK6 वार्ड नं. नाईयों वाली गली पर श्रीमति विशन देवी पत्नी श्री आत्मप्रकाश के नाम पर दर्ज है। अब इस प्रोपर्टी आई डी पर अपना नाम पर दर्ज करवाने के लिये दीपक कुमार निवासी वार्ड नं नाईयों वाली गली गोहाना, सोनीपत मोबाईल नं 7988939693 ने इस कार्यालय में अपना आवेदन पत्र स्व. श्रीमति विशन देवी पत्नी आत्मप्रकाश का मृत्यु प्रमाण पत्र व तहसीलदार गोहाना द्वारा तसदीक / सत्यापित वारिसान रिपोर्ट तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज सहित प्रस्तुत किया है। अतः आम जन साधारण को इस नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि यदि इस प्रोपर्टी आईडी पर उपरोक्त आवेदक/आवेदकों का नाम दर्ज करने पर कोई एतराज/आपत्ति है तो वह इस नोटिस प्रकाशन के 30 दिन के अन्दर अन्दर नगरपरिषद कार्यालय गोहाना में अपना एतराज/आपत्ति मय दस्तावेजी सबूतों सहित प्रस्तुत करें। अन्यथा नोटिस अवधि गुजरने के बाद PUID No. 3FLTYVK6 पर उपरोक्त आवेदक का श्री। नाम दीपक कुमार दर्ज कर दिया जायेगा। जिसके उपरान्त नगरपरिषद गोहाना की किसी प्रकार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

तहसीलदार की वारसान रिपोर्ट के अनुसार
कार्यकारी अधिकारी/सचिव
नगर परिषद, गोहाना।

AP-6176

सार्वजनिक सूचना

मैं आम जनता को सूचित करता हूँ कि श्रीमती उषा देवी पत्नी श्री बिजेन्दर पुत्र श्री राजपाल जो की सम्पति बारकबा 226.66 वर्ग गज यानी 7.5 मरला शामिल खेवट न0 846, खतौनी न0 1038, मुस्तिल व् किल्ला न0 176//12/1(7-11) वाका रकबा घरौंडा, तहसील घरौंडा, जिला करनाल जो की आबादी रघुवीर विहार कॉलोनी, घरौंडा और नगर पालिका घरौंडा की हद में स्थित है की मालिक है।

अब, श्रीमती उषा देवी पत्नी श्री बिजेन्दर पुत्र श्री राजपाल ने उपरोक्त संपति पर पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड जिसका शाखा कार्यालय दुकान नंबर 23-24, होटल हाइव के पीछे, पानीपत-132103 पर है, से ऋण ले रही हैं। श्रीमती उषा देवी पत्नी श्री बिजेन्दर पुत्र श्री राजपाल ने उक्त संपत्ति के संबंध में निम्नलिखित मूल दस्तावेज खो दिए हैं: -

• असल बैयनामा वसीका नं. 2136 दिनांक 01/09/2014 जो की श्री अश्वनी कुमार पुत्र श्री सुरेश कुमार पुत्र मामराज द्वारा 1. श्रीमती हेमलता पत्नी श्री रविंदर कुमार पुत्र श्री कांशी राम, 2. समत. मधु रानी पत्नी श्री यशपाल पुत्र श्री राम सरूप, 3. श्रीमती गुंजन पत्नी श्री संजय कुमार पुत्र श्री गुरबक्श के पक्ष में संपति 7.5 मरला बाबत की गयी है।

इस संबंध में एक पुलिस रिपोर्ट हरियाणा पुलिस में भी दर्ज कराई गई है जिसमें निम्नलिखित विवरण हैं: आवेदन संख्या 132310312501895 यदि किसी को उक्त खोया हुआ दस्तावेज़ मिल जाए, तो अधोहस्ताक्षरी से संपर्क कर सकता है और यदि कोई व्यक्ति इस संपति पर किसी भी तरह से पूर्व अधिकार या हित का दावा करता है या दावा रखता है या उसने किसी व्यक्ति/बैंक/ निगम/वित्तीय संस्थान को उपरोक्त दस्तावेज़ जमा करके ऋण लिया है वो इस सार्वजनिक सूचना की तारीख से 7 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी से संपर्क करके आपत्तियां प्रस्तुत कर सकते हैं। इस नोटिस की अवधि समाप्त होने के बाद, किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा और ऐसा दावा झूठा, फर्जी, तुच्छ, धोखाधड़ी और आधारहीन दावा माना जाएगा और कानून की नजर में इसका कोई मूल्य नहीं होगा।

आशीष कुमार शर्मा, वकील
कार्यालय: Chamber No. 22, Lawyers' Chamber, Judicial Complex, Samalkha, Distt. Panipat – 132101
Cont. No. 9311909427

AP-6176

सार्वजनिक सूचना

श्री नवीन दानिक्स , सहायक सम्पदा अधिकारी, के समक्ष ,सम्पदा अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यू टी , चंडीगढ़ ।

विषय:– आवासीय साइट संख्या 364, सेक्टर 32.ए, चंडीगढ़ (आरपीएल-17622) के संबंध में, स्वर्गीय श्रीमती बिशन देवी के 50 प्रतिशत शेयर की सीमा तक स्वामित्व का हस्तांतरण, श्री सुरजीत सिंह मीलू पुत्र स्वर्गीय श्री दिलबाग राय के नाम पर, स्वर्गीय श्रीमती बिशन देवी की पंजीकृत वसीयत दिनांक 01.11.1993 के आधार पर। आम जनता और सभी संबंधित लोगों की जानकारी के लिए यह सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के रिकॉर्ड के अनुसार, श्रीमती बिशन देवी 50 प्रतिशत शेयर के साथ आवासीय साइट संख्या 364, सेक्टर 32-ए, चंडीगढ़ की सह-मालिक थीं।

श्री सुरजीत सिंह मीलू द्वारा सूचित किया गया है कि श्रीमती बिशन देवी का 07.01.2015 को निधन हो गया, और वे अपने पीछे निम्नलिखित कानूनी उत्तराधिकारी छोड़ गई हैं :–

क्र.सं.	कानूनी उत्तराधिकारी का नाम	मृतक के साथ संबंध
1	श्री दिलबाग राय	पति (मृत्यु हो गई)
2	श्री सुरजीत सिंह मीलू	पुत्र
3	श्रीमती अविनाश देवी	पुत्री
4	श्री चरणजीत सिंह मीलू	पुत्र (मृत्यु हो गई)
स्वर्गीय श्री चरणजीत सिंह मीलू के कानूनी उत्तराधिकारी		
1	श्रीमती राजिंदर कौर	पत्नी
2	श्री नपिंदर सिंह	पुत्र

अब, श्री सुरजीत सिंह मीलू पुत्र स्वर्गीय श्री दिलबाग राय ने 01.11.1993 की रजिस्टर्ड वसीयत के आधार पर, स्वर्गीय श्रीमती बिशन देवी के पास मौजूद 50 प्रतिशत शेयर तक, रेजिडेंशियल साइट नंबर 364, सेक्टर 32-A, चंडीगढ़ के संबंध में ओनरशिप के ट्रांसफर के लिए अप्लाई किया है। अगर किसी के पास ऊपर बताए गए लोगों के अलावा, मृतक के किसी और कानूनी वारिस के बारे में कोई जानकारी है, तो वह तुरंत एस्टेट ऑफिसर, U.T., चंडीगढ़ को बता सकता है। अगर किसी को ऊपर बताए गए एप्लिकेंट के पक्ष में, उस प्रॉपर्टी में उस हिस्से के म्यूटेशन पर कोई आपत्ति है, तो वे इस नोटिस के पब्लिश होने की तारीख से 30 दिनों के अंदर नीचे साइन करने वाले के ऑफिस में लिखकर (मजिस्ट्रेट/नोटरी से अटेस्टेड एफिडेविट के साथ) जमा कर सकते हैं, ऐसा न करने पर उस प्रॉपर्टी में वह हिस्सा ऊपर बताए गए बेनिफिशियरी के नाम पर म्यूटेट कर दिया जाएगा और बाद में किसी भी तरह का कोई और क्लेम नहीं माना जाएगा।

नवीन, दानिक्स, असिस्टेंट एस्टेट ऑफिसर, एस्टेट ऑफिसर, यू.टी., चंडीगढ़ की शक्तियों का प्रयोग करते हुए

AP-6167

सार्वजनिक नोटिस

संपदा अधिकारी, एचएसवीपी के समक्ष। अर्बन एस्टेट का नाम, पंचकूला।

विषय:- मालिकों स्वर्गीय श्रीमती स्नेह सिंगला (स्नेह लता सिंगला) पत्नी स्वर्गीय श्री हरि राम सिंगला की निर्वसीयत मृत्यु के परिणामस्वरूप आवासीय मकान संख्या 585, सेक्टर 8, अर्बन एस्टेट, अंबाला शहर के संबंध में स्वामित्व का हस्तांतरण।

स्वर्गीय श्रीमती स्नेह सिंगला (स्नेह लता सिंगला) जो रिकॉर्ड के अनुसार उद्धृत संपत्ति की मालिक थी, उनकी मृत्यु 30.01.2024 को हो गई है और उनके पास कोई पंजीकृत या गैर-पंजीकृत वसीयत नहीं है, वे अपने पीछे नि नलिखित कानूनी उत्तराधिकारी छोड़ गई हैं।

1) गिरीश सिंगला, 2) गगन सिंगला

श्री गिरीश सिंगला पुत्र स्वर्गीय श्री हरि राम सिंगला, निवासी मकान नंबर 3394-ए, ग्राउंड फ्लोर, सेक्टर 23, गुड़गांव, हरियाणा-122001, कानूनी उत्तराधिकारी होने के नाते उक्त संपत्ति को अपने पक्ष में स्थानांतरित करने के लिए आवेदन करना चाहते हैं और श्री गिरीश सिंगला के नाम पर पुनः आवंटन के लिए अनुरोध करना चाहते हैं।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त मकान के हस्तांतरण के खिलाफ आपत्ति है, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के भीतर सहायक दस्तावेजों के साथ संपदा अधिकारी, एचएसवीपी, पंचकुला को लिखित रूप में आपत्तियां प्रस्तुत कर सकता/सकती है अन्यथा संपदा अधिकारी एचएसवीपी नीति के अनुसार उक्त संपत्ति के हस्तांतरण/पुनर्विंटन की अनुमति दे सकता है और बाद में कोई दावा होने पर उस पर विचार नहीं कर सकता है।

कानूनी उत्तराधिकारी: गिरीश सिंगला, गगन सिंगला।
संपदा अधिकारी की ओर से

AP-6182

सार्वजनिक नोटिस

संपदा अधिकारी, एचएसवीपी के समक्ष। अर्बन एस्टेट का नाम, पंचकूला।

विषय:- मालिकों स्वर्गीय श्रीमती स्नेह (स्नेह लता सिंगला) पत्नी स्वर्गीय श्री हरि राम सिंगला और स्वर्गीय श्री हरि राम (हरि राम सिंगला) पुत्र स्वर्गीय श्री रौनक राम सिंगला की निर्वसीयत मृत्यु के परिणामस्वरूप आवासीय मकान संख्या 1316, सेक्टर 15, अर्बन एस्टेट, पंचकुला के संबंध में स्वामित्व का हस्तांतरण।

स्वर्गीय श्रीमती स्नेह (स्नेह लता सिंगला) और स्वर्गीय श्री हरि राम (हरि राम सिंगला), जो रिकॉर्ड के अनुसार विषय उद्धृत संपत्ति के मालिक थे, स्वर्गीय श्रीमती स्नेह (स्वर्गीय स्नेह सिंगला) की मृत्यु 30.01.2024 को हो गई थी और स्वर्गीय श्री हरि राम (हरि राम सिंगला) की मृत्यु 13.02.2024 को हो गई थी और उनके पास कोई पंजीकृत या गैर-पंजीकृत वसीयत नहीं है, जो अपने पीछे निम्नलिखित कानूनी उत्तराधिकारी छोड़ गए हैं।

1) गिरीश सिंगला, 2) गगन सिंगला

श्री गिरीश सिंगला पुत्र स्वर्गीय श्री हरि राम सिंगला, निवासी मकान नंबर 3394-ए, ग्राउंड लोर, सेक्टर 23, गुड़गांव, हरियाणा-122001, कानूनी उत्तराधिकारी होने के नाते उक्त संपत्ति को अपने पक्ष में स्थानांतरित करने के लिए आवेदन करना चाहते है और श्री गिरीश सिंगला के नाम पर पुनः आवंटन के लिए अनुरोध करना चाहते हैं।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त मकान के हस्तांतरण के खिलाफ आपत्ति है, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के भीतर सहायक दस्तावेजों के साथ संपदा अधिकारी, एचएसवीपी, पंचकुला को विल्टिंग में आपत्तियां-प्रस्तुत कर सकता/सकती है अन्यथा संपदा अधिकारी एचएसवीपी नीति के अनुसार उक्त संपत्ति के हस्तांतरण/पुनर्विंटन की अनुमति दे सकता है और बाद में कोई दावा होने पर उस पर विचार नहीं कर सकता है।

संपदा अधिकारी की ओर से कानूनी उत्तराधिकारी: गिरीश सिंगला, गगन सिंगला

AP-6182

सार्वजनिक नोटिस

संपदा अधिकारी, एचएसवीपी के समक्ष। अर्बन एस्टेट का नाम, पंचकूला।

विषय:- मालिकों स्वर्गीय श्री हरि राम (हरि राम सिंगला) पुत्र स्वर्गीय श्री रौनक राम सिंगला की निर्वसीयत मृत्यु के परिणाम स्वरूप आवासीय मकान संख्या 253, सेक्टर 12, अर्बन एस्टेट, पंचकुला के संबंध में स्वामित्व का हस्तांतरण। स्वर्गीय श्री हरि राम (हरि राम सिंगला), जो रिकॉर्ड के अनुसार उद्धृत संपत्ति के मालिक थे, की 13.02.2024 को मृत्यु हो गई है और उनके पास कोई पंजीकृत या गैर-पंजीकृत वसीयत नहीं है, वे अपने पीछे नि नलिखित कानूनी उत्तराधिकारी छोड़ गए हैं।

1) गिरीश सिंगला,
2) गगन सिंगला

1) गिरीश सिंगला, श्री गगन सिंगला पुत्र स्वर्गीय स्व. हरि राम सिंगला, निवासी मकान संख्या 253, सेक्टर 12, पंचकुला, हरियाणा-134112, कानूनी उत्तराधिकारी होने के नाते उक्त संपत्ति को अपने पक्ष में स्थानांतरित करने के लिए आवेदन करना चाहते हैं और श्री गगन सिंगला के नाम पर पुनः आवंटन के लिए अनुरोध करना चाहते हैं।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त मकान के हस्तांतरण के खिलाफ आपत्ति है, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के भीतर सहायक दस्तावेजों के साथ संपदा अधिकारी, एचएसवीपी, पंचकुला को लिखित रूप में आपत्तियां प्रस्तुत कर सकता/सकती है अन्यथा संपदा अधिकारी एचएसवीपी नीति के अनुसार उक्त संपत्ति के हस्तांतरण/पुनओवंटन की अनुमति दे सकता है और बाद में कोई दावा होने पर उस पर विचार नहीं कर सकता है।

संपदा अधिकारी की ओर से कानूनी उत्तराधिकारी: गिरीश सिंगला, गगन सिंगला

AP-6182

ਗਰੇਟਰ ਮੋਹਾਲੀ ਏਰੀਆ ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਅਥਾਰਟੀ, ਪੁਡਾ ਭਵਨ, ਸੈਕਟਰ-62, ਐਸ ਏ ਐਸ ਨਗਰ
ਜਨਤਕ ਸੂਚਨਾ

ਸਿੰਗਲ ਵਿੰਡੋ ਨੰ: 464073 ਮਿਤੀ 21-Nov-2025 ਰਾਹੀਂ Plot No. 520 Phase-4 ਸੈਕਟਰ -59, ਮੋਹਾਲੀ ਦੀ ਐਨ.ਓ.ਸੀ. ਅਪਲਾਈ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਉਕਤ ਮਕਾਨ ਦੇ ਮਾਲਕ SMT. KAILASH NARULA, W/o SH. OM KUMAR NARULA R/O 15B, LOWAN DRIVE, INGLE FARM, ADELAIDE, SOUTH AUSTRALIA 5098. Mr. Deepak Shangari S/o Sh. Raghunath Shangari R/o House No. 614/1 Sector 20-A Chandigarh ਨੂੰ ਆਪਣਾ ਜੀ.ਪੀ.ਏ. ਨਿਯੁਕਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ, ਜੋ ਕਿ ਨੰ: 1335 (HRC) ਮਿਤੀ 08/08/2025 ਰਾਹੀਂ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਿੱਤੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਦੇ ਮਾਲ ਸਕੱਤਰ ਵੱਲੋਂ ਇੰਬੋਜ ਕੀਤੀ ਹੋਈ ਹੈ।

ਇਸ ਜੀ.ਪੀ.ਏ. ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇMr. Deepak Shangari S/o Sh. Raghunath Shangari R/o House No. 614/1 Sector 20-A Chandigarh ਨੇ Manmohan Kaur W/o Sh. Rajpal Singh R/o House no-HM- 223, Phase-2, Sector-54, Mohali ਦੇ ਨਾ ਤੇ ਵੇਚਣ ਦੀ ਆਗਿਆ ਲੈਣ ਲਈ ਦਸਤਾਵੇਜ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੇ ਹਨ। ਹੁਣ ਇਹ ਕੇਸ ਸੁਪਰਡੰਟ (ਹ),ਗਮਾਡਾ, ਮੁਹਾਲੀ ਦੇ ਦਫਤਰ ਵਿੱਚ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਉਕਤ Plot No. 520 Phase-4 ਸੈਕਟਰ-59, ਨੂੰ ਵੇਚਣ ਦੀ ਆਗਿਆ ਦੇਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਆਮ ਅਤੇ ਖਾਸ ਨੂੰ ਸੂਚਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਕਿ ਜੇਕਰ ਇਸ ਬਾਰੇ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ ਜਾਂ ਸ਼ੱਕ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਇਸ ਵਿਗਿਆਪਨ ਦੀ ਮਿਤੀ ਤੋਂ 15 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਦਰ-ਅੰਦਰ ਆਪਣਾ ਇਤਰਾਜ ਸੁਪਰਡੰਟ (ਹ), ਗਮਾਡਾ, ਮੋਹਾਲੀ ਪਾਸ਼ ਲਿਖਤੀ ਰੂਪ ਵਿੱਚ ਦੇ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਨਿਸ਼ਚਿਤ ਮਿਤੀ ਅਤੇ ਸਮੇਂ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਏ। ਇਤਰਾਜ ਤੇ ਕੋਈ ਵਿਚਾਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਅਤੇ ਇਸ ਜੀ.ਪੀ.ਏ ਦੇ ਅਧਾਰ ਤੇ Plot No. 520 Phase-4 ਸੈਕਟਰ -59, SAS Nagar, Mohali, ਨੂੰ ਵੇਚਣ ਦੀ ਆਗਿਆ ਉਕਤ ਬਿਨੈਕਾਰ ਦੇ ਨਾ ਤੇ ਜਾਰੀ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇਗੀ।

ਸੁਪਰਡੰਟ (ਹ)
ਗਮਾਡਾ, ਮੁਹਾਲੀ।

AP-6183

अर्थ प्रकाश क्लासीफाइड CLASSIFIED ADS

आज ही बुक करें
PH. : 0172-2638515, 98883-03520
Email : arthparkashadvt29@gmail.com

I, Saraswti Das m/o Army No. 13627200X, Rank Hav. Sanjay Das r/o VPO Mandirtala, Tehsil Rudranagar, District South 24 Pargana (WB) have changed my name from Saraswti Das to Saraswati Das vide affidavit dated12-12-2025 before executive magistrate Nahan.
एपी-6165

मैं, कार्तिक सिंह पुत्र श्री लाल सिंह, निवासी मकान नंबर 325/B-I, गांव रतपुर, पिंजौर, तहसील कालका, जिला पंचकूला, हरियाणा- 134102, यह घोषणा करता हूँ कि मैंने अपना नाम कार्तिक सिंह से बदलकर करमजीत सिंह रख लिया है। संबंधित सभी लोग कृपया इसे नोट करें।
एपी-6168

मैं, JYOTI पत्नी पवन कुमार निवासी मकान नंबर 609 GP, अम्बाला रोड कैथल, जिला कैथल (हरियाणा), अपना नाम JYOTI से बदलकर SHILPA रखती हूँ। सम्बंधित कृपया नोट करें।
एपी-6169

मैं, विनोद कुमार पुत्र अमर नाथ, निवासी # 668, सेक्टर-12A, पंचकूला, हरियाणा ने अपना नाम बदलकर विनोद शर्मा रख लिया है।
एपी-6170

मैं, मनिंदर कौर सुलेच पत्नी अरविंदर पाल सिंह सुलेच मं नं, 79/1 राम नगर खादी आश्रम के पास करनाल हरियाणा बयां करती हूँ कि मैंने अपना नाम मनिंदर कौर सुलेच से बदल कर मनिंदर कौर कर लिया है। मुझे भविष्य मे मनिंदर कौर के नाम से जाना जाए।

मैं, अरविंदर पाल सिंह सुलेच पुत्र अवतार सिंह मं नं, 79/1 राम नगर खादी आश्रम के पास करनाल हरियाणा बयां करता हूँ कि मैंने अपना नाम अरविंदर पाल सिंह सुलेच से बदल कर अरविंदर पाल सिंह कर लिया है। मुझे भविष्य मे अरविंदर पाल सिंह नाम से जाना जाए।

मैं, अरविंदर पाल सिंह पुत्र अवतार सिंह तथा मनिंदर कौर पत्नी अरविंदर पाल सिंह निवासी मं नं 79/1 खादी आश्रम के पास करनाल हरियाणा बयाँ करते है कि हमने अपने पुत्र विश्वजीत सिंह सुलेच से बदल कर विश्वजीत सिंह कर लिया है। भविष्य मे उसे विश्वजीत सिंह के नाम से जाना जाय
एपी-6171

मैं, शिखा जैन पत्नी श्री आशुतोष जैन निवासी 579, सैक्टर -9, पंचकूला हरियाणा ने अपना नाम शिखा जैन से बदलकर शिखा सहगल रख लिया है।
एपी-6172

मैं, खराती लाल पुत्र गिरधारी लाल, निवासी मकान नंबर 702/3, शाईखोवला, कुरुक्षेत्र ब्यान करता हूँ कि मैने अपना नाम खराती लाल से बदलकर खराती राम रख लिया है।

It is for general information that I, BALBIR KAUR W/O LATE SH. MOHINDER SINGH Residence of Dadlu (238), Kurukshetra, Haryana-136135 declare that name of mine has been wrongly written as NARO DEVI in my husband PPO No 1117162478162478 The actual name of mine is BALBIR KAUR respectively. Which may be amended accordingly.
एपी-6174

मैं, रनदीप सिंह सुपुत्र रणवीर सिंह निवासी 13 ब्लॉक 2 नीलोखेड़ी, डाकघर पढाना, करनाल, ने अपना नाम रनदीप से बदल कर रनदीप सिंह रख लिया है।

मैं, राजदीप कौर पत्नी राजिंदर सिंह निवासी गांव मकोनिया जसपुर उधम सिंह नगर, उत्तराखंड, घोषणा करती हूं कि मेरे नाबालिग पुत्र का नाम जोतप्रकाश और सरनेम सिंह है।

मैं, मुख्तियार सिंह दाहिया सुपुत्र तेजा सिंह निवासी # 3 कॉलेज कैंपस गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन सेक्टर 20-डी, चंडीगढ़, ने अपना नाम बदलकर मुख्तियार सिंह रख लिया है।
एपी-6179

मैं, अंजू बाला पत्नी प्रीतपाल सिंह निवासी गांव बरीवाला, श्री मुक्तसेर साहिब, पंजाब ने अपना नाम और पता अंजू बाला निवासी गांव बरीवाला, श्री मुक्तसर साहिब, पंजाब से बदलकर परनीत कौर निवासी मकान नंबर 297, गांव खुडडा, अलीशेर चंडीगढ़ कर लिया है।

मैं, Sheetal, पत्नी सरन कुमार, निवासी मकान नंबर 5, विंध्या हॉस्टल, बैरक नंबर 5, पैक कैंपस सेक्टर 12, चंडीगढ़, ने अपना नाम Seetal से बदलकर Sheetal रख लिया है।

मैं, हरनीत, पत्नी शांतनु शर्मा, निवासी मकान नंबर 52, पहली मंजिल, इको सिटी-1, न्यू चंडीगढ़ सेक्टर 5, ए-ब्लॉक, मुल्लनपुर, जिला एसएएस नगर, मोहाली, पंजाब, ने अपना नाम हरनीत से बदलकर हरनीत कौर टखर रख लिया है।

मैं, प्रियंका पुत्री जगदीश गोस्वामी निवासी मकान नंबर 425, न्यू इंदिरा कॉलोनी, मनीमाजरा चंडीगढ़ ने अपना नाम प्रियंका से बदलकर प्रियंका गोस्वामी रख लिया है।
एपी-6180

I, Smt Indubai Mother of JC 462086A Rank: Sub Name: Sapkal Sandip Laxman R/o Vill: Sawarghar P.O: Sawarghar, Tehsil- Patan, Distt- Satara Pin-415014 (Maharashtra) Have Changed My Name From Indubai To Indubai Laxman Sapkal And D.O.B From 08 -01-1956 To (01-01-1950 Adopted New Name And D.O.B) Vide Affidavit Before Notary UT Admin, Leh.

I, Mrs Jyoti Wife of JC 462086A Rank: Sub Name: Sapkal Sandip Laxman R/O Vill. Sawarghar P.O Sawarghar, Tehsil- Patan, Distt- Satara Pin-415014 (Maharashtra) Have Changed My Name From Jyoti To Jyoti Sandip Sapkal And D.O.B From O5 -10-1987 To (08-11-1987adopted New Name And D.O.B) Vide Affidavit Before Notary UT Admin, Leh.

I, SWATI am legally Wedded Spouse of Army No: JC 463085K Rank-NB/Sub Name- Autkar Nilesh Prakash Permanent Address: At Pokhari, Post: Sav, Near Marathi Primary School, Dist: Pokhari, Buldhana, Maharashtra - 443001 declare that I have changed My Name from SWATI to SWATI NILESH AUTKAR. Vide Affidavit No: 11AA 219208, Dated: 12/12/2025

I, SUREKHA am Mother of Army No: JC 463085K Rank- NB/Sub Name- Autkar Nilesh Prakash Permanent Address: At Pokhari, Post: Sav, Near Marathi Primary School, Dist: Pokhari, Buldhana, Maharashtra - 443001 declare that I have changed my name from SUREKHA to SUREKHA PRAKASH AUTKAR and Also Correct my Date of birth from 27/07/1961 to 25/08/1967. Vide Affidavit No: 11AA 219207, Dated: 12/12/2025

I, SANGITA am Mother of Army No- 2824595P Rank-Sep Name- Kale Swapnil Balasaheb Permanent Address: Satarkavasti, Retavadi, Pune, State: Maharashtra, Pin-410505 declare that I have changed my name from SANGITA to SANGITA BALASAHEB KALE. Vide Affidavit No: 11AA 219209, Dated: 12/12/2025

I, BALASAHEB VITTHAL KALE am Father of Army No- 2824595P Rank-Sep Name- Kale Swapnil Balasaheb Permanent Address: Satarkavasti, Retavadi, Pune, State: Maharashtra, Pin-410505 declare that I have Correct my Date of birth from 02/06/1960 to 15/07/1960. Vide Affidavit No: 11AA 219210, Dated: 12/12/2025

मैं, अपूर्वा जैन पुत्री श्री अमित जैन निवासी मकान नंबर 1785, सेक्टर-15, पंचकुला (हरियाणा) 134113, घोषणा करती हूं कि मैंने अपना नाम अपूर्वा जैन से बदलकर अपूर्वा बंसल कर लिया है।

मैं, संख्या- 14468495ए, हवलदार बलकार सिंह (सेवानिवृत्त), स्वर्गीय श्री बसंत सिंह घोत्रा का पुत्र, मकान संख्या 36, ग्राम अहमदपुर (303), डाकघर अकबरपुर, तहसील नारायणगढ़, जिला अंबाला, हरियाणा, पिन कोड- 134203, यह घोषणा करता हूँ कि मैं अपनी पत्नी (सुखविंदर कौर घोत्रा) का नाम उनके आधार कार्ड और पासपोर्ट के अनुसार अपने स्पर्श/पीपीओ में सुधार करवाना चाहता हूँ, जो कि गलती से सुखविंदर कौर लिखा गया है। साथ ही, मैं अपनी पत्नी (सुखविंदर कौर घोत्रा) की जन्मतिथि 11 मार्च, 1967 को उनके आधार कार्ड और पासपोर्ट के अनुसार अपने Sparsh/पीपीओ में दर्ज करवाना चाहता हूँ।

मैं, संख्या- IC29558X, लेफ्टिनेंट कर्नल, जोगिंदर सिंह अटवाल (सेवानिवृत्त), पुत्र श्री पाखर सिंह अटवाल, मकान संख्या 1122 सेक्टर-70, एसएएस नगर (मोहाली), पंजाब, पिन कोड-160071 का स्थायी निवासी हु वर्तमान में मकान संख्या 199, सेक्टर-ए जोशी एन्क्लेव, चंडीगढ़ कैंट, पंचकुला (हरियाणा) में निवास करता हूँ, यह घोषणा करता हूँ कि मैं अपनी पत्नी का नाम उनके आधार कार्ड और पैन कार्ड के अनुसार अपने स्पर्श/पीपीओ में जितिन्द्र कौर अटवाल के रूप में सही करवाना चाहता हूँ, जो मेरे स्पर्श/पीपीओ नंबर में गलती से जतिंदर अटवाल लिखा हुआ है।
एपी-6175

मैं, राजेश पुत्र बलवान सिंह वासी मकान नं-4174 सैक्टर-46डी चंडीगढ़ ने अपना नाम बदलकर राजेश कुमार रखा है।

मैं, सावित्री पत्नी राजेश कुमार वासी मकान नं-4174 सैक्टर-46डी चंडीगढ़ ने अपना नाम बदलकर सावित्री देवी रखा है।

मैं, अमनदीप सिंह पुत्र तजिंदर जीत सिंह वासी मकान नं 413-आर, नजदीक अरुण गुप्ता हॉस्पिटल, मॉडल टाउन, यमुनानगर ने अपना नाम बदलकर अमनदीप सिंह से अमनदीप सिंह (सिंह उपनाम) रखा है।

मैं, Ruchira पत्नी अरुण चोपड़ा वासी मकान नं.68, नजदीक सरीन Homeo Laboratories, गाँधी धाम, जगाधरी, यमुनानगर ने अपना नाम बदलकर Ruchira से Ruchira सरीन रखा है।

मैं, प्रीती Jaryal पत्नी नीरज वासी मकान नं 1889 ए नेता जी कॉलोनी नजदीक फैंसी टेलर, हिसार हरियाणा-125001. ब्यान करती हूँ की मैंने अपना नाम बदलकर प्रीती Jaryal से प्रीती Jariyal रखा है, भविष्य के सभी कार्यो के लिए।

मैं, सिमरन पुत्री जयपाल सिंह वासी मकान नं 5, मनोहर कॉलोनी, पटेल नगर, हिसार हरियाणा- 125001. ब्यान करती हूँ की मैंने अपना नाम बदलकर सिमरन से सिमरन Bhari रखा है, भविष्य के सभी कार्यो के लिए।

मैं, इंद्रा Bhari पत्नी जयपाल सिंह वासी मकान नं 5, मनोहर कॉलोनी, पटेल नगर, हिसार हरियाणा -125001. ब्यान करती हूँ की मैंने अपना नाम बदलकर इंद्रा Bhari से इंद्रा Pati रखा है, भविष्य के सभी कार्यो के लिए।

मैं, जयपाल सिंह Bhari पुत्र सुल्तान सिंह वासी मकान नं 5, मनोहर कॉलोनी, पटेल नगर, हिसार हरियाणा 125001 ब्यान करता हूँ की मैंने अपना नाम बदलकर जयपाल सिंह Bhari से जयपाल सिंह रखा है, भविष्य के सभी कार्यो के लिए।

मैं, Sahab सिंह पुत्र छोटू राम वासी मकान नं 148, गली नं. 6 ए, नजदीक महादेव मंदिर, बसंत विहार, करनाल ब्यान करता हूँ की मैंने अपना नाम बदलकर Shahab सिंह मलिक से Sahab सिंह रखा है।

मैं, सुभाष मित्तल पुत्र सत्य नारायणा मित्तल वासी 3872 सैक्टर 32 डी चंडीगढ़ ने अपना नाम बदलकर सुभाष चन्दर रखा है

मैं, राजिंदर सिंह पुत्र नारायण सिंह निवासी ग्राम दमनहेड़ी, राजपुरा, पटियाला, पंजाब, ब्यान करता हूँ कि मेरी मृतक पत्नी का नाम मेरे पुराने पासपोर्ट संख्या H2378895 में Paramjeet Kaur दर्ज है, जबकि उनके सभी पहचान पत्रों और मृत्यु प्रमाण पत्र के अनुसार उनका वास्तविक नाम Paramjit Kaur था। कृपया इसे तदनुसार संशोधित करें।
एपी-6177

मैं, निखिल जैन पुत्र सुशील कुमार जैन निवासी 180, वार्ड नंबर 3, पुरानी अनाज मंडी, गोहाना-131301, सोनीपत ने भविष्य के सभी उद्देश्यों के लिए अपना नाम निखिल से बदलकर निखिल जैन रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए।

मैं, सुशील कुमारी पत्नी श्री विनोद कुमार निवासी फ्लैट नंबर 304, जी.एच. 71 सेक्टर 20, पंचकूला हरियाणा ने अपना नाम सुशील कुमारी से बदलकर सुशील कुमारी अहीर रख लिया है।

मैं, रवीना पुत्री श्री विजय पाल सिंह, निवासी मकान नंबर 352, शास्त्री नगर, मनीमाजरा, चंडीगढ़, ने अपना नाम रवीना से बदलकर रवीना धनौला कर लिया है।

मैं, नंबर 14681994X रैंक नायक नाम विनित कुमार सिंह पुत्र रविन्द्र सिंह आर/ओ विलेज करणपुरा मढ़िया पोस्ट करणपुरा तहसील -गोरेयाकोठी, जिला -सीवान (बिहार) पिन कोड 841506 घोषित करता हूं कि मेरे सेना के रिकॉर्ड में मेरे पिता का नाम गलती से रबिंद्र सिंह लिखा गया है, जबकि उनका सही नाम रविन्द्र सिंह हैं।

मैं, पिस्ता देवी, आर्मी नम्बर 14670797एम, रैंक- हवलदार, नाम- प्रदीप कुमार रावत, स्थायी निवासी- माट मथुरा, उत्तर प्रदेश-281202, मेरे पति के सेना सेवा रिकॉर्ड में मेरा नाम गलती से पिस्ता भारद्वाज दर्ज है जो गलत है, मेरा सही नाम पिस्ता देवी है, कृपया मेरा नाम सही किया जाये।

मैं, आर्मी नम्बर 14661368एम, रैंक- हवलदार, नाम- शंकर करबसनवर, पिता- मल्लप्पा, स्थायी निवासी- कुरनी, बेलगाँव, कर्नाटक-591221, मेरे सेना सेवा रिकॉर्ड में मेरी पुत्री का नाम गलती से प्रतीक्षा दर्ज है, जबकि उसका सही नाम प्रतीक्षा शंकर करबसनवर है। कृपया मेरी बेटी का नाम ठीक किया जाये।

मैं, अश्विनी शंकर करबसनवर, पत्नी, आर्मी नम्बर 14661368एम, रैंक- हवलदार, नाम- शंकर करबसनवर, स्थायी निवासी- कुरनी, बेलगाँव, कर्नाटक-591221, मेरे पति के सेना सेवा रिकॉर्ड मे मेरा नाम गलती से अश्विनी लिखा गया है। जबकि मेरा सही नाम अश्विनी शंकर करबसनवर है। कृपया मेरा नाम ठीक किया जाये।

मैं, पुष्पा पवार, पत्नी आर्मी नम्बर 17002932के, रैंक- नायक, नाम- प्रदीप, स्थायी निवासी- अंबा चंदन, डाकघर- महू, जिला- इंदौर, मध्य प्रदेश- 453441, मेरे पति के सेना सेवा रिकॉर्ड में मेरा नाम गलती से पुष्पा कश्यप दर्ज किया गया है, अब मैंने अपना नाम पुष्पा कश्यप से बदलकर पुष्पा पवार रख लिया है। कृपया मेरे पति के आर्मी रिकॉर्ड मे ठीक करें।

मैं, स्वाति पुत्री श्री राम शरण निवासी गांव भट्टोवाला, पोस्ट ऑफिस दयालगढ़, तहसील व्यासपुर, जिला यमुनानगर घोषणा करती हूँ की मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम सवती और मेरे पिता का नाम राम शर्ण दर्ज है जो की गलत है . यह की मेरा सही नाम स्वाति और मेरे पिता सही का नाम राम शरण है।
एपी-6176

बेदखली सूचना

मैं, इन्द्रजीत आनन्द पुत्र स्वर्गीय श्री राम सरूप, निवासी #3590, सेक्टर 37-डी, चंडीगढ़ घोषणा करता हूं कि मेरा पुत्र हार्दिक आनंद मेरे कहने से बाहर है। इसलिए मैं उसे अपनी सभी चल और अचल संपतियों से बेदखल करता हूं। भविष्य में उससे लेन-देन करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा।
एपी-6164

मैं, सुनील दत्त (आधार नंबर 3427 8498 2808) पुत्र श्री किशन चंद निवासी ग्राम बरोट, तहसील लाडवा, जिला कुरुक्षेत्र घोषणा करता हूँ कि मेरा बेटा अभीषेक मेरे कहने सुनने से बाहर है ।इसीलिए मैं उसे अपनी चल अचल सम्पति से बेदखल करता हूँ ।जो कोई भी उस से लेन - देन करेगा वो खुद जिम्मेवार होगा।
एपी-6178

मैं, राम नाथ पुत्र मिल्खी राम निवासी मकान नंबर 127, गली नंबर 10, शांति नगर, मनीमाजरा, चंडीगढ़ सूचित करता हूँ कि मेरे पुत्र विजय कुमार और बहू राजवीर कौर मेरे कहने सुनने से बाहर हैं। इसलिए मैं इनको अपनी सभी चल और अचल संपत्तियों से बेदखल करता हूँ। इनसे लेन देन करने वाला खुद जिम्मेदार होगा।
एपी-6180

मैं, सोनू पुत्र श्री बलवान सिंह निवासी वार्ड नं-1 मोर चौक बड़ौदा रोड, गोहाना, सोनीपत में अपने लड़के नीरज को अपनी तमाम चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं क्योंकि यह मेरे व मेरे परिवार के कहने सुनने से बाहर है भविष्य में इनसे लेनदेन करने वाला स्वयं जिम्मेदार होगा।
एपी-6176

MATRIMONIAL

Divorcee Brahmin Himachali boy 5'7", 43 years , MBA , well settled, own firm, 3 sisters all married, only son. preference to Himachali/ Uttrakhandi Girl. 9818898825 , 8076939693.
एपी-6166

आवश्यक सूचना

अर्थ प्रकाश में क्लासीफाइड विज्ञापन देने के लिए 9988934664 पर संपर्क करें।

अर्थ प्रकाश
समाचार पत्र में अपना विज्ञापन लेकर अपने व्यापार को लाभांवित करें

आवश्यक सूचना

अर्थ प्रकाश (हाउस ऑफ प्रिंट एंड डिजिटल मीडिया) का इस समाचार पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/ क्लासीफाइड) के तथ्यों संबंधी कोई दायित्व नहीं है। हमारा समाचार पत्र इनको सत्यापित नहीं करता है। किसी भी प्रकार के विज्ञापनों में पाठकों से विनती है कि वह कोई भी प्रतिक्रिया करने से पहले, विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पूर्व तथ्यों की स्वयं पुष्टि कर लें। यह समाचार पत्र उपरोक्त किसी भी विज्ञापन के प्रति उत्तरदायी नहीं होगा।

एचएसवीपी ने भूमि आवंटन के लिए जारी किया पत्र, श्रम मंत्री की पहल से परियोजना ने पकड़ी तेज रफ्तार

सेक्टर-33 में 100 बिस्तरों का ईएसआईसी आधुनिक अस्पताल के निर्माण के लिए भूमि हुई अलॉट : विज

हजारों औद्योगिक श्रमिकों और उनके परिवारों को मिलेगा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य लाभ

अर्थ प्रकाश संवाददाता

अंबाला, 12 दिसंबर। हरियाणा के श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि अंबाला छावनी में कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) द्वारा 100 बिस्तरों का अत्याधुनिक अस्पताल स्थापित किया जाएगा और इस बारे में गत दिवस हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा भूमि आवंटन पत्र जारी कर दिया गया है।

श्री विज ने बताया कि यह आधुनिक अस्पताल अम्बाला छावनी के सेक्टर 33 में स्थापित होगा। उन्होंने बताया कि इस अस्पताल के स्थापित होने से अम्बाला सहित आसपास के जिलों के हजारों श्रमिकों व उनके परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया हो पाएंगी।

इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए श्रम मंत्री अनिल विज ने बताया कि हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) द्वारा ईएसआईसी के क्षेत्रीय निदेशक को भूमि आवंटन का पत्र जारी कर दिया है। इसके पश्चात् ईएसआईसी द्वारा भूमि भुगतान कर अस्पताल का निर्माण कार्य शीघ्र शुरू किया जाएगा।

श्रम मंत्री ने कहा कि अंबाला छावनी व साहा औद्योगिक क्षेत्र अंबाला छावनी सेक्टर-33 के साथ ही स्थित है, जहाँ हजारों श्रमिक कार्यरत हैं। इन सभी बीमित कर्मचारियों और उनके आश्रितों को इस अस्पताल से सीधा लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने इस परियोजना को अंबाला छावनी और आसपास के क्षेत्रों और समीपवर्ती जिलों के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं इस परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए पिछले काफी समय से लगातार केंद्र सरकार और संबंधित विभागों के साथ समन्वय बनाए हुए हैं। इस अस्पताल की स्थापना अंबाला के बीमित समुदाय के लिए बेहतर, समयबद्ध और मरीज-केंद्रित स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने बताया कि अस्पताल में सभी अत्याधुनिक सुविधाएँ, जैसे कि मेडिसिन, सर्जरी, प्रसूति एवं स्त्री रोग, बाल रोग, अस्थि रोग, ईएनटी, नेत्र रोग, त्वचा रोग, मनोरोग और आपातकालीन चिकित्सा जैसी प्रमुख सेवाएँ प्रदान करेगा। अस्पताल में 24म7 आपातकालीन व ट्रॉमा केयर, आधुनिक आईसीयू, उन्नत जांच सुविधाएँ, तथा इन-पेशेंट, आउट-पेशेंट और डे-केयर सेवाएँ उपलब्ध रहेंगी, ताकि बीमित व्यक्तियों को समय पर और उचित उपचार मिल सके।

कष्ट निवारण समिति की बैठक में आज कई केस हुए हल

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने आज कैथल में जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक के उपरांत पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि आज की बैठक में काफी मामलों को हल किया गया है और सबसे बड़ी बात है कि जो अलग-अलग शिकायतकर्ता थे, उन्होंने अधिकारियों का धन्यवाद किया है। उन्होंने कहा कि आज एक मामले में पुलिस कर्मचारी को सस्पेंड किया गया है। एक प्रश्न का जवाब देते हुए ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि समिति की बैठक का एक सिस्टम है, यहां इतने सारे केस नहीं सुने जा सकते। डीसी के माध्यम से जो केस बैठक में आते है उनकी वह सुनवाई करते है और निवारण करते हैं। वीआईपी नंबर की बोली एक करोड़ 17 लाख लगाने वाले की संपत्ति की जांच कराने के लिए कहा गया था। बोली लगाने वाले व्यक्ति की संपत्ति की जांच कराने को कहा है और यह मामला अभी चल रहा है। वहीं, कैथल में अतिक्रमण बढ़ने के सवाल पर ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि इस मामले में नगर परिषद को कार्रवाई व लोगों को भी सहयोग करना चाहिए। बिना सहयोग के यह संभव नहीं है।

पाई-सिसमौर रोड पर बने गहरे गड्ढों से बढ़ा खतरा, ग्रामीण चिंतित, विधायक से लगाई गुहार

अर्थ प्रकाश/कृष्ण प्रजापति

पुंडरी, 12 दिसंबर। हल्के के गांव पाई में पाईङ्कसिसमोर रोड पर स्थित सरकारी स्कूल के सामने सड़क पर 2 से 3 फीट तक गहरे गड्ढे बनने से स्थानीय लोगों में रोष है। इन गड्ढों की वजह से रोजाना स्कूल आने-जाने वाले बच्चे गंभीर जोखिम का सामना कर रहे हैं। साइकिल से स्कूल आने वाले कई बच्चे पहले ही चोटिल हो चुके हैं। ग्रामीणों ने बताया कि स्कूल समय में सड़क से गुजरने वाली वैन कई बार गहरे गड्ढों में फंसकर पलटते-पलटते बची, जिससे बड़ा हादसा होने की आशंका लगातार बनी रहती है। माता-पिता भी बच्चों की सुरक्षा को लेकर बेहद चिंतित हैं।

ग्रामीणों ने विधायक से लगाई गुहारः स्थानीय निवासियों ने पुंडरी विधायक सतपाल जांबा से मांग करते हुए कहा कि स्कूल के सामने बने इन खतरनाक गड्ढों की तुरंत मरम्मत करवाई जाए, ताकि कोई अनहोनी न हो।

स्पीड ब्रेकर लगाने की भी उठाई मांगः ग्रामीणों ने बताया कि छुट्टी के समय कई वाहन तेज गति से स्कूल के सामने से गुजरते हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा और बढ़ जाता है। इसलिए यहां स्पीड ब्रेकर लगवाना बेहद जरूरी है, ताकि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। ग्रामीणों ने प्रशासन से भी अपील करते हुए कहा कि इस गंभीर स्थिति पर तुरंत संज्ञान लेते हुए सड़क की मरम्मत और सुरक्षा उपाय जल्द से जल्द लागू किए जाएं।

न्यूज ब्रीफ

वार्षिक स्पोर्ट्स मीट का आयोजन

लाडवा (अप्रस/विकास कश्यप)। लाडवा के डिस्कवरी वर्ल्ड स्कूल में वार्षिक स्पोर्ट्स मीट का आयोजन किया गया। यह जानकारी स्कूल की प्रधानाचार्य रूबी त्यागी ने दी। उन्होंने स्पोर्ट्स मीट का शुभारंभ करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ बच्चों को खेलों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। खलों से बच्चों को मानसिक व शारीरिक विकास होता है। उन्होंने सभी को प्रोत्साहित किया और विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने बच्चों को बताया कि खेल को खेल भावना से खेलना चाहिए न कि हार जीत की। स्कूल के पी.टी.आई ने बच्चों के लिए अनेक खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की। कक्षा मोंट-1 से मोंट 3 तक के बच्चों ने हॉकी बैलेंस रेस, चेयर रेस, स्पून रेस और सिंपल रेस में भाग लिया। कक्षा 1 से कक्षा 10 तक के छात्रों ने सिंपल रेस, हर्डल रेस,बाल बैक थ्रो, टग ऑफ वार और बैडमिंटन सहित विभिन्न खेलों में भाग लिया। बच्चों ने इन प्रतियोगिताओं में उत्साह पूर्वक भाग लिया और बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। इस दौरान बच्चों को मेडल और पुरस्कार भी वितरित किए गए। इस अवसर पर स्कूल का अन्य स्टाफ भी मौजूद था।

रेलवे ट्रैक पर मिला नाबालिग पीयूष का शव

टोहाना (अप्रस/संजीव सिंगला)। शहर के बलियाला हेड के पास रेलवे ट्रैक से एक नाबालिक लड़के का शव मिला है परिजन ने दो युवकों पर नाबालिक की हत्या का आरोप लगाया है मृतक नाबालिग शव की पहचान 16 वर्षीय पियूष जो की शक्ति नगर कॉलोनी के निवासी के रूप में हुई है। थाना शहर टोहाना में आए पियूष के पिता दीपक ने बताया कि उनका बेटा पीयूष एक सलून में काम सीख रहा था जिसका मालिक वेद प्रकाश है उसकी दुकान पर 9 दिसंबर शाम को 6ः00 बजे दो नवयुवक जिनके नाम सुरेंद्र व अमन है वह आये और उसे बुला कर ले गए उसी दिन शाम को फिर 7 :30 पर पीयूष के का मोबाइल कॉल आई की 15 मिनट में वह घर पर आ रहा है और उसके बाद उसका फोन बंद हो गया जिसके बाद पिता दीपक ने सुरेंद्र और अमन से मिलने की कोशिश करी लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका और करीब 10ः30 पर सुरेंद्र ने दीपक को फोन कर बताया कि उन्होंने पियूष को शाम को 7ः30 पर ही ढाब बस्ती के नजदीक छोड़ दिया था। दीपक मृतक के पिता का आरोप है कि आरोपियों ने मृतक पियूष को पहले शराब पिलाई फिर उसके साथ मारपीट की जब वह अपनी सद्बुद्धि खो चुका था तब उसे रेलवे ट्रैक पर लेटा दिया और ट्रेन की चपेट में आने से पीयूष की मौत हो गई। परिजनों ने आसपास के सभी सीसीटीवी कैमरे भी चेक किए हैं जिसमें आरोपीय पियूष को साथ लेकर जाते भी देखे गए हैं पिता ने बताया कि करीब एक सप्ताह के आरोपी पियूष को मिलने आते थे और उन्हें किसी पुरानी रंजिश के चलते हत्या का संदेह है। रेलवे चौकी इंचार्ज राधेश्याम ने बताया कि टोहाना पुलिस को सूचना दे दी गई है और पुलिस तत्काल से कार्रवाई में लगी है पुलिस ने मौके से शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल के शव ग्रह में शव को रखवा दिया है परिजनों के बयान दर्ज करने के बाद बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

युवक ने फंदा लगाकर की जीवनलीला समाप्त

लाडवा (अप्रस/विकास कश्यप)। लाडवा में एक युवक द्वारा गले में फंदा लगाकर उसी दुकान पर सुसाइड़ कर लिया, जिस पर वह काम करता था। मृतक युवक की पहचान अरुण निवासी धानोखेड़ी थाना इंद्री के रूप में हुई है। लाडवा पुलिस ने सुचना मिलते ही शव को कब्जे में लेकर शव को पोस्टर्माटम के लिए भेज दिया गया था। युवक द्वारा किस कारण सुसाइड किया उसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी। मिली जानकारी के अनुसार करीब 21 वर्षीय अरुण कुमार निवासी धानोखेड़ी थाना इंद्री लाडवा के ठाकुरी देवी स्कूल के सामने एक सैलून की दुकान पर काम करता था। वीरवार रात्रि को करीब 8 बजे युवक अरुण ने गले में फंदा लगाकर दुकान में सुसाइड कर लिया। सुसाइड करने के कारणों का तो पता नहीं चल पाया, लेकिन सुसाइड के समय मृतक अरुण दुकान में अकेला ही था। पुलिस के मुताबिक अरुण इस दुकान पर कई साल से काम कर रहा था। वीरवार रात्रि को करीब आठ बजे के बाद सैलुन पर आए एक ग्राहक ने देखा की अरुण ने गले में फंदा लगाकर लटका हुआ था। ग्राहक ने इसकी सुचना लाडवा पुलिस को दी। सुचना मिलते ही लाडवा पुलिस मौके पर पहुंच गई और मृतक के परिजनों को सुचित कर शव को नीचे उताराकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। मृतक युवक की गत माह ही शादी हुई थी। मृतक तीन भाई बताए जाते है है और मृतक अरुण व इसके छोटे भाई की शादी एक साथ ही गत माह को हुई थी। बताया जाता है कि शादी के बाद से ही मृतक परेशान सा रहता था। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परजिनों को सौंप दिया है।

जग ज्योति दरबार में होगा सफला एकादशी पर विशेष पूजन

कुरुक्षेत्र (अप्रस/अमित)। जग ज्योति दरबार में महंत राजेंद्र पुरी एवं अन्य संतों द्वारा सफला एकादशी के अवसर पर श्रद्धालुओं के साथ सर्वकल्याण की भावना से विशेष पूजन होगा। यह पूजन 15 दिसम्बर को मंत्रोच्चारण के साथ होगा तथा इसी अवसर पर हवन यज्ञ भी होगा। महंत राजेंद्र पुरी ने बताया कि इस दिन भगवान श्रीकृष्ण व भगवान विष्णु की उपासना से भी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इस पूजन को करने से व्यक्ति को हर क्षेत्र में सफलता मिलती है। इस पूजन को करने का पुण्य 100 राज सूर्य यज्ञ और 1000 अश्वमेध यज्ञ के फल के बराबर माना गया है। उन्होंने कहा कि इसी के साथ सफला एकादशी के दिन सोमवार का दिन होने के कारण भगवान शिव की आराधना भी होगी। महंत राजेंद्र पुरी ने बताया कि पौष महीने के कृष्ण पक्ष की एकादशी को सफला एकादशी के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि एकादशी का पूजन करने से धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

ब्राइट फ्यूचर अकाल अकैडमी में तीन दिवसीय वार्षिक खेल समारोह का भव्य समापन

अर्थ प्रकाश/सचिन मलिक

मुलाना, 12 दिसंबर। ब्राइट फ्यूचर अकाल अकेडमी खानअहमदपुर में तीन दिवसीय में वार्षिक खेल समारोह बड़ी धूमधाम और उत्साह से आयोजित किया गया । इस समारोह में नर्सरी से लेकर कक्षा बारहवीं तक के सभी विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

समारोह की शुरुआत 10 दिसंबर को %जूनियर स्पोर्ट्स डे% के साथ हुई। पहले दिन छोटे बच्चों के लिए कई मजेदार और मनोरंजक खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें नर्सरी और प्राइमरी कक्षाओं के बच्चों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ हिस्सा लिया। ?दूसरे दिन, 11 दिसंबर को एथलेटिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रविदासिया मंच के 108 राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबा मनदीप दास जी डेरा सिरसगढ़, युवा कांग्रेस प्रेसिडेंट डिप्टी होली, और मास्टर सुभाष धीन ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। मुख्य अतिथियों ने ट्रैक एंड फील्ड इवेंट्स में शानदार प्रदर्शन करने वाले विजयी खिलाड़ियों को मेडल और सम्मान चिन्ह प्रदान कर उनका हौसला बढ़ाया।

खेल समारोह का समापन 12 दिसंबर को हुआ, जिसमें मुख्य रूप से टीम गेम्स का आयोजन किया गया। इस दिन नगरपालिका चेयरमैन रजत मलिक ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उनके साथ, स. सुखविंदर सिंह (मंडेबर), हरियाणा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी से स. गुरवीर सिंह और स राजिंदर सिंह , मा.गुरचरण सिंह दर्दी , और बाबा जसदीप सिंह जी गुरुद्वारा गोबिंदपुरा भंबोली, पूर्व सचिव गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी सङ् सुखविंदर सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

वास्तविक पात्र परिवारों को प्राथमिकता के साथ सौंपी जाए भूमि : शिवकुमार

कुम्हार/प्रजापति समाज को दिए गए भूमि-प्रमाणपत्रों पर दक्ष प्रजापति सेना हरियाणा ने उठाए सवाल

प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और लोक निर्माण मंत्री रणबीर सिंह गंगवा को सौंपा ज्ञापन

अर्थ प्रकाश/कृष्ण प्रजापति

पूंडरी, 12 दिसंबर। हरियाणा में अगस्त 2025 में कुम्हार/प्रजापति समाज को जारी किए गए भूमि-प्रमाणपत्रों पर गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए दक्ष प्रजापति सेना हरियाणा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और लोक निर्माण मंत्री रणबीर सिंह गंगवा को विस्तृत ज्ञापन सौंपा। संगठन ने पूरे प्रदेश में वास्तविक लाभार्थियों को भूमि उपलब्ध न होने और कई स्थानों पर अवैध कब्जों एवं गलत लाभार्थियों की सूची को लेकर कड़ी आपत्ति जताई। संगठन के राज्य प्रतिनिधि शिव कुमार रंगीला ने सीएम व मंत्री को सौंपे ज्ञापन में कहा कि राज्य सरकार द्वारा परंपरागत कुम्हार/प्रजापति समाज के पुनरुत्थान और रोजगार-सहायता हेतु दी गई यह ऐतिहासिक योजना जमीनी स्तर पर लागू ही नहीं हो पाई है। उन्होंने बताया कि पूरे हरियाणा में किसी भी जिले में भूमि की सही निशानदेही पूर्ण नहीं हुई। समाज को वास्तविक भूमि उपयोग का अवसर नहीं मिला।प्रमाणपत्र मिलने के बावजूद वास्तविक उपयोग शुरू नहीं हो पाया।

कई स्थानों पर वह भूमियां पहले से ही अवैध कब्जे, निर्माण और अन्य कार्यों में उपयोगित हैं। कुछ ऐसे लाभार्थियों के नाम भी सूची में शामिल हैं जो सरकारी कर्मचारी, बड़े जमीनदार या कुम्हार/प्रजापति समाज से संबंधित नहीं हैं।

संगठन द्वारा की गई मांगें: पूरे हरियाणा में जिला-स्तरीय विशेष टीम बनाकर तुरंत नई निशानदेही करवाई जाए।

जहां भूमि पर कब्जे या निर्माण मिले, वहां तुरंत अवैध कब्जे हटाकर वैकल्पिक भूमि उपलब्ध करवाई जाए। गलत लाभार्थियों की सूची की जांच कर प्रमाणपत्र रद्द किए जाएं।

वास्तविक पात्र परिवारों को प्राथमिकता के साथ भूमि सौंपी जाए। जिलों से विस्तृत जांच रिपोर्ट सरकार को भेजी जाए।

शिव कुमार रंगीला ने कहा कि यदि वास्तविक कुम्हार/कुंभार परिवारों को जमीन का उपयोग करने का अवसर नहीं मिला, तो यह पूरी योजना अधूरी रह जाएगी और हजारों परिवारों की जीविका प्रभावित होती रहेगी।

उन्होंने मुख्यमंत्री और लोक निर्माण मंत्री से आग्रह किया कि इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर तत्काल कार्रवाई करते हुए योजना को जमीनी स्तर पर प्रभावी बनाया जाए।

सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर, कुरुक्षेत्र में फिर भरेंगे घोड़े हुंकार मगर इस बार पोलो के मैदान में

सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत कुरुक्षेत्र पोलो टीम और कैथल पोलो टीम में होगा पोलो एग्जिबिशन मैच

अर्थ प्रकाश/राजकुमार वालिया

कुरुक्षेत्र, 12 दिसंबर। कुरुक्षेत्र की पवित्र और ऐतिहासिक धरा शनिवार को एक अनूठे खेल आयोजन की साक्षी बनेगी। सांसद खेल महोत्सव 2025 के अंतर्गत क्षेत्र में पहली बार पोलो एग्ज़ीबिशन मैच आयोजित किया जा रहा है, जिसे लेकर स्थानीय खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। यह प्रतियोगिता माननीय सांसद नवीन जिन्दल के मार्गदर्शन में शनिवार, 13 दिसंबर को शाम 3 बजे, जिंदल हाउस, सांवला, कुरुक्षेत्र में आयोजित होगी।

इस एग्ज़ीबिशन मैच में कुरुक्षेत्र पोलो टीम और कैथल पोलो टीम आमने-सामने होंगी।

कुरुक्षेत्र टीम की कप्तानी सांसद नवीन जिन्दल स्वयं करेंगे, और उनके साथ वीर एस शेरगिल, महेश शर्मा, तथा सिद्धांत शर्मा मैदान में उतरेंगे। वहीं कैथल की ओर से प्रणव कपूर टीम की कमान संभालेंगे और उनके साथ अक्षय मलिक, अभ्युदय प्रताप सिंह, तथा कृष्ण इंकैया खेलेंगे। इस मैच के अंपायर की भूमिका अर्जुन अवार्ड से सम्मानित सिमरन एस शेरगिल निभाएंगे।

सांसद खेल महोत्सव के विविध कार्यक्रमों में शामिल यह पोलो एग्ज़ीबिशन मैच ग्रामीण व शहरी युवाओं को इस शौर्यपूर्ण और परंपरा से जुड़े खेल से सीधे जुड़ने का अवसर प्रदान करेगा। आयोजन समिति के अनुसार, मैच ग्राउंड, दर्शक दीर्घा, सुरक्षा सहित सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं, और भारी संख्या में दर्शकों के पहुँचने की संभावना है।

मैच कोऑर्डिनेटर रोहन मेनन ने बताया कि पोलो सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि भारतीय विरासत और गौरव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि माननीय सांसद नवीन जिन्दल के प्रयासों ने पोलो को फिर से नई ऊर्जा दी है और युवाओं में इस खेल के प्रति रुचि बढ़ी है।

इस आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्सुकता चरम पर है। स्थानीय लोग इसे कुरुक्षेत्र में खेल संस्कृति को नई दिशा देने वाला महत्वपूर्ण कदम मान रहे हैं। सांसद नवीन जिन्दल के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाला यह पहला पोलो एग्ज़ीबिशन मैच न केवल रोमांचक खेल अनुभव प्रदान करेगा, बल्कि क्षेत्र में पोलो जैसे ऐतिहासिक और शौर्य-प्रधान खेल के पुनर्जीवन का आधार भी बनेगा।

श्री मारकंडेश्वर महादेव मंदिर में पौष माह का चल रहा है विशेष पूजन

कुरुक्षेत्र (अप्रस/अर्पण वधवा)। मारकंडा नदी के तट पर श्री मारकंडेश्वर महादेव मंदिर ठसका मीरां जी में अखिल भारतीय श्री मारकंडेश्वर जनसेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत जगन्नाथ पुरी एवं अन्य संतों के सान्निध्य में सर्वकल्याण की भावना से हर बार की तरह निरंतर पौष माह का विशेष पूजन किया जा रहा है। यह पूजन 5 दिसम्बर को स्वामी राम नाथ पुरी एवं स्वामी पृथ्वी पुरी ने मंत्रोच्चारण के साथ चंडीग? से आए यजमान देवेंद्र कुमार व अंजनी के परिवार के लिए प्रारम्भ किया। महंत जगन्नाथ पुरी ने पौष माह का महत्व बताया कि धर्म परम्परा में 10 वें महीने को पौष माह के नाम से जाना जाता है। यह माह जगत के पालनहार भगवान विष्णु, सूर्य देव और पितरों को समर्पित है। उन्होंने बताया कि पौष माह में सूर्य देव की पूजा, तर्पण और दान-पुण्य का बहुत महत्व है, जिससे स्वास्थ्य, तेज और समृद्धि मिलती है।

संगमयुग पर परमपिता परमात्मा शिव आकर पत्थर बुद्धि से पारस बुद्धि बनाते हैं : बीके सरोज

अर्थ प्रकाश/राजकुमार वालिया

कुरुक्षेत्र, 12 दिसंबर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, कुरुक्षेत्र सेवा केन्द्र की प्रभारी बी.के. सरोज बहन ने प्रातः काल की क्लास में बताया कि हमारा लक्ष्य है अमरलोक का देवता बनना।

अब संगमयुग पर परमपिता परमात्मा शिव आकर पत्थर बुद्धि से पारस बुद्धि बनाते हैं। आत्मा का वा परमात्मा का रूप बहुत सूक्ष्म है, जिसको स्टार व बिंदु कहते हैं। यह है गॉड फादरली वर्ल्ड युनिवर्सिटी, जिसकी ऐम ऑब्जेक्ट है अमरलोक का देवता बनना। इनको अमरकथा भी कहा जाता है। बहन जी ने बताया कि मनुष्य तो रामराज्य स्थापन कर न सके। रामराज्य कहा ही जाता है सतयुग को। अब पुकारते भी हैं हमारे में कोई गुण नहीं है। अब हमको ऐसा गुणवान बनाओ। जो कल्प पहले बने थे। अब परमपिता परमात्मा शिव समझाते हैं- पहले पहले अपने को आत्मा समझो। आत्मा ही एक शरीर छोड़ दूसरा लेती है। अशरीरी आये थे फिर अशरीरी बन वापिस जाना है। अपने को आत्मा समझकर परमपिता परमात्मा को याद करो। यह है रूहानी यात्रा। आत्मा अपने पिता परमात्मा को याद करती है। याद से ही पाप भस्म हो जायेंगे। सभी को यह पैगाम देना है।छोटे बच्चों का भी हक है। शिव बाबा के बच्चे हैं ना। तो सबको हक है। मनमना भव की यह ऐसी दवाई है, जिससे 21 जन्मों के लिए पवित्र बन जाते हैं । इस अवसर पर सर्व बी. के. सुदेश, हीरा देवी, राज रानी, सुनीता देवी, भानमति, जरनैल कौर, पूजा देवी, बी. के. डॉ प्रवीण महाजन, रणधीर सिंह, डॉ आर डी शर्मा, कृष्ण कुमार, श्याम लाल, नरेश अग्रवाल के साथ सभी बहन भाई मौजूद रहे।

जिला बनेगा औद्योगिक रोजगार सृजन और औद्योगिक विकास का अग्रणी केंद्र : उपायुक्त

अर्थ प्रकाश/सुभाष जैन

पानीपत, 11 दिसंबर। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड ने क्षेत्रीय योजना 2041 के तहत शिक्षा और कौशल विकास को मजबूत बनाने के लिए कार्यात्मक योजना तैयार करने की दिशा में कार्य प्रारम्भ कर दिया है। इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए रुद्राभिषेक एन्टर प्राइजेज लिमिटेड को परामर्शदाता संस्था के रूप में अधिकृत किया गया है। परियोजना से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों की बैठकों के बाद परामर्शदाता दल अब जिला स्तर पर स्थिति का विस्तृत अध्ययन करने के लिए मैदान में उतर रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को जिला सचिवालय स्थित उपायुक्त कार्यालय में उपायुक्त डॉ. वीरेंद्र कुमार दहिया के साथ आरईपीएल के सीनियर प्रोजेक्ट मैनेजर रजनीश कुमार ने प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा की।

उपायुक्त डॉ. वीरेंद्र कुमार दहिया ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड द्वारा शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में शुरू की गई यह पहल न केवल क्षेत्रीय महत्व की है, बल्कि पानीपत के भविष्य को नए आयाम देने वाली है। पानीपत एक ऐतिहासिक, औद्योगिक और सांस्कृतिक महत्व वाला जिला है। यहां की प्रसिद्ध हस्तशिल्प परंपराएँ, कपड़ा उद्योग, निर्यात आधारित इकाइयां और उभरती हुई नई औद्योगिक गतिविधियाँ इस बात का प्रमाण हैं कि यदि युवाओं को सही दिशा में कौशल प्रदान किया जाए, तो यह जिला रोजगार सृजन और औद्योगिक विकास का एक अग्रणी केंद्र बन सकता है।

उपायुक्त ने बताया कि जिला प्रशासन इस परियोजना को अत्यधिक गंभीरता से ले रहा है। हमारा उद्देश्य है कि शिक्षा और कौशल विकास की योजनाएँ केवल कागज़ों तक सीमित न रहें, बल्कि जमीन पर उनका प्रभाव साफ दिखाई दे। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि परामर्शदाता दल को पूर्ण सहयोग मिले, सभी कार्यालय समय पर जानकारी उपलब्ध कराएँ और जिले के विभिन्न क्षेत्रों में वास्तविक स्थिति का स्पष्ट चित्र उनके सामने आए।

नरवाना में बंदरों का आतंक : बाजार से अस्पताल तक दहशत में लोग

अर्थ प्रकाश/हितेश गर्ग

नरवाना, 11 दिसंबर। शहर के मुख्य क्षेत्रों में बंदरों का आतंक इस कदर बढ़ गया है कि आम लोगों का घर से निकलना भी मुश्किल होता जा रहा है। नरवाना के सामान्य अस्पताल, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड समेत शहर के प्रमुख मार्गों पर बंदरों के झुंड खुलेआम घूमते नजर आते हैं। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि यदि कोई व्यक्ति फल, सब्जी या खाने-पीने की कोई भी वस्तु लेकर चलता है, तो बंदरों का झुंड उस पर अचानक टूट पड़ता है। कई लोग बंदरों के हमले में घायल भी हो चुके हैं। शहरवासी लगातार प्रशासन से गुहार लगा रहे हैं कि उन्हें इस बढ़ते खतरे से जल्द निजात दिलाई जाए। शुक्रवार को संजय मार्केट क्षेत्र में हालात और अधिक भयावह हो गए। मार्केट में बंदरों के दो झुंड आपस में भिड़ गए और लड़ाई करते-करते अचानक दुकानदारों और राहगीरों की तरफ दौड़ पड़े। इससे पूरे बाजार में अफरा-तफरी मच गई। कई दुकानदार अपनी दुकानें छोड़कर भागने लगे और राहगीरों ने जान बचाने के लिए दुकानों के अंदर व गलियों में शरण लेनी पड़ी। लोगों ने बताया कि बंदरों की आक्रामकता लगातार बढ़ रही है, जिससे रोजमर्रा का कामकाज बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

दुकानदारों का कहना है कि जैसे ही कोई व्यक्ति बंदरों को भगाने की कोशिश करता है, वे उल्टा और ज्यादा आक्रामक हो जाते हैं। इससे लोगों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। राहगीरों के घायल होने की आशंका हर वक्त बनी रहती है और बच्चे-बुजुर्ग सबसे अधिक जोखिम में हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर परिषद और प्रशासन इस गंभीर समस्या की ओर अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठा पाया है। बंदर पकड़ने के लिए टेंडर लगाए जाने की चर्चा लंबे समय से चल रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आ रही। लोगों का सवाल है कि आखिर कब उन्हें इस आतंक से राहत मिलेगी और कब उनके बच्चे सुरक्षित सड़क पर चल सकेंगे।

इस मामले में नगर परिषद के ईओ रविंद्र से कई बार संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन कॉल ना उठाने के कारण उनके नंबर से संपर्क नहीं हो पाया इससे लोगों में प्रशासन की लापरवाही को लेकर नाराजगी और बढ़ गई है।

नगर परिषद की चेयरपर्सन मुकेश मिर्धा ने बताया कि पहले टेंडर लगाकर करीब 450 बंदरों को पकड़ा गया था और उस दौरान स्थिति में काफी सुधार भी हुआ था। लेकिन बंदरों की संख्या दोबारा बढ़ने के कारण अब फिर से टेंडर लगाने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि जल्द ही इस विषय पर मीटिंग बुलाकर नया टेंडर जारी किया जाएगा, ताकि शहरवासियों को बंदरों के आतंक से राहत मिल सके। उन्होंने आश्वासन दिया कि नगर परिषद इस समस्या को गंभीरता से ले रही है और समाधान प्राथमिकता पर किया जाएगा। शहर के लोग अब उम्मीद लगाए बैठे हैं कि जल्द ही प्रशासनिक स्तर पर प्रभावी कदम उठाए जाएंगे, जिससे वे बिना डर के अपने रोजमर्रा के काम कर सकें और शहर में फिर से शांति और सुरक्षा का माहौल लौट सके।

जम्मू की रहस्यमयी शिवखोड़ी गुफा: जहां आज भी शिव के निवास का विश्वास

आज भी माना जाता है कि भगवान शिव अपने परिवार के साथ कैलाश पर्वत पर निवास करते हैं। वहां पर भगवान शिव के साथ मां पार्वती, कार्तिकेय और भगवान गणेश रहते हैं। लेकिन एक मान्यता यह भी है कि भगवान शिव कैलाश पर्वत पर नहीं बल्कि जम्मू-कश्मीर की एक गुफा में रहते हैं। जम्मू-कश्मीर के लोगों में यह गुफा काफी ज्यादा प्रसिद्ध है। स्थानीय लोगों के मुताबिक यह गुफा भगवान भोलेनाथ का निवास स्थान है। इस गुफा को शिवखोड़ी के नाम से जाना जाता है।

दरअसल यह एक गुफा नहीं बल्कि एक तरह की सुरंग लगती है। जिसके बारे में कहा जाता है कि इस गुफा का दूसरा छोर सीधा अमरनाथ की गुफा में जाकर खुलती है। जम्मू से करीब 140 किमी की दूरी पर ऊधमपुर नामक जगह पर भोलेनाथ की यह चमत्कारी गुफा स्थित है। शिवखोड़ी नामक इस गुफा के अंदर जाने की कोई भी हिम्मत नहीं करता है।

यहां के स्थानीय लोगों की मानें, तो प्राचीन समय में इसी गुफा से होकर साधु-संत बाबा अमरनाथ के दर्शन के लिए जाते थे। लेकिन कलियुग में ऐसा

कोई नहीं है, जो इस गुफा में प्रवेश करने की हिम्मत रखता हो। अगर कोई इस गुफा में जाए भी तो वह लौटकर वापस नहीं आता है।

इस गुफा की एक खासियत और भी है, जो इसको बाबा अमरनाथ गुफा की तरह चमत्कारी बनाती है। जिस तरह से बाबा अमरनाथ की गुफा का शिवलिंग प्राकृतिक है, ठीक उसी तरह से शिव खोड़ी गुफा का शिवलिंग भी अपने आप बना है। इसको किसी ने बनाया नहीं है, लेकिन अंतर सिर्फ इतना है कि यह शिवलिंग बर्फ से नहीं बना है। यह शिवलिंग चट्टान द्वारा लिए गए आकार की वजह से बना है। जिसको लोग स्वयं भगवान शिव का आशीर्वाद मानकर इसकी पूजा-अर्चना करते हैं।

भगवान भोलेनाथ का निवास कही जाने वाली शिवखोड़ी गुफा 3 मीटर ऊंची और 200 मीटर लंबी है। यह गुफा 1 मीटर चौड़ी और 2-3 मीटर ऊंची भी है। इसके साथ ही इस गुफा में कई प्राकृतिक चीजें जैसे मां पार्वती की मूर्ति और नंदी की मूर्ति है। वहीं इस गुफा के छत पर सांप की आकृति भी बनी हुई है।

इस पवित्र गुफा शिवखोरी से जुड़ी एक पौराणिक कथा भी है। मान्यता के अनुसार, इस गुफा को भगवान शिव ने स्वयं बनाया था। कथा के मुताबिक भस्मासुर राक्षस ने कठिन तपस्या करके भगवान शिव को प्रसन्न किया था। इसके बाद भस्मासुर ने भगवान शिव से यह वरदान पाया कि वह जिसके भी सिर पर हाथ रखेगा, वह भस्म हो जाएगा।

भगवान शिव ने उसकी भक्ति से प्रसन्न होकर उसको वरदान दिया, लेकिन वह भस्मासुर की अगली मंशा से अवगत नहीं थे। वरदान मिलते ही भस्मासुर ने भगवान शिव के सिर पर हाथ रखकर उनको भस्म करना चाहता था। जिसके बाद भोलेनाथ और भस्मासुर में भीषण युद्ध हुआ। युद्ध के बाद भी जब भस्मासुर ने हार नहीं मानी, तो भगवान शिव वहां से निकलकर ऊंची पहाड़ी पर पहुंचे और वहां पर एक गुफा बनाकर उसमें छिप गए।

माना जाता है कि शिव खोड़ी वही गुफा है, जहां पर भगवान शिव छिपे थे। उनके छिप जाने के बाद भगवान श्रीहरि विष्णु ने एक सुंदर स्त्री का रूप लिया, जिसको देखकर भस्मासुर मोहित हो गया। सुंदरी रूप में भगवान विष्णु के साथ भस्मासुर नृत्य करने लगा। इस दौरान वह भगवान शिव का दिया वरदान भूल गया और अपने सिर पर हाथ रखकर खुद ही भस्म हो गया। शिव खोड़ी की इस पवित्र गुफा में रोजाना हजारों की संख्या में भक्त मन्नत मांगने आते हैं। माना जाता है कि जो भी भक्त सच्चे मन से यहां आकर मन्नत मांगता है, भगवान शिव उसकी मनोकामना जरूर पूरी करते हैं।

सेवा व आध्यात्मिक अभ्यास एक-दूसरे के पूरक: मुनिश्री विनय कुमार जी

चंडीगढ़। सेवा (निस्वार्थ कर्म) और आध्यात्मिक अभ्यास एक-दूसरे के पूरक हैं; सेवा अहंकार को कम करती है और हृदय को शुद्ध करती है, जिससे आध्यात्मिक विकास होता है, जबकि प्रार्थना, ध्यान जैसे आध्यात्मिक अभ्यास हमें सेवा के लिए आंतरिक शक्ति और सही दृष्टिकोण देते हैं, जिससे हम ईश्वर के प्रेम और मानवता की एकता को अनुभव करते हुए बिना फल की इच्छा के कर्म कर पाते हैं। ये शब्द मनीषी संत मुनिश्री विनय कुमार जी आलोक ने सैक्टर-24सी अणुव्रत भवन तुलसी सभागार मे सभा को संबोधित करते हुए कहे।

मनीषीश्रीसंत ने आगे कहा सेवा और आध्यात्मिक अभ्यास साथ में चलते हैं। जितना आप ध्यान के गहन में जाएंगे उतनी ही दूसरों के साथ बांटने की इच्छा में वृद्धि होगी। जितनी आप दूसरों की सेवा करेंगे उतने ही गुण आप प्राप्त करेंगें। कई लोग सेवा इसलिये करते हैं क्योंकि उससे उन्हें लाभ प्राप्त होता है। जब लोग खुश होते हैं तो उन्हें लगता है कि अतीत में निश्चित ही उन्होंने सेवा की होगी। भगवान आपसे कुछ नहीं चाहता। जब आप कुछ भी करते हैं सिर्फ उसका आनंद प्राप्त करने के लिए और उसमें से कुछ भी नहीं चाहते, वही सेवा है। सेवा से आपको तत्काल संतोष और दीर्घकालिक आनंद प्राप्त होता है। अपने भीतर भगवान को देखना

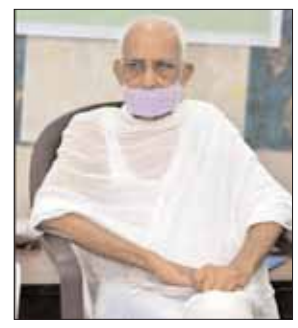

ध्यान है और आपके बाजू के व्यक्ति में भगवान को देखना सेवा है। अक्सर लोगों में भय होता है कि दूसरे लोग उनका शोषण करेंगे यदि वह सेवा करेंगे। सनकी होये बिना सजग और बुद्धिमान रहें। सेवा से योग्यता आती है और ध्यान के गहन में जाने में सहायता मिलती है और ध्यान से आपकी मुस्कुराहट वापस आ जाती है।

मनीशीश्रीसंत ने आगे कहा इसके विपरीत यदि आप खुश नहीं हैं तो फिर सेवा करें इससे आपकी चेतना का विस्तार होगा और आप खुशी का अनुभव करेंगें। जितना आप बांटेंगे उतनी ही शक्ति और प्रचुरता की बौछार आप पर होगी। यह बैंक में जमा पूंजी को बढ़ाने के समान है। जितना आप अपने आपसे खुल जाते हैं उनता ही आप भगवान को अपने में प्रवेश करने का स्थान प्रदान करते हैं। जब आप सेवा को अपने जीवन की सबसे बड़ी प्राथमिकता बना लेते है तो फिर भय समाप्त हो जाता है। मन और अधिक केंद्रित हो जाता है। कृत्य को उद्देश्य मिलने लगता है और दीर्घकालीन आनंद की प्राप्ति होती है। जब आप सेवा करते हैं तब आप में स्वाभाविकता और मानवीय मूल्य निखरने लगता हैं और आपको भय और उदास मुक्त समाज निर्मित करने में सहायता प्राप्त होती है। ऐसी स्थिति में आप अपनी समस्याओं को किस तरह हल करेंगे? तब एक ही उपाय आपके काम आ सकता है।

प्रेम और आभार से परिपूर्ण रहें: अतुल मुनि जी

अतुल मुनि जी ने फरमाया प्रेम और आभार से परिपूर्ण रहें। प्रेम में रहकर अपने भीतर के भय से निकलें। उदासी का सबसे बड़ा और प्रभावी प्रतिकारक सेवा होती है। जिस दिन भी आप निराशाजनक और मंद महसूस कर रहे हों उस दिन अपने घर से निकलें और लोगों से पूछें, 'मैं आपके लिये क्या कर सकता हूँ।' जो आप सेवा करेंगे उससे आपका जीवन के प्रति दृष्टिकोण बदलेगा और आपके भीतर एक आनंद की लहर आएगी क्योंकि आपने किसी के जीवन को मुस्कुराने का मौका दिया है। जब आप प्रश्न करते है, 'मैं ही क्यों' या 'मेरे बारे में क्या' इससे आपको उदासी और निराशा मिलेगी। इसके आलावा कुछ श्वास अभ्यास जैसे सुदर्शन क्रिया करें और प्रतिदिन कुछ मिनटों के लिये मौन धारण करें। इससे आपके मन और शरीर को ऊर्जा मिलेगी और शक्ति में वृद्धि होगी।

आयुर्वेद और विज्ञान के संगम से 'आयुत्रा' की नई पहचान: रवि शर्मा

शुद्ध हर्बल एक्सट्रैक्ट्स पर आधारित उत्पादों को मिल रहा उपभोक्ताओं का भरोसा

आधुनिक तकनीक से तैयार फॉर्मुलेशन दे रहे वास्तविक स्वास्थ्य लाभ

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। बदलती जीवनशैली, अनियमित खानपान और लगातार बढ़ते तनाव ने लोगों की स्वास्थ्य समस्याओं को और अधिक जटिल बना दिया है। ऐसे समय में पारंपरिक आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान के समन्वय से तैयार की गई थेरेपी तेज़ी से लोकप्रिय हो रही हैं। इसी दिशा में उभरते आयुर्वेदिक ब्रांड 'आयुत्रा' ने वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित और प्रभावी उत्पादों के दम पर स्वास्थ्य जगत में अपनी खास जगह बनाई है। जानकारी देते हुए रवि शर्मा ने बताया कि आयुत्रा न सिर्फ प्रामाणिक आयुर्वेद के सिद्धांतों का पालन करता है, बल्कि अत्याधुनिक अनुसंधान, क्लिनिकल दृष्टिकोण और उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरूप ऐसे हर्बल फॉर्मुलेशन विकसित करता है, जो वास्तविक जीवन की स्वास्थ्य समस्याओं पर प्रभावी परिणाम देते हैं। कंपनी के अनुसार, उसके सभी उत्पाद 100 प्रतिशत शुद्ध हर्बल एक्सट्रैक्ट्स पर आधारित हैं, जिन्हें आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से तैयार किया जाता है। आयुत्रा ने स्वास्थ्य के कई प्रमुख क्षेत्रों में समाधान विकसित किए हैं। भारतीय जनसंख्या में पाचन संबंधी समस्याएँ–जैसे एसिडिटी, गैस और कब्ज–बहुत आम हैं, और कंपनी के विशेष हर्बल फॉर्मूलेशन इन समस्याओं पर प्रभावी रूप से काम कर रहे हैं। इसके साथ ही महिलाओं के लिए पीसीओएस, हार्मोनल बैलेंस और संपूर्ण वेलनेस को ध्यान में रखते हुए तैयार किए गए उत्पाद बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं का भरोसा जीत रहे हैं।रवि शर्मा ने आगे बताया कि आयुत्रा ने त्वचा की समस्याओं–जैसे मुंहासे, दाग-धब्बे और पिगमेंटेशन–के लिए प्राकृतिक स्किन-केयर समाधान विकसित किए हैं, जबकि बालों के झड़ने और ग्रोथ को बढ़ावा देने वाले उत्पाद युवा पीढ़ी में तेज़ी से लोकप्रिय हो रहे हैं। कंपनी के डिटॉक्स, लिवर क्लीनज़ और इम्युनिटी बूस्टर सेगमेंट भी तेजी से विस्तार कर रहे हैं।

आयुत्रा का उद्देश्य आयुर्वेद के वास्तविक स्वरूप को वैज्ञानिक प्रमाणों और आधुनिक तकनीक के साथ आम लोगों तक पहुँचाना है, ताकि स्वस्थ जीवनशैली को अपनाना और भी आसान और प्रभावी बन सके। अधिक जानकारी और उत्पाद विवरण के लिए उपभोक्ता कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट www.ayutra.càæm पर जा सकते हैं।

ज्ञान की संभाल के लिए सत्संग-सिमरण की जरुरत

आत्मज्ञान की प्राप्ति तो गुरु की कृपा से सहज में हो सकती है, लेकिन इसकी संभाल बहुत कठिन है। जैसे हम अपने घरों में भी पौधे लगाते हैं। हम कहीं से कोई फल का पौधा, कोई फूलों कापौधा ले आते हैं और अपने घर के आंगन में लगा देते हैं, लेकिन केवल उसको घर के आंगन में लगा देने से ही हमें लाभ नहीं मिल जाते। हम उसकी संभाल करते है। उसको पानी भी देते हैं, खाद भी डालते हैं, ताकि वे पौधे बड़े हों, फूल, फल और अच्छी छाया दें। संभाल करते हैं तो सारे लाभ मिल जाते हैं।

इसी तरह से यह भी ज्ञान का बीज मन में डाला गया, इसको भी प्रफुल्लित करने के लिए सेवा, सिमरन, सत्संग की जरूरत होती है। जिस तरह से दीपक की एक लौ जलाते हैं। हवा में हम उस दीपक को दोनों हथेलियों में ढक लेते हैं, ताकि चारों तरफ से जो हवा चलन रही है, वो उस लौ को बुझा न दे। इसी तरह इस ज्ञान के दीपक को जब माया की हवा बुझाने की कोशिश करती है, तो इस ज्ञान की संभाल करने के लिए सिमरन करना ऐसे है जैसे अपने हाथों से ढंक कर उसे बुझने से बचा लिया हो।

हमें धन मिलता है तो धन की संभाल भी आवश्यक होती है। धन

सद्गुरू माता सुदीक्षा जी महाराज

के जरिये हमारे कारज रास हो जाते हैं। देखने वाला कहता है कि उसके पास तो इतनी प्रोपर्टी है, इतनी उसके पास जायदार है, धन है और इस धन के कारण उसके सारे परिवार की संभाल हो गई है। इसमें भी कोई शक नहीं, कि वह धन भी सारे परिवार की संभाल कर रहा है। लेकिन उस धन को पहले परिवार वालों ने संभाला हुआ था, तभी तो वह उसकी संभाल कर रहा है। उसको फेंका नहीं और हाथ से जाने नहीं दिया, तो दनकी संभाल हो रही है। यदि कोई नदी में डूब रहा इन्सान नदी में बस रहे लकड़ी के शहतीर को थाम लेता है तो देखने वाला कहता है कि देखो जी, इस शहतीर ने इसे संभाल लिया है, वरना तो इसको डूब जाना था। लेकिन शहतीर ने उसे तभी संभाला है, जब वह खुद शहतीर को थामे हुए है। पहले उसने सीाल की है, तो उसकी भी संभाल हो गई है। इसी तरह यह निराकार परमात्मा रुपी दात, जो विरलों को प्राप्त होती है, जिसका कोई मोल नही, जो जन्मों-जन्मों की भटकन के बाद प्राप्त होती है, ऐसा नाम रुपी हीरा जब इस झोली में पड़ जाता है, तो जो इसकी संभाल कर लेता है, वो वास्तव में आनन्दित रहता है, हमेशा सुखी रहता है। उसके नज़दीक कोई तृष्णा नही आती। अभिमान, दुख या कोई बुरी भावना उसके मन में प्रवेश नहीं करती। इसकी संभाल का जरिया भी बताया है, वह जरिया यही है कि साध संगत करना, सेवा करना और सिमससरन करना। लेकिन ये तयीनों कार्य निषम भावना से जब करते हैं, तो इस हीरे की संभाल हो जाती है। यह कभी हाथों से नहीं जाता।

इसमें कोई शक नहीं की इस निरंकार, दातार, प्रभु परमात्मा का ज्ञान सदुरु से प्राप्त हो जाता है, लेकिन फिर भी इसको हम आंखों से ओझल कर देते हैं। इस तरह का समय कई दफा जीवन में आता है। हर एक गुरुमुख महापुरुष का नाता इस निरंकार प्रभु हरि के साथ जुड़ा रहेगा, तो भक्त हमेशा गुणवान होते रहेंगे। इस प्रकार के सुख दातार प्रदान करता रहेगा।

पंचांग

शनिवार, 13 दिसम्बर, 2025, सूर्योदयः 07:05 ए एम, सूर्यास्तः 05:26 पी एम, चन्द्रोदयः 01:57 ए एम, दिसम्बर 14, चन्द्रास्तः 01:07 पी एम, शक सम्वतः 1947 विश्वावसु, विक्रम सम्वतः 2082 कालयुक्त, गुजराती सम्वतः 2082 पिङ्गल, अमान्त महीनाः मार्गशीर्ष, पूर्णिमान्त महीनाः पौष, वारः शनिवार, पक्षः कृष्ण पक्ष, तिथिः नवमी - 04:37 पी एम तक, नक्षत्रः हस्त - पूर्ण रात्रि तक, योगः आयुष्मान् - 11:17 ए एम तक, करणः गर - 04:37 पी एम तक, द्वितीय करणः वणिज - 05:40 ए एम, दिसम्बर , सूर्य राशिः वृश्चिक, चन्द्र राशिः कन्या, राहुकालः 09:40 ए एम से 10:58 ए एम, गुलिक कालः 07:05 ए एम से 08:23 ए एम, यमगण्डः 01:33 पी एम से 02:51 पी एम, अभिजित मुहूर्तः 11:55 ए एम से 12:36 पी एम, दुर्मुहूर्तः 07:05 ए एम से 07:46 ए एम, दुर्मुहूर्तः 07:46 ए एम से 08:28 ए एम, अमृत कालः 01:41 ए एम, दिसम्बर 14 से 03:27 ए एम, दिसम्बर 14

भविष्य फल

मेष: आज आप किसी खास व्यक्ति से मिल सकते हैं। बहुत से अच्छे मौके आपका इन्तजार कर रहे हैं लेकिन आपको उनके लिए पूरे तौर पर समर्पित कोशिशें करनी होंगी।

वृष: आज आप बिजनेस के सिलसिले में बाहर भी जा सकते हैं। आज पूरा समय परिवार वालों के साथ बिताने के लिये भी प्लान कर सकते हैं।

मिथुन: आज आप उम्मीदों की जादुई दुनिया में हैं। आप खुद को नए रोमांचक हालात में पाएंगे-जो आपको आर्थिक फायदा पहुंचाएंगे।

कर्क: आज आपका परिवार आपके लिए सहायता का स्त्रोत होगा। वो आपकी हर प्रकार से मदद करने को तैयार रहेंगे।

सिंह: आर्किटेक के क्षेत्र से जुड़े लोगों को आज अच्छा अवसर मिल सकता है। शाम को बच्चों के साथ अच्छा टाइम बीतेगा।

कन्या: परिवार वालों के साथ आपका रुखा बर्ताव घर का माहौल तनावपूर्ण बना सकता है। जल्दबाजी में निवेश न करें नहीं तो नुकसान हो सकता है।

तुला: आज छोटी-मोटी रुकावटों का सामना कर लेंगे। अचानक यात्रा के कारण आप आपाधापी और तनाव का शिकार हो सकते हैं।

वृश्चिक: आज आपकी नये कार्यों में रुचि बढ़ेगी जिससे आपको नया सिखने को मिलेगा। आज आप फीजूल के खर्च को कम करने का प्रयास करेंगे।

धनु: आज आप खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्दुरुस्त बनाए रखेगा। आप सभी पारिवारिक कर्जे खत्म करने में कामयाब रहेंगे।

मकर: आज आपका झुकाव आज कुछ हद तक आध्यात्मिकता की और रहेगा। आप किसी धार्मिक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं।

कुंभ: आज का दिन धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आज सभी काम आपके मन के मुताबिक पूरे होंगे।

मीन: रुपये-पैसे के हालात और उससे जुड़ी समस्याएँ तनाव का कारण साबित हो सकती हैं।

नरेंद्र धीमान को बनाया गया टीचर सेल का नया जिला संयोजक

जिलाध्यक्ष अशोक भारद्वाज ने की जिला संयोजक की नियुक्ति

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। भारतीय जनता पार्टी द्वारा सोनीपत जिले में संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से जिला अध्यक्ष अशोक भारद्वाज द्वारा टीचर सेल के जिला संयोजक की नियुक्ति की घोषणा की है। इस नियुक्ति के तहत नरेंद्र धीमान को टीचर सेल का नया जिला संयोजक बनाया गया है। जिला अध्यक्ष भारद्वाज ने नरेंद्र धीमान को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नरेंद्र धीमान लंबे समय से शिक्षा क्षेत्र से जुड़े हुए हैं और संगठन के विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उनके अनुभव और कार्यशैली को देखते हुए यह जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है।जिला संयोजक का दायित्व मिलने उपरांत नरेंद्र धीमान ने कहा कि वे जिले के शिक्षकों की समस्याओं के समाधान, संगठन को मजबूत करने और शिक्षा क्षेत्र में सकारात्मक माहौल बनाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। संगठन के सदस्यों ने नई नियुक्ति पर खुशी जताई और उम्मीद व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में टीचर सेल और अधिक सक्रिय व प्रभावी तरीके से कार्य करेगा। उन्होंने टीचर सेल के जिला संयोजक की जिम्मेदारी मिलने पर भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक भारद्वाज सहित पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

विधायक कादियान ने पांची जाटान में बजाड़ चौपाल का किया उद्घाटन, 20 लाख रुपये से हुआ नवीनीकरण

सहायक उपकरण दिव्यांगजनों और वृद्धजनों के लिए बहुत फायदेमंद होंगे: कादियान

गांव में लगे शिविर में 176 वृद्धजनों और दिव्यांगजनों को मिले सहायक उपकरण

अर्थ प्रकाश/सुरेन्द्र कुमार

गन्नौर। विधायक देवेंद्र कादियान ने शुक्रवार को पांची जाटान गांव में नवनिर्मित बजाड़ चौपाल का उद्घाटन किया। ब्लॉक समिति के तहत करीब 20 लाख रुपये की लागत से इस चौपाल का नवीनीकरण किया गया है, जिससे गांववासियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। इससे पहले गांव में पहुंचने पर ग्रामीणों ने विधायक कादियान का फूलमाला और पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। विधायक कादियान ने कहा, क्षेत्र में विकास कार्यों में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। सभी कार्य बिना किसी भेदभाव के किए जा रहे है। इसी तरह नए विकास कार्यों का शिलान्यास जारी रहेगा और पहले

से हो चुके कार्यों का उद्घाटन करेंगे। कादियान ने कहा कि ग्रामीणों के लिए चौपाल अब एक आदर्श स्थल बनेगा, जहां वे सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियां कर सकेंगे।

इसके बाद, विधायक कादियान ने गांव में आयोजित एलिम्को आसरा संस्था के सहायक उपकरण वितरण शिविर का उद्घाटन किया। इस शिविर में विधायक के हाथों करीब 176 जरूरतमंद वृद्धजनों और दिव्यांगजनों को व्हीलचेयर, कान की मशीन, घुटने और कमर की बेल्ट जैसी सहायक सामग्री वितरित की गई। कादियान ने कहा, यह सहायक उपकरण दिव्यांगजनों और वृद्धजनों के लिए बहुत फायदेमंद होंगे, और इससे उनके जीवन को और अधिक सरल बनाया जा सकेगा। उन्होंने कहा, सरकार हमेशा समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए काम करती रहेगी। इस अवसर पर बबलू, सतबीर, जिलेराम, बादल, रघुबीर, अशोक कुमार, महेंद्र, कृष्ण, प्रदीप, धर्मबीर, सुरेश, इंद्र आदि मौजूद रहे।

अवैध निर्माण पर कार्रवाई तेज: एसएमडीए ने 15 एकड़ में बने रास्ते व डीपीसी गिराई

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। सोनीपत महानगर विकास प्राधिकरण (एसएमडीए) से जिला नगर योजनाकार (डीटीपी) नीलम शर्मा ने बताया कि जिले में अवैध निर्माणों को प्रारंभिक चरण में ही ध्वस्त करने के लिए उपायुक्त सुशील सारवान के निर्देशानुसार प्रशासन द्वारा सख्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को एसएमडीए की टीम द्वारा खरखौदा क्षेत्र के गांव निजामपुर खुर्द व सोहटी की राजस्व संपदा में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों पर कार्रवाई की गई।

इस दौरान गांव निजामपुर खुर्द में 08 एकड़ में विकसित की जा रही अवैध कालोनी के कच्चे रास्तों तथा गांव सोहटी में 07 एकड़ में विकसित की जा रही अवैध कालोनी के कच्चे रास्तों तथा 02 डीपीसी निर्माण को ध्वस्त किया गया।

एसएमडीए डीटीपी नीलम शर्मा ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि अवैध कॉलोनियों में प्लॉट न खरीदें। ऐसी कॉलोनियों में सरकार द्वारा कोई भी मूलभूत सुविधा जैसे सडक, पानी, सीवरेज या बिजली प्रदान नहीं की जाती। इससे आपकी मेहनत की कमाई जोखिम में पड़ सकती है। उन्होंने कहा कि प्लॉट खरीदने से पूर्व यह सुनिश्चित करें कि संबंधित कॉलोनी नियमानुसार स्वीकृत है अथवा नहीं।

उन्होंने कहा कि नियंत्रित क्षेत्र में किसी भी तरह का निर्माण करने से पूर्व एसएमडीए के सीईओ से अनुमति लेना अनिवार्य है अन्यथा एसएमडीए द्वारा अवैध कालोनी निर्माण को किसी भी समय नियंत्रित क्षेत्र अधिनियम के प्रावधान में गिराया जा सकता है। उन्होंने बताया कि कोई भी नागरिक संबंधित जानकारी के लिए सोनीपत महानगर विकास प्राधिकरण कार्यालय, चैथा तल, काराधान विभाग, सेक्टर-12, सोनीपत में सम्पर्क कर सकता है। तोडफोड की कार्यवाही ड्यूटी मैजिस्ट्रेट नगर निगम के कार्यकारी अभियंता अजय निराला तथा एसएमडीए इंफोरर्समेंट व पुलिस टीम की मौजूदगी में की गई।

रबी फसलों का बीमा अवश्य कराएं किसान: सुशील सारवान

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। उपायुक्त सुशील सारवान ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफ बीवाई) के तहत रबी 2025-26 के लिए फसलों का बीमा 01 दिसंबर से प्रारंभ हो चुका है और बीमा करवाने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2025 निर्धारित की गई है। उपायुक्त ने जिला के किसानों का आह्वान किया कि वे इस बीमा योजना का लाभ उठाते हुए अपनी फसलों का बीमा अवश्य करवाएं। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा जिला में योजना के बेहतर क्रियान्वयन हेतु बीमा कंपनी को अधिकृत किया गया है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक डा. पवन शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि रबी 2025-26 में गेहूं, सरसों, जौ, चना और सूरजमुखी को बीमित फसलों की श्रेणी में शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि गेहूं 487.86, सरसों 327.44, जौ 310.91,चना 239.79, सूरजमुखी 330.75 रूपये प्रति एकड़ दरें निर्धारित की गई हैं। जिन किसानों को अपनी फसलों का बीमा करवाना है, वे अपने आधार कार्ड, बैंक पासबुक, नवीनतम भूमि रिकॉर्ड/जमाबंदी, बुआई प्रमाण पत्र तथा 'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' सहित संबंधित बैंक या सीएससी केंद्र (जन सेवा केंद्र) के माध्यम से बीमा करवा सकते हैं। यह योजना सभी किसानों के लिए स्वैच्छिक है। उन्होंने बताया कि यदि कोई ऋणी किसान बीमा नहीं करवाना चाहता, तो उसे अपने ऋणदाता बैंक में कट ऑफ डेट से 7 दिन पहले (24 दिसंबर 2025) तक लिखित घोषणा पत्र देना अनिवार्य है।

आयुर्वेद सिर्फ दवा नहीं, बल्कि जीवन का दर्शन : असीम कुमार घोष

भारत के पुराने ज्ञान और मॉडर्न साइंटिफिक इनोवेशन पर इवेंट में रोशनी डाली

राज्यपाल नेशनल आयुर्वेद फेस्टिवल का किया उद्घाटन

अर्थ प्रकाश/आदित्य शर्मा

पंचकूला, 12 दिसंबर। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि आयुर्वेद सिर्फ दवा का एक सिस्टम नहीं है। यह जीवन का एक दर्शन है जो मन, शरीर और आत्मा के बीच तालमेल सिखाता है। इसमें प्रकृति, स्वास्थ्य और इंसानी सेहत की गहरी समझ शामिल है, जिसमें रोकथाम, पर्सनलाइज्ड केयर और सस्टेनेबल जीवन पर जोर दिया गया है। राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने आज यहां नेशनल आयुर्वेद फेस्टिवल का उद्घाटन करने के बाद ये बातें कहीं। यह फेस्टिवल भारत के पुराने ज्ञान, साइंटिफिक सूझबूझ और होलिस्टिक हेल्थकेयर प्रैक्टिस को श्रद्धांजलि है। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल की धर्मपत्नी मित्रा घोष और मुख्यमंत्री के पॉलिटिकल सेक्रेटरी तरुण भंडारी भी मौजूद थे।

उन्होंने कहा कि हरियाणा हमेशा से तरक्की, शिक्षा और वेलनेस की धरती रहा है। इतने बड़े लेवल का इवेंट होस्ट करना आयुर्वेद, इनोवेशन और होलिस्टिक हेल्थकेयर को बढ़ावा देने के लिए राज्य के कमिटमेंट को दिखाता है।

उन्होंने कहा कि आज के जमाने में, जहाँ मॉडर्न हेल्थकेयर को पुरानी बीमारियों, लाइफस्टाइल डिसऑर्डर और मेंटल हेल्थ की चिंताओं जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, आयुर्वेद के सिद्धांत ऐसी जानकारी देते हैं जो हमेशा रहने वाली और आज के लिए जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि जो चीज आयुर महोत्सव-2025 को सच में खास बनाती है, वह है इसमें शामिल होने वालों की बड़ी संख्या और गहराई। उन्होंने आगे कहा कि टॉप एकेडेमिक्स, आचार्यों और जानकारों की मौजूदगी यह पक्का करती है कि क्लासिकल टेक्स्ट और पारंपरिक ज्ञान को साइंटिफिक सख्ती के साथ समझा, एनालाइज और लागू किया जाए, जिससे पुराने और नए जमाने के बीच की खाई कम हो।

राज्यपाल ने कहा कि बड़े आयुर्वेद ब्रांड्स, वेलनेस ऑर्गनाइजेशन और रिसर्च इंस्टीट्यूशन का हिस्सा लेना भी उतना ही इंस्पायरिंग है। हाई क्वालिटी फॉर्मूलेशन, स्टैंडर्ड थेरेपी और ग्लोबल हेल्थकेयर सॉल्यूशन बनाने की उनकी कोशिशें एक्सीलेंस के प्रति कमिटमेंट को दिखाती हैं। इस फेस्टिवल की सबसे रोमांचक पहलों में से एक स्टार्टअप कॉन्क्लेव है। स्टार्टअप्स पर्सनलाइज्ड वेलनेस सॉल्यूशन, डिजिटल थेराप्यूटिक्स, हर्बल डायग्नोस्टिक टूल्स और एआई एंड इनेबल्ड हेल्थकेयर प्लेटफॉर्म ला रहे हैं, जो ट्रेडिशन को कटिंग-एज टेक्नोलॉजी के साथ मिला रहे हैं।

प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने कहा कि क्लासिकल नॉलेज को मॉडर्न रिसर्च, क्लिनिकल स्टडीज और टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन के साथ मिलाकर, आयुर्वेद ऐसे सॉल्यूशन दे सकता है जो होलिस्टिक, सस्टेनेबल और ग्लोबली रेलिवेंट हों। इस मौके पर, उन्होंने मौजूद युवा प्रैक्टिशनर्स और इनोवेटर्स से रिसर्च, एविडेंस-बेस्ड प्रैक्टिस और एथिकल इनोवेशन को अपनाने और लोगों के जीवन में एक बड़ा बदलाव लाने की अपील की।

इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली मुल्तानी फार्मा, झंडू, इमामी कंपनियों के प्रतिनिधियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। नेशनल आयुर्वेद फेस्टिवल-2025 के अवसर पर राज्यपाल ने प्रसिद्ध समाज सेवी व ब्लैक बैल्ट ताईक्वांडो अमिता मारवाह को योगागुरु आवार्ड का प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

नगर निगम ने संडे कार बाजार के विक्रेताओं की बिना अनुमति पार्किंग पर की सख्त कार्रवाई, 12 वाहन जब्त

अर्थ प्रकाश/विरेन्द्र सिंह

चंडीगढ़, 12 दिसंबर। सार्वजनिक पार्किंग स्थलों का सही और कानूनी उपयोग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन चंडीगढ़ ने मनीमाजरा स्थित पेड पार्किंग साइट पर संडे कार बाज़ार के सेकंड-हैंड कार विक्रेताओं द्वारा नियमों के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई की है।

हाल ही में हुए निरीक्षण में पाया गया कि संडे कार बाज़ार में शामिल कई विक्रेता निर्धारित समय के बाद भी अपनी गाड़ियों को स्थान से नहीं हटाते हैं। इसके अतिरिक्त, अनेक वाहन बिना अनिवार्य पेड पार्किंग पर्ची के खड़े पाए गए, जिससे सार्वजनिक स्थानों पर अवैध कब्ज़ा हुआ और नियमित पार्किंग व्यवस्था बाधित हुई।

उक्त उल्लंघनों को गंभीर मानते हुए एमसी कमिश्नर श्री अमित कुमार, आईएएस के निर्देश पर एमसी एन्फोर्समेंट टीम ने मनीमाजरा पेड पार्किंग स्थल पर अचानक निरीक्षण किया। जांच के दौरान नियम तोड़ने वाले विक्रेताओं के कुल 12 वाहनों को जब्त कर लिया गया। वाहन मालिक अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधि वैध पेड पार्किंग पर्ची प्रस्तुत करने में असमर्थ रहे, जिसके बाद नियमों के अनुसार वाहनों को जब्ती में लिया गया।

म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन ने स्पष्ट किया कि संडे कार बाज़ार एक अधिकृत गतिविधि है, लेकिन इसमें भाग लेने वाले सभी विक्रेताओं के लिए निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन अनिवार्य है–जिसमें समय पर वाहन हटाना और पेड पार्किंग प्रक्रिया का पालन करना शामिल है।

एमसी चंडीगढ़ की इस कार्रवाई का उद्देश्य सार्वजनिक पार्किंग स्थानों के दुरुपयोग को रोकना, अनधिकृत व्यावसायिक गतिविधियों पर नियंत्रण रखना तथा शहर की पार्किंग व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना है। निगम ने यह भी कहा कि भविष्य में भी नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ संबंधित कानूनों के तहत कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

नगर निगम ने ने कूड़ा फेंकने पर काटे चालान

सेक्टर 37-सी और धनास में सख्त कार्रवाई

अर्थ प्रकाश/विरेन्द्र सिंह

चंडीगढ़, 12 दिसंबर। शहर में स्वच्छता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन चंडीगढ़ ने सेक्टर 37-सी और ईडब्ल्यूएस फ्लैट्स, धनास में गलत तरीके से कचरा फेंकने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है।

आज सुबह कार्यालय जाते समय मेडिकल ऑफिसर ऑफ़ हेल्थ डॉ. इंदरदीप कौर ने सेक्टर 37-सी में एक घर के बाहर गैर-जिम्मेदाराना तरीके से कचरा फेंका हुआ देखा। उन्होंने तुरंत एरिया हेल्थ सुपरवाइज़र को मौके का निरीक्षण करने और स्थल को साफ करवाने के निर्देश दिए।

निर्देश मिलते ही एरिया हेल्थ सुपरवाइज़र और सैनिटरी इंस्पेक्टर टीम मौके पर पहुँची। जांच में 36/37 राउंडअबाउट के पास कचरा गलत तरीके से फेंकने की पुष्टि होने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ रुपये 13,401 का चालान जारी किया गया।

धनास स्थित ईडब्ल्यूएस फ्लैट्स में एक अन्य मामले में, मिले-जुले घरेलू कचरे के ढेर से एक गैस बिल की रसीद बरामद हुई। रसीद के आधार पर कचरा फैलाने वाले की पहचान की गई और नियमों का उल्लंघन करने पर रुपये 13,401 का एक और चालान काटा गया।

म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन चंडीगढ़ ने दोहराया है कि शहर में कूड़ा फैलाने, कहीं भी कचरा फेंकने या वेस्ट मैनेजमेंट नियमों का पालन न करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। निगम ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे स्वच्छता बनाए रखें, कचरा अलग-अलग श्रेणियों में डालें और स्वच्छ एवं स्वस्थ चंडीगढ़ के मिशन में सहयोग करें।

रॉक गार्डन में पद्मश्री नेक चंद की 101वीं जयंती पर 13 से 15 दिसंबर तक सांस्कृतिक उत्सव

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 12 दिसंबर। विश्व-प्रसिद्ध रॉक गार्डन के सर्जक पद्मश्री स्वर्गीय नेक चंद की 101वीं जयंती के उपलक्ष्य में इस वर्ष एक भव्य तीन दिवसीय समारोह आयोजित किया जा रहा है। रॉक गार्डन सोसाइटी, चंडीगढ़ पर्यटन विभाग तथा नॉर्थ ज़ोन कल्चरल सेंटर (एनजेडसीसी) के संयुक्त तत्वावधान में 13 दिसंबर से 15 दिसंबर 2025 तक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। समारोह की शुरुआत 13 दिसंबर (शनिवार) को रॉक गार्डन स्थित नेकचंद मेमोरियल में दीप प्रज्वलन और उनकी वैक्स प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर की जाएगी। मुख्य अतिथि मुख्य अभियंता, चंडीगढ़ प्रशासन सी. बी. ओझा तथा समिति सदस्यों सहित अन्य विशिष्ट अतिथि इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे। तीन दिनों तक रॉक गार्डन के फेज-3 में सांस्कृतिक रंग बिखेरने वाले कई अनूठे कार्यक्रम आयोजित होंगे। इनमें बाजीगर, नाचर, बीन-जोगी, बहुरूपिया, नगाड़ा, कठपुतली शो, स्टिक वॉकर सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए कलाकारों के लोक-सांस्कृतिक प्रदर्शन शामिल हैं। इसके साथ ही आम जनता के लिए म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता और पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित विशेष संगीत प्रस्तुतियाँ 13 और 14 दिसंबर को आकर्षण का केंद्र रहेंगी। समापन दिवस 15 दिसंबर (सोमवार) को प्रसिद्ध पंजाबी लोक कलाकार फिरोज़ खान एनजेडसीसी के सहयोग से विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम के अंत में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन होगा, जिसकी अध्यक्षता गृह सचिव-कम-चेयरमैन, रॉक गार्डन सोसाइटी करेंगे। पद्मश्री नेक चंद की रचनात्मकता और विरासत को समर्पित यह तीन दिवसीय आयोजन न केवल उनकी स्मृति को नमन करेगा, बल्कि चंडीगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर को भी नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व लोकसभा स्पीकर शिवराज पाटिल का निधन

राजनीति और प्रशासन में किए अमूल्य योगदान : पवन बंसल

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 12 दिसंबर। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और भारत के पूर्व केंद्रीय मंत्री व पूर्व लोकसभा स्पीकर शिवराज पाटिल के निधन पर पूर्व केंद्रीय रेल व वित्त राज्य मंत्री पवन बंसल ने दुख जताया है। उन्होंने कहा कि श्री पाटिल को उनके सख्त अनुशासन, नियमों के प्रति प्रतिबद्धता और कुशल प्रशासनिक कार्यों के लिए जाना जाता था। पवन बंसल ने कहा कि श्री पाटिल ने 1989 के लोकसभा चुनावों के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी द्वारा गठित कांग्रेस घोषणापत्र समिति में काम करने का अवसर प्राप्त किया था। वह भी उनके साथ इस समिति में थे। स्पीकर के रूप में उन्होंने संसदीय स्थायी समितियों की स्थापना कर संसद की प्रक्रियाओं को और मजबूत किया।

केंद्रीय मंत्री के रूप में और बाद में पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ प्रशासन के प्रशासक के रूप में उनके कार्यकाल को अनुशासन, ईमानदारी और अच्छे शासन के आदर्श के रूप में याद किया जाएगा। उनके निधन पर शैलेश पाटिल और परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की गई हैं।

अर्थ प्रकाश न्यूज पेपर्स के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक महावीर जैन द्वारा 'अर्थ प्रकाश प्रेस' से मुद्रित एवं प्रकाशित तथा अर्थ प्रकाश कार्यालय अर्थ प्रकाश भवन, सैक्टर 29-डी, चण्डीगढ़ से जारी। प्रधान सम्पादक : **महावीर जैन,** सम्पादक एवं मुख्य संवाददाता **कैलाश चन्द जैन**
आर.एन.आई. पंजीक्रम : **42427/86** डाक पंजीक्रम : **G/CHD/0197/2021-23** फोन : 0172-2638515, 9814019928 E-mail : arthparkash@gmail.com, arthparkashnews@gmail.com मुख्य सलाहकार : **हरीश चंद्र जैन,** एचसीएस (सेवानिवृत्त)